सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
Digital Edition

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष : 1 अंक : 308, नई दिल्ली,शुक्रवार,
01, दिसंबर 2023 पेज : 8

NEWS NTV
TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये
परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

शुभ संदेश

जो लोग दूसरों को अपनी दुआओं में शामिल करते हैं, खुशियां सबसे पहलेउनके ही दरवाजे पर दस्तक देती हैं.
आपका दिन शुभ हो

संक्षिप्त खबरें

जब मलबा गिरा तो लगा कभी नहीं निकल पाएंगे..सुरंग से बाहर आए झारखंड के विश्वजीत ने सुनाई आपबीती

देहरादून
दिवाली के दिन से उत्तरकाशी की निमार्णाधीन सुरंग में कैद 41 श्रमिक बाहर आ गए हैं। रैट माइनर्स की टीम ने मंगलवार को मजदूरों को सुरंग से बाहर निकालने में सफलता पाई। बीते 17 दिनों से कई टीमें बचाव अभियान में जुटी थीं। अब बाहर आने के बाद मजदूरों ने अपनी आपबीती सुनाई।
सिलक्यारा सुरंग में जब मलबा गिरा तो लगा कभी नहीं निकल पाएंगे, लेकिन जब धीरे-धीरे हमें बचाने के लिए प्रयास शुरू हुए। ऑक्सीजन और खाने के लिए व्यवस्था के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन ने गति पकड़ी तो बाहर निकलने की उम्मीद बंधी। यह आपबीती है सिलक्यारा सुरंग में 17 दिन तक फंसे रहे झारखंड के ग्राम केशोडीह निवासी विश्वजीत कुमार की। विश्वजीत ने बताया कि बीते 12 नवंबर सुबह जब भूस्खलन हुआ और मलबा गिरा तो सुरंग के अंदर फंसने के 10-15 घंटे तक बहुत परेशानी हुई। लगा कि अब वह बाहर नहीं निकल पाएंगे, लेकिन फिर पानी के पाइप से खाने और ऑक्सीजन की सप्लाई शुरू हुई तो एक उम्मीद जगी।
बताया कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से लेकर झारखंड के मुख्यमंत्री तक ने उन्हें बचाने के प्रयास किए। हमारी जान बचाने के लिए देशभर से मशीनें मंगवाई गईं, दुनियाभर के विशेषज्ञ मौके पर आए। विश्वजीत ने सुरंग में फंसे सभी मजदूरों को बचाने के लिए सरकार का आभार जताया। सुरंग के अंदर फंसे रहे झारखंड के ही सुबोध कुमार ने बताया कि उन्हें सुरंग में फंसने के चौबीस घंटे तक बहुत दिक्कत हुई, लेकिन अब वह पूरी तरह स्वस्थ हैं।

रोहतांग टनल, नारकंडा समेत कुल्लू-लाहौल की चोटियों पर बर्फबारी, कुफरी में गिरे फाहे

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने शुक्रवार को भी मौसम खराब बने रहने का पूवार्नुमान जताया है। शनिवार से धूप खिलने की संभावना है। येलो अलर्ट के बीच वीरवार को अटल टनल रोहतांग और नारकंडा समेत कुल्लू-लाहौल की चोटियों पर बर्फबारी हुई, जबकि शिमला के कुफरी में फाहे गिरे हैं। सोलन, सिरमौर, मंडी और कांगड़ा जिला के कई क्षेत्रों में झमाझम बादल बरसे। वहीं, राजधानी शिमला में दोपहर बाद बूंदाबांदी हुई।
मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने शुक्रवार को भी मौसम खराब बने रहने का पूवार्नुमान जताया है। शनिवार से धूप खिलने की संभावना है। वीरवार को बारिश और बर्फबारी होने से तापमान में पांच डिग्री की कमी दर्ज हुई। इससे प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में ठंडक बढ़ गई है।
शिमला के ऊंचाई वाले क्षेत्र नारकंडा में वीरवार को सर्दियों के सीजन की पहली बर्फबारी हुई। उधर, अटल टनल रोहतांग समेत चोटियों पर बुधवार देर रात के बाद शुरू हुआ बर्फबारी का दौर वीरवार को भी जारी रहा। बर्फ के फाहों के बीच सैलानी कोकसर पहुंचे और जमकर मस्ती की।
कुल्लू जिले के निचले इलाकों में बारिश हुई है। खराब मौसम को देखते हुए प्रशासन ने पर्यटकों को संवदेनशील इलाकों की ओर न जाने की हिदायत दी है। राजधानी शिमला सहित प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में वीरवार सुबह से ही बादल छाए रहे। इस साल नवंबर में सामान्य से 42 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है।

दिल्ली में जल्द चलेंगी सिर्फ इलेक्ट्रिक बाइक टैक्सियां, राज्य सरकार ने जारी किए नए नियम

इस समय दिल्ली में ओला, उबर और रैपिडो जैसी कुछ प्रमुख बाइक टैक्सी ऑपरेटर हैं जिनके बेड़े में पेट्रोल और इलेक्ट्रिक दोनों मॉडल हैं। इससे पहले, दिल्ली में बाइक टैक्सियों को तब तक प्रतिबंध का सामना करना पड़ता था

नई दिल्ली

एप-आधारित कैब एग्रीगेटर्स के कंप्लीट इलेक्ट्रिफिकेशन पर जोर देते हुए दिल्ली जल्द ही मौजूदा बाइक टैक्सियों को हटा देगी। राज्य सरकार ने दिल्ली मोटर वाहन एग्रीगेटर और डिलीवरी सर्विस प्रोवाइडर स्कीम 2023 नाम से एक अधिसूचना जारी की है। इसके तहत 2030 तक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सिर्फ इलेक्ट्रिक बाइक टैक्सियों को चलाने की इजाजत होगी। इस समय दिल्ली में ओला, उबर और रैपिडो जैसी कुछ प्रमुख बाइक टैक्सी ऑपरेटर हैं जिनके बेड़े में पेट्रोल और इलेक्ट्रिक दोनों मॉडल हैं। इससे पहले, दिल्ली में बाइक टैक्सियों को तब तक प्रतिबंध का सामना करना पड़ता था जब तक कि उन्हें ईवी बेड़े में नहीं बदल दिया जाता।
प्रस्तावित कैब एग्रीगेटर नीति के मुताबिक, शहर में संचालित सभी यूनिट्स को अधिसूचना की तारीख से तीन महीने के भीतर लाइसेंस हासिल करना होगा। ये लाइसेंस वार्षिक शुल्क के आधार पर वैध होंगे। जब तक कि यह इलेक्ट्रिक न हो, और यह पांच साल तक चलेगा। नई योजना में दो साल से कम पुराने वाहनों पर 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी।
बाइक टैक्सियों को इलेक्ट्रिक बनाने का कदम सार्वजनिक परिवहन के जरिए शुद्ध शून्य उत्सर्जन हासिल करने की दिल्ली सरकार की पहल के रूप में आया है। इसके बेड़े में पहले से ही लगभग एक हजार इलेक्ट्रिक बसें हैं। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि यह पहली बार है कि कैब एग्रीगेटर दिशानिदेर्शों में बाइक टैक्सी ऑपरेटरों के चरणबद्ध इलेक्ट्रिफिकेशन को शामिल किया गया है।
राज्य सरकार की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली अक्सर उच्च प्रदूषण स्तर की चपेट में रहती है, जिसका मुख्य कारण वाहनों से होने वाला उत्सर्जन है। इसने हाल ही में इर3 पेट्रोल और इर4 डीजल वाहनों के चलने पर प्रतिबंध लगा दिया था। क्योंकि पिछले कुछ हफ्तों में हवा की गुणवत्ता खतरनाक स्तर पर पहुंच गई थी। बाइक टैक्सियों और कैबों को इलेक्ट्रिक करने के फैसले को शहर से प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को कम करने के कदम के रूप में देखा जा रहा है।
राय ने कहा, ₹दिल्लीवासियों के लिए सुचारू आवाजाही के लिए दिल्ली में एग्रीगेटर्स को लाइसेंस देने और रेगुलेट करने की लंबे समय से जरूरत रही है। भारत ने 2070 तक शुद्ध शून्य (उत्सर्जन) हासिल करने का लक्ष्य रखा है। यह योजना उसी दिशा में राजधानी की एक पहल है। यह पहली बार है कि हम शहर में बाइक टैक्सियों को चलाने की इजाजत दे रहे हैं।₹
नए नियम से इलेक्ट्रिफिकेशन के अलावा जनता की सुरक्षा और सुविधा भी सुनिश्चित होगी। राज्य सरकार ने कहा कि अगर उपभोक्ता एग्रीगेटर्स के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हैं तो वह सर्ज प्राइसिंग पर भी नियम बनाएगी।

पहाड़ से मैदान तक बदला मौसम, मसूरी में बारिश के बाद छाया कोहरा, ठंड में हुआ इजाफा

देहरादून,उत्तराखंड में आज गुरुवार को पहाड़ से मैदान तक मौसम का मिजाज फिर बदला। प्रदेशभर में दिनभर बादल छाए रहे। पहाड़ो की रानी मसूरी में दोपहर बाद हल्की बारिश हुई। वहीं, इसके बाद घना कोहरा छा गया। जिससे ठंड में इजाफ हो गया है। लोग ठंड से बचने को अलाव का सहारा लेते नजर आए। पौड़ी जिला मुख्यालय में अधिकतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 5 डिग्री सेल्सियस रहा। हालांकि आसमान में बादल छाए रहने से दोपहर बाद बर्फिली हवाएं चलीं। ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के आसार
पर्वतीय क्षेत्रों के तीन हजार मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना है। बुधवार को केदारनाथ, बदरीनाथ, हेमकुंड साहिब सहित पिथौरागढ़ की ऊंची पहाड़ियों में बर्फबारी हुई थी। जिससे प्रदेशभर में पारा लुढ़क गया और ठिठुरन बढ़ गई। अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सिय और न्यूनतम 11 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

पालिका प्रशासन ने निरस्त किए 94 सड़कों के टेंडर

पालिका के पार्षदों ने अपने-अपने क्षेत्र में सड़कें बनवाने सहित कई विकास कार्यों के लिए प्रस्ताव दिए थे।

ऊधम सिंह नगर

जसपुर। नगर पालिका जसपुर के मौजूदा बोर्ड का तीन दिन बाद कार्यकाल समाप्त होने वाला है लेकिन कार्यकाल समाप्त होने से मात्र तीन दिन पहले पार्षदों को भारी झटका लगा है। उनकी ओर से दिए गए जिन प्रस्तावों पर 10 करोड़ की राशि से पालिका के विभिन्न वार्डों में सड़कें बनने वाली थीं उन सभी सड़कों के 94 टेंडर को पालिका प्रशासन ने निरस्त कर दिया है।
पालिका के पार्षदों ने अपने-अपने क्षेत्र में सड़कें बनवाने सहित कई विकास कार्यों के लिए प्रस्ताव दिए थे। काफी समय तक इन प्रस्ताव को पास किए जाने का इंतजार किया जाता रहा। पिछले दिनों बोर्ड बैठक में सभी प्रस्तावों को पारित कर 10 करोड़ से सड़कें बनाए जाने का फैसला लिया गया था जिसके लिए टेंडर भी आमंत्रित कर लिए गए थे। सभी पार्षद इन विकास कार्यों को अपने आगामी चुनाव की योजना से भी जोड़ कर देख रहे थे क्योंकि इनमें कहीं प्रस्ताव ऐसे थे जो पार्षदों ने क्षेत्र की जनता की मांग पर न केवल रखे थे बल्कि निर्माण कार्य कराने के लिए वह बार-बार प्रयास भी कर रहे थे। मगर बुधवार को अचानक इन 94 सड़कों के टेंडरों को निरस्त कर दिया गया। इससे पार्षदों के साथ-साथ ठेकेदारों में भी मायूसी है। पालिका के अधिशासी अधिकारी शाहिद अली ने बताया कि अपरिहार्य कारणों से टेंडर निरस्त किए गए हैं।

60 वर्ष से अधिक महिलाओं को रोडवेज में मुफ्त यात्रा, महिला वोटरों को साधने की कोशिश...

आगामी लोकसभा चुनाव में योगी सरकार का पूरा फोकस आधी आबादी के वोट बैंक को साधने पर है। प्रदेश में लंबे समय से बुजुर्ग महिलाओं को मुफ्त यात्रा की मांग की जा रही

लखनऊ

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सौगात मिलेगी। योगी सरकार ने लोकसभा चुनाव से पहले महिला वोट बैंक को साधने की तैयारी की है। अनुपूरक बजट में निगम को प्रतिकर भुगतान के लिए एक करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। आगामी लोकसभा चुनाव में योगी सरकार का पूरा फोकस आधी आबादी के वोट बैंक को साधने पर है। प्रदेश में लंबे समय से बुजुर्ग महिलाओं को मुफ्त यात्रा की मांग की जा रही थी। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को रोडवेज की बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। रोडवेज के बेड़े में शामिल होंगी एक हजार नई बसें मंत्री सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश सड़क परिवहन निगम के बेड़े में करीब एक हजार नई बसें शामिल की जाएंगी। इनमें सौ से अधिक इलेक्ट्रिक बसें भी होंगी। अनुपूरक बजट में नई बसों की खरीद के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है हाल ही में कैबिनेट से स्वीकृत उत्तर प्रधेश अंतर्देर्शीय जल मार्ग प्राधिकरण की स्थापना के लिए एक लाख रुपये का प्रावधान किया है। परिवहन आयुक्त कार्यालय में वाहन खरीद के लिए 50 लाख का बजट प्रावधान किया है। रोडवेज दफ्तरों के लिए मंजूरी अनुपूरक बजट में बरेली, गाजीपुर, फरुखाबाद, हापुड़, देवरिया, संभल, जौनपुर, चित्रकूट और चंदौली में सारथी हॉल सहित रोडवेज कार्यालय भवन बनाने के लिए अनुपूरक बजट में मंजूरी दी गई है। अनुपूरक बजट में टोकन मनी के रूप में एक लाख रुपये स्वीकृत किया है। हजरतगंज में बनेगा एकीकृत परिवहन भवन राजधानी लखनऊ में हजरत गंज ओलिवर रोड पर स्थित भूमि पर परिवहन विभाग का बहुमंजिला एकीकृत आधुनिक परिवहन भवन बनाया जाएगा। अनुपूरक बजट में भवन निर्माण को मंजूरी के साथ इसके लिए टोकन मनी के रूप में एक लाख रुपये का प्रावधान किया है।

कोहरे से बिगड़ा संचालन, ट्रेनों और फ्लाइटें लेट, मुंबई रूट के यात्री हुए बेहाल

लखनऊ

कोहरे से बुधवार को विमानों, ट्रेनों का संचालन बिगड़ गया। मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता, दिल्ली आदि रूटों की फ्लाइटें और ट्रेनें लेट हुईं। विस्तारा की दिल्ली की फ्लाइट यूके-642 आधे घंटे देरी से रवाना हुई। इंडिगो की दिल्ली की फ्लाइट 6ई-5072 एक घंटा 40 मिनट, 6ई-2243 आधे घंटे लेट रही। नई दिल्ली से लखनऊ आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स-784 एक घंटे, इंडिगो की 6ई-2319 एक घंटा दस मिनट, इंडिगो की ही 2376 एक घंटा 25 मिनट देरी से पहुंची।
कोलकाता जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई104 आधे घंटे व कोलकाता से लखनऊ आने वाली 6ई 856 चालीस मिनट, इंडिगो की ही फ्लाइट 6ई-6501 एक घंटा बीस मिनट देरी से पहुंची। अहमदाबाद जाने वाला विस्तारा का विमान यूके 642 आधे घंटे व एयर इंडिया की कनेक्टिंग फ्लाइट एआई-835 डेढ़ घंटे लेट हुई।
मुंबई रूट के यात्रियों का हाल बेहाल
मुंबई जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई-5241 ढाई घंटे देरी से रवाना हुई। अकासा एयरलाइंस की एकेजे-526 ने भी ढाई घंटे देरी से उड़ान भरी। मुंबई से लखनऊ आने वाली इंडिगो की 6ई-2442 सवा तीन घंटे देरी से पहुंची। 13 घंटे तक देरी का शिकार हुईं ट्रेनें
15903 चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ सवा पांच घंटे, 12523 न्यू फरक्का 13 घंटे, 15909 अवध-असम सवा चार घंटे, 14003 मालदाटाउन एक्स. चार घंटे, 12327 उपासना दस घंटे, 12370 कुंभ एक्सप्रेस सवा चार घंटे व 15623 कामाख्या एक्स. तीन घंटे लेट रही।
स्पेशल ट्रेन 04651 जयनगर-अमृतसर आठ घंटे, 04012 दिल्ली-दरभंगा एक्स. सवा छह घंटे, 01663 सहरसा-आनंदविहार 14 घंटे, 04489 दरभंगा-नई दिल्ली 11 घंटे, 01675 मुजफ्फरपुर-आनंदविहार एक्स. 11 घंटे व 04005 जयनगर-दिल्ली एक्स. 12 घंटे लेट रही।

अंग्रेजों के जमाने में बने विश्व धरोहर रेलवे स्टेशनों का 100 करोड़ से होगा कायाकल्प

शिमला

स्टेशन की आधुनिक ड्राइंग देने के लिए भी कहा है। सलाहकार की रिपोर्ट के अनुसार ही बजट जारी होगा। बताया जा रहा है कि स्टेशनों पर करीब 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का बजट रखा गया है।
विश्व धरोहर कालका-शिमला रेललाइन पर शिमला और कालका रेलवे स्टेशन का जल्द ही आधुनिकीकरण होगा। पहली बार इस प्रकार का कार्य हेरिटेज रेललाइन पर होगा। इसके लिए रेलवे बोर्ड ने कार्य शुरू कर दिया है। इसके लिए बोर्ड ने विशेष सलाहकार को दोनों रेलवे स्टेशन का मुआयना कर रिपोर्ट देने के लिए कहा है। स्टेशन की आधुनिक ड्राइंग देने के लिए भी कहा है। सलाहकार की रिपोर्ट के अनुसार ही बजट जारी होगा। बताया जा रहा है कि स्टेशनों पर करीब 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का बजट रखा गया है। इसका पता रिपोर्ट के बाद ही लगेगा। कालका रेलवे स्टेशन के मास्टर प्लान पर भी काम चला हुआ है। बताया जा रहा है कि यह कार्य दिसंबर माह के अंत में पूरा किया जाएगा। इस कार्य पर करीब 31.40 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। रेल मंत्रालय की ओर से यात्रियों को रेलवे स्टेशन पर बेहतर अनुभव करवाने पर कार्य किया जा रहा है। वहीं आधुनिकीकरण के इस दौर में भी मंत्रालय कार्य कर रहा है ताकि यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। रेलगाड़ियों के आधुनिकीकरण के साथ अब स्टेशनों पर भी यह कार्य शुरू किया है। यह कार्य अमृत रेलवे स्टेशन के तहत करवाया जा रहा है। शिमला रेलवे स्टेशन पर भी कार्य किया जाएगा। कार्य करवाने का उद्देश्य न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं (एमईए) सहित अन्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिए चरणों में मास्टर प्लान का कार्यान्वयन करना है।

दून में छाया गाड़ियों में भारत सीरीज के नंबर का क्रेज, इस साल 300 से अधिक लोगों ने लिया

देहरादून

एक राज्य से दूसरे राज्य में जाने और ट्रांसफर के बाद पुनः पंजीकरण की समस्या से बचने के लिए भारत यानी बीएच सीरीज की नंबर प्लेट लगवाई जा सकती हैं। इस सीरीज की नंबर प्लेट दून के लोगों को खूब रास आ रही है। दून की गाड़ियों को भारत सीरीज का नंबर काफी पसंद आ रहा है। यहां अब तक कुल 542 गाड़ियों में भारत सीरीज की नंबर प्लेट लग चुकी है। इस साल अब तक देहरादून में 300 से अधिक गाड़ियों में बीएच सीरीज की नंबर प्लेट लगाई जा चुकी हैं। नई गाड़ियों के साथ ही पुरानी गाड़ियों में भी यह नंबर लगवाए जा रहे हैं। गौरतलब हो कि एक राज्य से दूसरे राज्य में जाने और ट्रांसफर के बाद पुनः पंजीकरण की समस्या से बचने के लिए भारत यानी बीएच सीरीज की नंबर प्लेट लगवाई जा सकती हैं। इस सीरीज की नंबर प्लेट दून के लोगों को खूब रास आ रही है। अपनी पुरानी कार में भी वाहन स्वामी बीएच सीरीज की नंबर प्लेट लगवा रहे हैं। पहले सिर्फ नए वाहनों के स्वामी ही इस नंबर को ले सकते थे, लेकिन जब बीएच सीरीज के प्रयोग को व्यापक बनाने के तहत पुराने वाहनों के लिए यह सुविधा शुरू की गई तो दून के वाहन स्वामी भी इसका लाभ लेने में पीछे नहीं रहे।
परिवहन विभाग के लिए घाटे का सौदा
बीएच सीरीज के नंबर के लिए बेशक परिवहन विभाग प्रोत्साहित कर रहा हो, लेकिन इस नंबर प्लेट से परिवहन विभाग को घाटा ही होता है। उदाहरण के तौर पर अगर किसी गाड़ी की वैल्यू 15 लाख रुपये है, तो सामान्य पंजीकरण में न्यूनतम 1.5 लाख रुपये का टैक्स परिवहन विभाग को प्राप्त होता है। वहीं, बीएच सीरीज के लिए 22 हजार रुपये प्रतिवर्ष के हिसाब से दो साल का टैक्स महज 44,000 रुपये प्राप्त होता है इसलिए परिवहन विभाग को इस सीरीज में नुकसान हो रहा है।
पुराना कर हो जाता रिफंड
आरटीओ सुनील शर्मा ने बताया कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की ओर से शुरू की गई सुविधा के तहत अभी जिन वाहनों पर अभी सामान्य रजिस्ट्रेशन नंबर मौजूद है, वह भी बीएच सीरीज के रजिस्ट्रेशन नंबर ले रहे हैं। इसके लिए दो साल का कर भुगतान कर नंबर प्लेट जारी कराई जा सकती है। पुराने जमा किए गए कर को रिफंड कर दिया जाता है।

बेकाबू ट्रक ने रोडवेज बस और फिर कार में मारी टक्कर, नौ घायल...

इससे बस पलट गई। बस के बाद ट्रक ने कार सवार और पैदल चल रहे लोगों को भी टक्कर मार दी।

रायबरेली

रायबरेली शहर क्षेत्र में बुधवार की सुबह बेकाबू ट्रक ने पहले रोडवेज बस और फिर कार में जोरदार टक्कर मार दी। पैदल चल रहे लोगों को भी टक्कर मार दी। हादसे में नौ लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी तेज थी कि बस पलट गई। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।
रायबरेली डिपो की बस सांगीपुर (प्रतापगढ़) से सवारियां लेकर परशदेपुर रोड होते हुए रायबरेली आ रही थी जबकि सरिया लदा ट्रक लखनऊ से प्रयागराज जा रहा था। लखनऊ-प्रतापगढ़ हाईवे पर सिविल लाइंस चौराहा के पास ट्रक ने रोडवेज बस में टक्कर मार दी। इससे बस पलट गई। बस के बाद ट्रक ने कार सवार और पैदल चल रहे लोगों को भी टक्कर मार दी। इससे अफरातफरी मच गई। सूचना पर एसडीएम सदर मिथलेश त्रिपाठी, सीओ अमित सिंह मौके पर पहुंचे। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में कार और बस क्षतिग्रस्त हो गई।
पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि हादसे में मिल एरिया थाना क्षेत्र के राही गांव निवासी राजेश कुमार यादव (42), रामजीपुरम निवासी बृजेश बहादुर सिंह (55), गोरा बाजार निवासी हरदेव (50), गोरा बाजार की रहने वाली उर्मिला (45), तेलियाकोट निवासी मनोज सिंह (35), सुनील (35), गोरा बाजार निवासी हर्षित (21), बस्तेपुर निवासी संगमलाल मिश्रा (62), मध्य प्रदेश के शिवपुर जिले के कराल थाना क्षेत्र के गोरस निवासी रामनारायण (22) और प्रतापगढ़ जिले के अठेहा निवासी मनोज (32) गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पूरे घटनाक्रम की जांच कराई जा रही है। बस पर पांच यात्री सवार थे। बाकी कार और पैदल चल रहे लोग घायल हुए हैं।

शादी के लिए दिल्ली की इन मार्केट से रेंट पर लें डिजाइनर लहंगे, आप पर थम जाएंगी लोगों की नजरें

एनटीवी

इन दिनों शादी का सीजन चल रहा है। ऐसे में शादियों की तैयारियां तो महीनों तक चला करती हैं। वहीं दुल्हन की तैयारियां तो शादी वाले दिन तक नहीं खत्म होती हैं। आज हम आपको दिल्ली के तीन ऐसे मार्केट के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आप रेंट पर डिजाइनर लहंगा ले सकती हैं।

इन दिनों शादी का सीजन चल रहा है। ऐसे में शादियों की तैयारियां तो महीनों तक चला करती हैं।

वहीं दुल्हन की तैयारियां तो शादी वाले दिन तक नहीं खत्म होती हैं। अपनी शादी के दिन हर लड़की सबसे अलग और खूबसूरत नजर आना चाहती है।

वैसे तो लड़की अपनी शादी के लिए हर छोटी से छोटी चीज का खास ख्याल रखती हैं। वहीं सबसे ज्यादा समय लड़कियां लहंगे और ज्वेलरी पर खर्च करती हैं। हांलाकि शादी पर हर लड़की सबसे अच्छा लहंगा पहनना चाहती है। लेकिन जो लोग एक बजट में शादी करते हैं, वह महंगे लहंगे नहीं खरीद पाते हैं।

खूबसूरत बाल पाने के लिए इस आसान तरीके से घर पर करें हेयर स्पा, मिलेगी बेहतरीन शाइन

राजौरी गार्डन

दिल्ली में बसा राजौरी गार्डन एक ऐसा मार्केट है, जहां पर शादी से जुड़ा सभी सामान आपको काफी आसानी से मिल जाएगा। इसके अलावा आपको लेटेस्ट वेडिंग लहंगा भी काफी कम बजट में मिल जाएगा। इस मार्केट में आपको भारी-भरकम ट्रेडिशनल लहंगे काफी कम दामों पर मिल जाएंगे।

डिफेंस कॉलोनी

आप चाहें तो अपनी शादी की शॉपिंग दिल्ली स्थित डिफेंस कॉलोनी से भी कर सकती हैं। यहां पर आपको फैशनेबल और ट्रेंडी वेडिंग रेंटल लहंगा काफी कम दाम पर मिल जाएगा।

ऐसे में अगर आप भी एक निश्चित बजट में शादी प्लान कर रही हैं, तो आपको लहंगा खरीदने की बजाय रेंट पर लहंगा लेना ज्यादा अच्छा ऑप्शन साबित होगा।

पंचशील पार्क

आप अपनी शादी के लिए दिल्ली स्थित पंचशील पार्क से भी वेडिंग लहंगा ले सकती हैं। पंचशील पार्ट में आपको शादी से जुड़ी सभी चीजें मिल जाएगी।

अगर आप अपनी शादी के लिए लेटेस्ट ट्रेंडी वेडिंग लहंगा लेना चाहती हैं, तो पंचशील पार्ट आपको निराश नहीं करेगा।

यहां पर आपको आपके बजट में कई लहंगे के ऑप्शन मिल जाएंगे।

आपके बच्चे के विकास में बाधा बन सकती है विटामिन-डी की कमी, जानें कैसे करें इससे बचाव

एनटीवी

बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए शरीर में सभी पोषक तत्वों का होना जरूरी है। किसी एक की भी कमी, उनकी ग्रोथ में रुकावट डाल सकती है और कई बीमारियों की वजह भी बन सकती है। इन जरूरी पोषक तत्वों में से एक विटामिन-डी भी है, जो शरीर को सही तरीके से काम करने के लिए जरूरी होता है। यह हड्डियों को मजबूत बनाने और कई बीमारियों से बचाने के लिए जरूरी होता है। विटामिन-डी की कमी की वजह से, हमारे शरीर में कई परेशानियां हो सकती हैं। इसकी कमी सिर्फ बड़ों में ही नहीं, बल्कि बच्चों में भी हो सकती है और काफी परेशानी का कारण भी बन सकती है। आइए जानते हैं, बच्चों में विटामिन-डी की कमी की वजह से क्या परेशानियां हो सकती हैं और कैसे इसकी कमी को दूर कर सकते हैं।

क्यों जरूरी होता है विटामिन-डी?

विटामिन-डी शरीर में कैल्शियम और फॉस्फोरस अब्जॉर्ब करने में मदद करता है। इसकी कमी होने की वजह से, हमारा शरीर कैल्शियम का ठीक से इस्तेमाल नहीं कर पाता और हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और टीशू भी कमजोर होने लगते हैं। बच्चों में विटामिन-डी की कमी की वजह से उनकी हड्डियां कमजोर और टेढ़ी हो सकती हैं। इसके अलावा अक्सर थकावट होना, शरीर में दर्द जैसी परेशानियां हो सकती हैं। इसलिए बच्चों में इसकी कमी होना बहुत खतरनाक हो सकता है।

क्या हैं इसकी कमी के लक्षण?

रिकेट्स

बच्चों में विटामिन-डी की कमी से होने वाली सबसे आम समस्याओं में से एक रिकेट्स होते हैं। इसकी कमी की वजह से बच्चों की हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और हड्डियां टेढ़ी होना, और ऑस्टोमेलिशिया यानी हड्डियों के नरम होने की समस्या हो सकती है।

दांतों का कमजोर होना

विटामिन-डी की कमी की वजह से बच्चों के दांत कमजोर हो सकते हैं। दांतों की मजबूती के लिए कैल्शियम की जरूरत होती है और विटामिन-डी की कमी की वजह से कैल्शियम अब्जॉर्ब नहीं हो पाता और दांत कमजोर हो जाते हैं।

कमजोर इम्युनिटी

विटामिन-डी इम्यून सिस्टम को मजबूत करने के लिए जरूरी होते हैं। इसकी कमी होने की वजह से बच्चों की इम्युनिटी कमजोर होने लगती है और वे अधिक बीमार होने लगते हैं।

शारीरिक विकास में रुकावट

विटामि-डी हड्डियों और मांसपेशियों, दोनों को मजबूत बनाने के लिए जरूरी होता है। हड्डियों और मांसपेशियों के कमजोर होने की वजह से बच्चों के शारीरिक विकास में रुकावट हो सकती है।

कैसे करें इसकी कमी को पूरा?

बच्चों की डाइट में विटामिन-डी से भरपूर फूड आइटम्स, जैसे- मशरूम, फैटी फिश आदि को शामिल करें। धूप विटामिन-डी का सबसे बेहतर स्त्रोत होता है।

ठंड आते ही हो गए हैं फ्लू का शिकार, तो सर्दी-खांसी से तुरंत राहत दिलाएंगे ये 5 काढ़े

एनटीवी

ठंड आते ही हो गए हैं फ्लू का शिकार, तो सर्दी-खांसी से तुरंत राहत दिलाएंगे ये 5 काढ़े

सर्दी का सीजन जहां अपने साथ सुहाना और खुशनुमा माहौल लेकर आता है, तो वहीं इस मौसम में अक्सर पाचन संबंधी समस्याएं और सर्दी-जुकाम परेशानी की वजह बन जाते हैं। यह सीजन अक्सर अपनी ठंडक के लिए पसंद किया जाता है, लेकिन इस मौसम के आते ही सर्दी और खांसी के मामले भी तेजी से बढ़ने लगे हैं। सर्दी-जुकाम की समस्या अक्सर हमारे रोजमर्रा के कामों में बाधा डालती है। ऐसे में इससे जल्द राहत पाने के लिए लोग दवाओं का सहारा लेते हैं। हालांकि, कुछ ऐसे घरेलू उपाय भी हैं, जो पुराने समय से इससे राहत दिलाते आते हैं। सर्दी-खांसी से जल्द आराम पाने के लिए काढ़ा सबसे कारगर तरीका है। यह आपको मेटाबॉलिज्म बेहतर करने के साथ ही पाचन में सुधार करते हुए मौसमी संक्रमण से लड़ने में आपकी मदद करते हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसे भी कारगर काढ़ों के बारे में, जो इस मौसम पाचन में सुधार करते हुए आपको सर्दी और खांसी से राहत देंगे।

दालचीनी काढ़ा

सर्दी-खांसी से राहत पाने के लिए आप दालचीनी काढ़ा ट्राई कर सकते हैं। इसे बनाना काफी आसान है और यह मौसमी बीमारियों से बचाने में आपकी मदद कर सकता है। इसे बनाने के लिए एक पैन में एक-दो कप पानी और इसमें दालचीनी पाउडर डालकर उबलने दें। आप चाहें तो इसमें एक चम्मच शहद भी मिला सकते हैं। यह काढ़ा आपकी इम्युनिटी मजबूत बनाने के साथ शरीर की ताकत बढ़ाने में मदद कर सकता है।

तुलसी-काली मिर्च का काढ़ा

लोग अक्सर कमजोर इम्युनिटी की वजह से सर्दी-खांसी से पीड़ित हो जाते हैं। ऐसे में इससे राहत पाने के लिए आप रोजाना तुलसी का काढ़ा पी सकते हैं। तुलसी का काढ़ा बनाने के लिए एक पैन में पानी गर्म करने के बाद उसमें तुलसी के पत्ते, दालचीनी, काली मिर्च और सोंठ डालकर कुछ देर तक उबालें और फिर छान लें। अब इसे गुनगुना हो जाने पर पी लें।

गिलोय का काढ़ा

आयुर्वेद में लंबे समय से गिलोय का इस्तेमाल कई स्वास्थ्य समस्याओं के लिए किया जा रहा है। हालांकि, कोरोनाकाल के बाद से ही इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ गई है। ऐसे में सर्दियों में हेल्दी रहने के लिए आप भी गिलोय का काढ़ा पी सकते हैं। इसे बनाने के लिए 1 चम्मच गिलोय या गुडूची को पीस लें। फिर मीडियम आंच पर एक पैन रखें और इसमें 2-3 कप पानी डालकर उबालें। अब इसमें गिलोय का पेस्ट डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसे तब तक उबालें जब तक इसकी मात्रा 1/3 न रह जाए। यह काढ़ा फ्लू से लड़ने में आपकी मदद करेगा।

तुलसी का काढ़ा

अगर आप इम्युनिटी बढ़ाने के साथ ही पाचन बेहतर करने का कोई उपाय खोज रहे हैं, तो तुलसी का काढ़ा एक बढ़िया विकल्प साबित होगा। इसे बनाने के लिए एक पैन में पानी उबालने के बाद इसमें तुलसी के पत्ते, 1 चम्मच काली मिर्च, 1 चम्मच दालचीनी पाउडर और 1 चम्मच कसा हुआ अदरक डालें। इस मिश्रण को अच्छे से मिलाएं और 10-15 मिनट तक उबलने दें। अब इसे एक कप में छान लें और जब यह ठंडा हो जाए तो इसे पी लें।

अजवाइन का काढ़ा

अजवाइन में मौजूद औषधीय गुण शरीर को कई बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। साथ ही यह पेट से जुड़ी समस्याओं से राहत पाने में भी काफी मदद करता है। इसका काढ़ा बनाने के लिए पानी में 1-2 चम्मच अजवाइन डालकर उबाल लें। जब पानी आधा रह जाए तो इसे छान लें और गुनगुना होने पर पी लें। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ ही पाचन के लिए भी फायदेमंद है।

माधुरी दीक्षित से लेकर शिल्पा शेट्टी तक ने इस साल सीक्विन साड़ी को दी प्राथमिकता

एनटीवी

साल दर साल समय बदल रहा है। समय के साथ-साथ फैशन में भी काफी बदलाव देखने को मिल रहा है लेकिन फैशन की दुनिया में आज भी कई चीजें ऐसी हैं, जो जस की तस बनी हुई हैं। दरअसल, हम बात कर रहे हैं साड़ी की। साड़ी एक ऐसा परिधान है, जो पहले भी महिलाओं की प्राथमिकता में शुमार थी, और आज भी। शायद ही कोई ऐसी महिला होगी, जिसे साड़ी पहनना पसंद नहीं होगा।

फर्क बस इतना है कि समय के साथ साड़ी के टाइप में काफी बदलाव हो गया है। कभी महिलाओं को नेट फैब्रिक की साड़ियां पसंद थीं, तो कभी हैवी वर्क वाली, पर आज के समय में महिलाओं को सीक्विन साड़ी काफी पसंद आ रही है।

इसका ट्रेंड बॉलीवुड की अभिनेत्रियों की वजह से आया है। अगर बात करें 2023 की तो इस साल कई अभिनेत्रियों ने इवेंट्स में सीक्विन वर्क वाली साड़ी पहनकर शिरकत की है। इन सभी का अंदाज लोगों को काफी पसंद आया था।

माधुरी दीक्षित

धक-धक गर्ल का साड़ी लुक हर किसी को काफी पसंद आता है। वैसे तो वो अक्सर सिल्क की साड़ी पहनें नजर आती हैं, लेकिन इस साल उन्होंने कई मौकों पर सीक्विन साड़ी को प्राथमिकता दी थी। इस साड़ी में वो भी बेहद खूबसूरत दिख रहीं थीं।

शिल्पा शेट्टी

हमेशा अपने साड़ी लुक से लोगों का दिल जीतने वालीं अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी का अंदाज किसी से छिपा नहीं हैं। वो साड़ी में एलिगेंट के साथ-साथ ग्लैमरस लुक तक दिखा चुकी हैं। कुछ समय पहले एक्ट्रेस ने सीक्विन फैब्रिक की इंडो वेस्टर्न साड़ी में अपना ग्लैमरस अंदाज दिखाया था। इस लुक को पूरा करने के लिए उन्होंने कानों में नगों वाले ईयररिंग पहने थे, और हाथों में खूबसूरत सा ब्रेसलेट पहना था।

शनाया कपूर

शनाया का ये सीक्विन साड़ी लुक देखने में काफी ज्यादा ग्लैमरस था। इस लुक के साथ एक्ट्रेस ने अपने बालों को स्ट्रेट किया हुआ है। इसके साथ ही स्लीवलेस ब्लाउज के साथ इसका लुक और ज्यादा निखरकर आ रहा है। अपने लुक को पूरा करने के लिए शनाया ने आई मेकअप को हैवी करते हुए बाकी मेकअप को लाइट रखा था।

रकुल प्रीत सिंह

एक्ट्रेस का लुक लोगों को काफी पसंद आया था। रकुल प्रीत सिंह इस साड़ी में काफी ग्लैमरस दिख रहीं हैं। अपने लुक को पूरा करने के लिए एक्ट्रेस ने अपने बालों को स्लीक स्टाइल में कैरी किया था। कानों में हैवी इयररिंग्स उनके लुक में चांर चांद लगा रहे थे।

रिया चक्रवर्ती

कुछ समय पहले ही एक्ट्रेस ने अपने इस साड़ी लुक की तस्वीरों को सोशल मीडिया पर शेयर किया था। इस लुक को पूरा करने के लिए उन्होंने अपने बालों को खुला रखा था। रिया ने अपने इस फोटोशूट के दौरान अपनी डायमंड रिंग्स भी फ्लॉन्ट की। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने अपने लुक को ग्लॉसी मेकअप और लाइट लिप शेड के साथ कंप्लीट किया है, जो उनके लुक को काफी खूबसूरत बना रहा है।

माधुरी दीक्षित

काजोल

काजोल अक्सर इवेंट्स में साड़ी पहनें देखी जाती हैं।

वैसे तो उन्हें पारंपरिक साड़ियां काफी प्यारी लगती हैं, लेकिन हाल ही में उन्हें भी कई जगहों पर सीक्विन साड़ी में ही देखा गया था। इस साड़ी को उन्होंने काफी खूबसूरती के कैरी किया था।

संक्षिप्त खबरें

नए-नए हथकंडे अपना रहे तस्कर

नशे के सामान की तस्करी के लिए तस्कर नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं। दिल्ली-एनसीआर में हर सातवें-आठवें दिन इस तरह का खुलासा हो रहा है। कभी गांजा तस्कर पकड़े जाते हैं तो कभी स्मैक के तस्कर। नशे का सामान कभी ट्रक में अलग से केबिन बनवा उसमें छिपाकर लाया जाता है तो कभी सब्जियों के बीच में रखकर। फैंसीड्रिल की तस्करी भी इसी तरह की जा रही है। सिर्फ दिल्ली-एनसीआर नहीं, यूपी में कई जगहों से इन्हें पश्चिम बंगाल और बिहार भेजा जाता है। कई बार बांग्लादेश तक भेजे जाने का खुलासा हो चुका है। तस्करी में लगीं फर्में जीएसटी की चोरी भी कर रही हैं। इसके लिए फर्जी बिल बनाए जाते हैं। बिहार में बढ़ी मांग बिहार में शराबबंदी लागू होने के बाद से ही ऐसे सिरप की मांग बढ़ी हुई है, जिनका इस्तेमाल नशे के लिए किया जाता है। जिन सिरप में कोडीन होता है, उनकी मांग सबसे ज्यादा है। गाजियाबाद से पहले मेरठ, बुलंदशहर और आगरा से फैंसीड्रिल सिरप बिहार में सप्लाई किए जाने का खुलासा हो चुका है। इन्हें तीन से चार गुना दाम पर बेचा जाता है।

सपा का बेड़ा गर्क कर रहे स्वामी प्रसाद : प्रमोद कृष्णम

साहिबाबाद। हाल ही में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा पर सपा नेता के विवादित टिप्पणी पर कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य अपने बयानबाजी से सपा का बेड़ा गर्क कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने ट्विटर के जरिए अपनी नाराजगी जाहिर की है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि समाजवादी पार्टी तमाम जिन्नातों से घिर चुकी है। पार्टी को इन तमाम जिन्नात को बोतल में बंद करके रखना चाहिए था लेकिन यह बोतल से बाहर आ गए हैं। यह जिन्न समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव के लिए नुकसानदेह साबित होंगे। उन्होंने अखिलेश यादव को अयोध्या जाकर सरयू में नहाने की भी सलाह दी।

नामांतरण नहीं किया तो दंपती ने किया हंगामा, ओएसडी ने तत्काल कराया समाधान

गाजियाबाद। जीडीए में संपत्ति का नामांतरण कराना लोगों के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। बिना चढ़ावा चढ़ाए यहां काम नहीं हो रहे हैं। अपने मकान का नामांतरण कराने के लिए दो माह से जीडीए में बाबुओं और अधिकारियों के चक्कर लगाकर थक चुके एक दंपती ने बुधवार को प्राधिकरण कार्यालय पहुंचकर हंगामा किया। शोर-शराबा सुनकर कर्मचारी और अधिकारी इकट्ठा हो गए। मामला ओएसडी गुंजा सिंह के पास पहुंचा तो उन्होंने प्रक्रिया पूरी कराकर नामांतरण पत्र दंपती को दिलाया। इसके बाद मामला शांत हुआ। वैशाली निवासी रामा प्रसाद सिंह के मुताबिक वैशाली आवासीय योजना में उनकी पत्नी चंद्रवती के नाम एक ईडब्ल्यूएस है। कैंसर से पीड़ित पत्नी का इलाज कराने के लिए उन्हें रुपयों की जरूरत है। इसके लिए वह अपने इस फ्लैट पर ऋण लेना चाहते हैं। जीडीए के रिकॉर्ड में उनके नाम पर फ्लैट नहीं हैं और वह उसका नामांतरण कराना चाहते हैं। फ्लैट का नामांतरण कराने के लिए उन्होंने दो माह पूर्व ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन किया था। आरोप है कि दो माह से जीडीए के बाबू और अधिकारी उन्हें चक्कर कटवा रहे थे, लेकिन नामांतरण नहीं कर रहे। बुधवार को वह नामांतरण की जानकारी लेने जीडीए कार्यालय पहुंचे तो लिपिक ने उन्हें फिर से टरकाने का प्रयास किया। एक से दूसरे कार्यालय में भेजा गया।

नानी और मां को पीटने से नाराज भांजे ने दोस्त के साथ की थी मामा की हत्या

- उसकी बहन सुल्ताना न्यायखंड-एक में किराए के कमरे में बेटे, मां खतुजा बीबी, बहन तनुजा, उसका पति रुमी खान व दो बच्चों के साथ रहती है।

एनटीवी

इंदिरापुरम। न्यायखंड के ग्रीन पार्क में सोमवार रात गार्ड आरजू शेख (25) की हत्या उसके ही सगे भांजे ने ही अपने दोस्त के साथ मिलकर चाकू से गोद कर की थी। बुधवार को इंदिरापुरम पुलिस ने दोनों नाबालिगों को पकड़कर हत्या का खुलासा किया। पूछताछ में भांजे ने बताया कि मामा आरजू शेख शराब पीने के लिए नानी खतुजा बीबी और मां सुल्ताना को बुरी तरह पीटता था। इस पर उसने दोस्त के साथ हत्या की योजना बनाई थी। दोनों की निशानदेही पर पुलिस ने चाकू, जले कपड़े, कोल्ड ड्रिंक, शराब की बोतल, गिलास, नमकीन के पैकेट बरामद किए हैं। डीसीपी शुभम पटेल ने बताया कि आरजू शेख का भांजा 14 साल का है। उसने सातवीं कक्षा तक पढ़ाई की है। पड़ोस में रहने वाला उसका दोस्त भी 14 साल का है। दोनों पढ़ाई छोड़कर इधर-घूमते हैं। आरजू शेख मूल रूप से पश्चिम बंगाल के वीरभूम जिले का रहने वाला है। उसकी बहन सुल्ताना न्यायखंड-एक में किराए के कमरे में बेटे, मां खतुजा बीबी, बहन तनुजा, उसका पति रुमी खान व दो बच्चों के साथ रहती है। वह एक महीने पहले बंगाल से इंदिरापुरम में बहन के घर आया था। बहन तनुजा ने उसकी गार्ड की नौकरी वीथ्रीएस सोसायटी में लगवाई थी। उसे शराब पीने की बुरी लत थी। वह नशे के लिए आए दिन मां और बहन से मारपीट करता था। दोनों को रोता-बिलखता देखकर 14 साल का भांजा काफी परेशान होता था। आरजू को ज्यादा शराब पीने की वजह से सोसायटी के आरडब्लयूए पदाधिकारियों ने 26 नवंबर को नौकरी से हटा दिया था। इसके बाद वह नशे में रहता था। नानी और मां की पिटाई से नाराज भांजे ने दोस्त के साथ मामा को रास्ते से हटाने की योजना तैयार की। इसके लिए दोनों 27 नवंबर को दिल्ली के लालकिले गए। वहां से 500 रुपये में चाकू खरीदकर लौट आए। योजना के तहत रात आठ बजे वह मामा को शराब पीने के लिए घर से बाहर ले आया। इसके बाद दोस्त को बुलाकर तीनों खोड़ा अंडरपास से होकर इंदिरापुरम में न्यायखंड के ग्रीन पार्क में पहुंचे थे। मामा को पिलाई खूब शराब, नशे में चाकू से गोदा एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि मामा-भांजे और दोस्त ने खोड़ा के ठेके से देशी शराब, एक कोल्ड ड्रिंक, गिलास और नमकीन खरीदी। ग्रीन पार्क में झाड़ियों के बीच बैठकर तीनों ने शराब पी लेकिन जब आरजू शेख ज्यादा नशे में हो गया तो दोनों ने गर्दन, नाक, कमर और छाती व पेट पर करीब नौ बार गोदकर हत्या कर दी। हत्या के बाद दोनों घर पहुंचे और पास के शिवाजी पार्क में खून से सने कपड़े जला दिए थे। घटनास्थल से टीम को चाकू, कोल्ड ड्रिंक, गिलास और नमकीन का पैकेट मिला था। सीसीवी फुटेज से पुलिस को तीनों एक साथ निकलते हुए दिखे थे। नशा मुक्ति केंद्र से छूटकर नहीं बदली हालत पुलिस के मुताबिक, पश्चिम बंगाल में रहने के दौरान परिवारजनों ने आरजू शेख को नशा मुक्ति केंद्र को भर्ती कराया था। वहां लंबे समय तक उसका इलाज हुआ लेकिन तमाम उपचार के बावजूद उसने शराब पीना बंद नहीं किया। वहां से सीधे इंदिरापुरम के न्यायखंड में आकर मां और बहन को शराब के लिए पीटना शुरू कर दिया।

हमारा पैसा कहां है, देखने पहुंचे शिक्षक

गाजियाबाद। एनपीएस की राशि निजी बैंकों में जमा होने की जानकारी मिलने पर शिक्षकों की चिंता बढ़ी है। बुधवार को सैकड़ों शिक्षक डीआईओएस कार्यालय में लेखाधिकारी से मिलने पहुंचे और नई पेंशन स्कीम के तहत जमा अपनी धनराशि की जानकारी ली। इसके अलावा डीआईओएस से लेकर तमाम अधिकारियों के पास दिनभर जानकारी के लिए फोन आते रहे। कई शिक्षकों के फोन अधिकारियों ने नहीं उठाए तो वह एक दूसरे से संपर्क कर इसकी जानकारी लेते दिखे। मोदी कॉलेज के शिक्षक प्रवीण जैनर ने बताया कि जैसे ही उनको जानकारी मिली तो उन्होंने डीआईओएस कार्यालय में अपने खाते में जमा धनराशि की जानकारी की। सबकुछ सही होने पर उनको सुकून मिला। हालांकि, रिकॉर्ड देखने पर शिक्षक काफी संतुष्ट नजर आए। माध्यमिक शिक्षक संघ के गाजियाबाद के जिलाध्यक्ष शरद वाजपेयी ने बताया कि कई शिक्षकों के उनके पास सुबह से ही फोन आ रहे थे। गाजियाबाद में इस तरह का कोई मामला नहीं हुआ है। रिकॉर्ड देखने पर पता चला कि यहां सभी शिक्षकों का एनपीएस का पैसा निजी बैंकों में जमा नहीं किया गया है। डीआईओएस राजेश श्रीवास ने बताया कि उनके यहां एनपीएस से जुड़ा कुछ भी अनुचित कार्य नहीं हुआ है।

सड़क हादसों के लिए जिम्मेदार होंगे अधिकारी : डीएम

एनटीवी

गाजियाबाद। सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ते मृतकों और घायलों की संख्या पर चिंता जाहिर करते हुए जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को तत्काल सभी ब्लैक स्पॉट को चिह्नित कर दुर्घटना रोकने के लिए उचित कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने लोक निर्माण विभाग द्वारा कार्य में लचीलापन दिखाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि विभागीय लापरवाही से होने वाले सड़क दुर्घटना का अंजाम संबंधित अधिकारी भुगतने को तैयार रहें। बुधवार को कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि मोहन नगर, आईटीएस, पुराना बस अड्डा, सेठ मुकंद लाल कट, हापुड़ चुंगी, भोपुरा तिराहा, कोयल एन्कलेव, बंथला फ्लाईओवर से इंडेन गैस एजेंसी और राशिद अली गेट से लोनी इंटर कॉलेज इन सभी नौ ब्लैक स्पॉट पर कार्य कराए जाएं। उन्होंने कहा कि दिनों दिन सड़क दुर्घटनाएं और उस हादसों में घायलों और मृतकों की संख्या बढ़ती जा रही है। इसको रोकने के लिए सभी उचित कार्य कराए जाएं। जहां कट बंद करने हैं उसको बंद कराया जाए, बेरिकेडिंग की जाए और गड्ढों को भरा जाए। इसके अलावा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग और एनसीआरटीसी को ब्लैक स्पॉट वाली जगहों पर एफओबी, साइन बोर्ड, बेरिकेडिंग के कार्य कराए जाने के निर्देश दिए।

बैंक से 54.83 लाख का लोन ले 35 लाख में बेच दी दुकान, मुकदमा दर्ज

- जब उन्होंने असली रजिस्ट्री मांगी तो कहा गया कि वह खो गई है। तब उन्हें अखबारों में विज्ञापन छपे होने की प्रति देकर विश्वास दिलाया था।

एनटीवी

साहिबाबाद। शालीमार गार्डन थाने में बिल्डर धनपाल के खिलाफ दिल्ली शाहदरा के विनोद कुमार ने 35 लाख रुपये की धोखाधड़ी, पैसे हड़पने और जान से मारने की धमकी का मुकदमा कराया है। आरोप है कि बिल्डर ने शालीमार गार्डन एक्सटेंशन-1 में 35 लाख रुपये में दुकान बेचकर उस पर करीब 55 लाख रुपये का लोन लेकर धोखाधड़ी कर दी। पुलिस लेन-देन के कागजात की जांच कर रही है। शिकायतकर्ता विनोद का कहना है कि 26 दिसंबर 2022 को बिल्डर धनपाल ने एक्सटेंशन-1 में दुकान नंबर-3 का सौदा 35 लाख रुपये में करके बेच दी थी। 7 जुलाई को पुलिस ने धनपाल पर गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही की थी जिसके बाद दुकान को सीज कर दिया। 29 जुलाई को वह दुकान पर गए तो उन्हें पुलिस कार्रवाई का पता चला। बाद में पता चला कि एमडीएम वित्त का आदेश था कि विपक्षी धनपाल ने न्यू हैबिटेट हाउसिंग फाइनेंस एंड डेवलपमेंट लिमिटेड सेक्टर-14 द्वारिका दिल्ली से इस दुकान पर 54 लाख 83 हजार 373 रुपये का लोन लिया था। इस बारे में धनपाल ने उन्हें कभी जानकारी नहीं दी थी। जब उन्होंने असली रजिस्ट्री मांगी तो कहा गया कि वह खो गई है। तब उन्हें अखबारों में विज्ञापन छपे होने की प्रति देकर विश्वास दिलाया था। उनका आरोप है कि धनपाल ने फाइनेंस कंपनी के साथ मिलकर उनसे धोखाधड़ी की है।

ई-रिक्शा की टक्कर से 10 वर्षीय बच्चे की मौत

गाजियाबाद। क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में सेवियर सोसायटी के बाहर खेल रहे 10 वर्षीय शिवम ई-रिक्शा की टक्कर लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके से ई-रिक्शा चालक फरार हो गया। घटना 26 नवंबर की दोपहर दो बजे की है। शिवम की 27 नवंबर को उपचार के दौरान मौत हो गई। मामले में शिवम के पिता जीउत पटेल ने क्रॉसिंग रिपब्लिक थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। सैन विहार निवासी जीउत पटेल ने बताया कि उनका बेटा शिवम सेवियर सोसायटी के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान एक ई-रिक्शा की टक्कर लगने से उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन फानन उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां से उसे सफदरजंग अस्पताल दिल्ली लिए रेफर कर दिया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। एसीपी वेव सिटी सलोनी अग्रवाल का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है। आरोपी चालक की तलाश के लिए टीमें लगी हैं। सड़क किनारे खड़े ट्रक में टकराई कार सिहानी गेट थाने के सामने फ्लाईओवर पर मंगलवार रात करीब दो बजे सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से होंडा सिटी कार घुस गई।

धर्मांतरण में सरफराज समेत उसके पिता पर एक और केस

- मधुबन बापूधाम क्षेत्र के गांव मोरटा निवासी एक व्यक्ति का कहना है कि गांव का ही सरफराज झाड़-फूंक से इलाज करने की बात कहता था।

एनटीवी

गाजियाबाद। नंदग्राम में 23 नवंबर को दर्ज हुए धर्मांतरण के मामले में बाद अब एक और पीड़ित ने मुकदमा दर्ज कराया है। इस बार पीड़ित ने आरोपी सरफराज के साथ उसके पिता के खिलाफ भी रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप है कि सरफराज और उसके पिता सात साल से उनके व उनकी पत्नी के साथ धोखाधड़ी कर रहे थे और जाल में फंसाकर मूर्ति पूजन करने से भी रोका। मधुबन बापूधाम क्षेत्र के गांव मोरटा निवासी एक व्यक्ति का कहना है कि गांव का ही सरफराज झाड़-फूंक से इलाज करने की बात कहता था। उनकी पत्नी काफी समय से बीमार चल रही थीं तो वह भी उसके पास गए। जहां उसने इलाज करने और ठीक करने का आश्वासन दिया। धीरे-धीरे उसने उन्हें घर में मूर्ति पूजन करने मना करना शुरू कर दिया और मूर्तियां हटवाकर उसके अनुसार पूजा-पाठ कराया। इसके लिए उसने डर दिखाया कि अगर ऐसा नहीं किया तो उसकी पत्नी ठीक नहीं होगी। विश्वास करके उन्होंने उसके कहे अनुसार किया। सात साल तक वह और उसका पिता उनसे ऐसे ही कराता रहा। इसी बीच उसने उनसे 50 हजार रुपये भी ले लिए। मामले में उसके फजीवाड़े के बारे में जानकारी होने पर उन्होंने भी मुकदमा दर्ज कराया है। एसीपी नंदग्राम रवि कुमार सिंह का कहना है कि मामले में आरोपी सरफराज को गिरफ्तार किया जा चुका है। आगे की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

रोडवेज की सभी बसों में रखवाए गए प्राथमिक उपचार के बक्से

गाजियाबाद। रोडवेज डिपो से संचालित सभी बसों में बुधवार तक प्राथमिक उपचार बक्सों में दवाएं उपलब्ध करा दी गई हैं। एआरएम के औचक निरीक्षण में पिछले दिनों कई बसों से प्राथमिक उपचार बक्सों से दवाएं गायब मिलीं और जिन बसों में दवाएं थीं उनमें से ज्यादातर एक्सपायर पाई गईं। एआरएम ने बस मालिकों से दवाएं न होने का कारण पूछा तो संतोषजनक जवाब नहीं मिला, जबकि रोडवेज हर महीने दो लाख से ज्यादा की दवाओं का भुगतान बस मालिकों को कर रहा है। एआरएम निर्मल कुमार वर्मा ने बताया कि अब सभी बसों के प्राथमिक उपचार बक्सों में बेंडएड, पट्टी, बुखार की दवा, चोट लगने की दवा और डिटॉल रखवा दिए हैं। रोडवेज के कर्मचारियों को हर सप्ताह निरीक्षण कर रिपोर्ट करने के लिए कहा है।

जिले में कूड़ा एकत्रीकरण और निस्तारण की क्या है व्यवस्था, एनजीटी ने तलब की रिपोर्ट

एनटीवी

गाजियाबाद। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से पूछा है कि जिले में कूड़ा एकत्रीकरण और निस्तारण की क्या व्यवस्था है। आठ हफ्ते में रिपोर्ट तलब की है। अनुज शर्मा बनाम उत्तर प्रदेश सरकार आदि में प्रिंसिपल बेंच नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने 24 नवंबर 2023 को मोरटा डंपिंग ग्राउंड के संदर्भ में आदेश पारित कर दो सदस्य कमेटी गठित की थी, जिसमें जिलाधिकारी गाजियाबाद एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड गाजियाबाद को निर्देशित किया था कि वह निरीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करें। लेकिन पूर्व आदेश नौ अगस्त 2023 के अनुपालन के विरुद्ध दो सदस्यीय कमेटी में जिलाधिकारी गाजियाबाद के की ओर से नगर निगम गाजियाबाद के स्वास्थ्य अधिकारी को तीसरा सदस्य बना दिया गया। अधिवक्ता दीपेश चौधरी और विक्रांत शर्मा ने बताया कि रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने एवं निरीक्षण कराए जाने पर आपत्ति करते हुए एनजीटी ने जिला अधिकारी गाजियाबाद को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इसके साथ ही दोबारा कमेटी का गठन कर मेंबर सेक्रेटरी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड उत्तर प्रदेश सरकार और सदस्य केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भारत सरकार की दो सदस्य कमेटी बनाकर पुनः निरीक्षण करने एवं विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने के आदेश पारित किए हैं। कमेटी को निर्देशित किया है कि वह समस्त गाजियाबाद के सॉलिड वेस्ट के एकत्रीकरण एवं निस्तारण करने के संदर्भ में रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

600 के बैठने की जगह, बना दिया 900 छात्रों का केंद्र

एनटीवी

नोएडा। शिक्षा विभाग के पास बोर्ड के निर्धारित केंद्रों पर 23 आपत्तियां आई हैं। कई केंद्रों ने 600 छात्रों के बैठने की जगह पर 900 छात्रों का केंद्र बनाने पर आपत्ति दर्ज कराई हैं। कुछ स्कूलों के प्रिंसिपल ने बीमारी का हवाला देकर केंद्र हटाने की मांग की है और कुछ ने केंद्र नहीं बनाए जाने पर शिकायत दर्ज कराई है। वहीं शिक्षा विभाग का कहना है कि सभी आपत्तियों को जिले स्तर पर गठित समिति के सामने रखा जाएगा। उसके आधार पर फैसला लिया जाएगा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) हाईस्कूल व इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में करीब 42 हजार छात्र बैठेंगे। इन छात्रों की परीक्षा करवाने के लिए जिले में 58 केंद्र बनाए गए हैं। बोर्ड की ओर से इन केंद्रों को लेकर आपत्ति दर्ज कराने का मौका दिया गया है, ताकि कमियों को दूर करके शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा कराई जा सके। शिक्षा विभाग के एक कर्मचारी ने बताया कि नेहरू स्मारक स्कूल प्रबंधक ने आपत्ति दर्ज कराई है कि स्कूल में 600 छात्रों के बैठने की व्यवस्था है, लेकिन 900 छात्रों का केंद्र बना दिया गया है। ऐसे में कहां बैठकर छात्र की परीक्षाएं देंगे। शिक्षा विभाग के पास कई स्कूलों की ओर से ऐसी ही शिकायतें आई हैं।

वहीं दो स्कूलों ने केंद्र हटाने की मांग की है। एक स्कूल के प्रिंसिपल की तबीयत खराब होने का हवाला दिया है। कुछ स्कूलों ने छात्रों के केंद्र दूर होने की समस्या उठाई है, हालांकि शिक्षा विभाग का कहना है कि जियो लोकेशन से छात्रों को केंद्र दिए गए हैं। वहीं, तीन स्कूलों ने केंद्र नहीं बनाने पर आपत्ति दर्ज कराई है। इसमें सरकारी स्कूल भी शामिल है। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. धर्मवीर सिंह ने बताया कि 23 के करीब आपत्ति आई हैं। इन शिकायतों को जनपद स्तरीय पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बनी समिति के सामने रखा जाएगा। बारी-बारी करके हर आपत्ति पर विचार होगा और देखा जाएगा कि आपत्ति कितनी ठीक है। उसके आधार पर फैसला लिया जाएगा। बोर्ड परीक्षा के दौरान छात्रों को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

हॉल की बुकिंग से पहले देना होगा हथियार नहीं लाने और चलाने का हलफनामा

एनटीवी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट स्थित फार्म हाउस में आयोजित शादी समारोह में नोएडा निवासी अशोक यादव की हत्या की वारदात के बाद पुलिस ने 40 से ज्यादा बैंक्वेट हॉल संचालकों को नोटिस जारी किया है। बुधवार को जारी नोटिस में संचालकों को परिसर में हथियार लेकर जाने और फायरिंग पर प्रतिबंध लगाने को कहा गया है। पुलिस प्रशासन ने हॉल मालिकों से किसी भी समारोह की बुकिंग से पहले हथियार नहीं लाने और चलाने का हलफनामा लेने को कहा है। ऐसा नहीं करने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। जारी नोटिस में पार्किंग, सीसीटीवी कैमरे और आग बुझाने के उपायों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। बैंक्वेट हॉल के मालिकों को भेजे नोटिस में कहा गया है कि शादी समारोह व अन्य कार्यक्रमों के दौरान फायरिंग प्रतिबंधित है। ऐसा होने पर शस्त्र संचालक के साथ ही हॉल संचालकों पर भी कार्रवाई की जाएगी। संचालकों से आयोजन से पहले हॉल की बुकिंग करने वालों से फायरिंग नहीं करने का हलफनामा लेने और इसका उल्लंघन करने पर परिसर में प्रवेश करने पर कार्रवाई करने को कहा गया है। दरअसल, शादी समारोह व खुशी के अन्य मौकों पर हथियारों का प्रदर्शन बेहद आम है। आए दिन अलग-अलग समारोह में हवाई फायरिंग की घटनाएं सामने आती रहती हैं। लाइसेंसी हथियार से समारोह में फायरिंग को लेकर कई बार दिशानिर्देश दिए गए। जिसका असर नहीं दिख रहा है। इसी सोमवार को शादी समारोह में हथियार लेकर पहुंचे हापुड़ निवासी शेखर यादव ने अपने समधी अशोक यादव की गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिसके बाद इस मामले ने फिर तूल पकड़ लिया है। बैंक्वेट हॉल मालिकों को नोटिस जारी कर शादी समारोह में हथियार प्रतिबंधित करने को कहा गया है। संचालकों को आयोजन से पहले बुकिंग कराने वालों से शस्त्र नहीं लाने और चलाने का हलफनामा लेना होगा। हॉल मालिकों को पॉर्किंग की उचित व्यवस्था व सीसीटीवी कैमरे लगाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

कहीं आप भी तो यहां जाकर चाव से नहीं खाते? लगाया जाता है इसका तड़का

- इस्तेमाल की जांच की जाएगी। उधर कई और दुकानों से लिए गए पनीर और खोया में वसा की मात्रा कम पाई गई है।

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर गौतमबुद्धनगर के रेस्तरां में चिकन बिरयानी को लजीज बनाने के लिए सिंथेटिक रंग का तड़का लग रहा है। खाद्य विभाग की टीम ने सितंबर में सेक्टर-62 स्थित समा चिकन कॉर्नर से चिकन बिरयानी का नमूना लिया था। जांच में नमूना असुरक्षित निकाला है। चिकन बिरयानी में पीले रंग के सिंथेटिक रंग का प्रयोग पाया गया। नोएडा के सेक्टर-62 स्थित रेस्तरां की चिकन बिरयानी में सिंथेटिक रंग परोसने का खुलासा हुआ है। स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताए जाने वाले सिंथेटिक रंग का इस्तेमाल चिकन बिरयानी को लजीज दिखने के लिए किया जा रहा था। खाद्य विभाग जल्द ही रेस्तरां संचालक के खिलाफ कोर्ट में केस दर्ज कराएगा। साथ ही अन्य शहर के अन्य रेस्तरां में सिथेंटिक रंग के इस्तेमाल की जांच की जाएगी। उधर कई और दुकानों से लिए गए पनीर और खोया में वसा की मात्रा कम पाई गई है। खाद्य विभाग की टीम ने सितंबर में सेक्टर-62 स्थित समा चिकन कॉर्नर से चिकन बिरयानी का नमूना लिया था। जांच में नमूना असुरक्षित निकाला है। चिकन बिरयानी में पीले रंग के सिंथेटिक रंग का प्रयोग पाया गया। वहीं खाद्य विभाग ने नॉलेज पार्क तीन स्थित टर्क मेरिडियन बैंकेट हॉल से बेसन का नमूना लिया गया था। जांच में बेसन के मिलावटी होने की बात सामने आई है। नमूने में आटा और मटर की मिलावट मिली है। नमूना मानकों पर खरा नहीं उतर सका। वहीं बिसाहड़ा की एक दुकान से आइसक्रीम के नमूने में वसा कम मिली है। वहीं सेक्टर बीटा वन स्थित बिलिंक कॉमर्शियल की मलाई पनीर, सेक्टर-135 स्थित वीवीएस सिग्नेचर के खोया, रामपुर जांगीर स्थित अग्रवाल स्वीट्स से खोया, सेक्टर-51 स्थित स्टोर से पनीर, सेक्टर डेल्टा वन स्थित दिव्य आनंद डेयरी से पनीर और दादरी के डेयरीवाला से लिए गए खोया का नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे है। इनमें वसा की मात्रा 20 से 40 फीसदी पाई गई है। जो 50 फीसदी से ज्यादा होनी चाहिए। जल्द ही एडीएम कोर्ट के माध्यम से इन सभी पर जुमार्ना लगाया जएगा। थेटिक रंग हो सकता है खतरनाक खाद्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक सिंथेटिक रंग से स्वास्थ्य को काफी नुकसान पहुंच सकता है। इसके सेवन से एलर्जी की समस्या, सांस फूलना, पेट में दर्द, ऐंठन, सूजन, इम्यूनिटी सिस्टम पर असर, लीवर पर असर पड़ सकता है। नोएडा के रेस्तरां से लिया गया चिकन बिरयानी का नमूना असुरक्षित निकाला है। रेस्तरां पर मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। अन्य रेस्तरां की जांच कर खाने में सिंथेटिक रंग के प्रयोग को रोका जाएगा। संचालकों को इसके प्रति जागरूक भी किया जाएगा।

-अक्षय गोयल, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी गौतमबुद्ध नगर

सदन में कांग्रेस की महिला पार्षद के खिलाफ अभद्र टिप्पणी पर हंगामा, भाजपा ने कहा-आंदोलन करेंगे

- आदमी पार्टी लगातार एमसीडी को कमजोर करने व पंगू बनाने में लगी है। इस कड़ी में वह उसके अधिकार व कार्य दिल्ली सरकार को सौंप रही है।

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर कांग्रेस व भाजपा पार्षदों ने इसे अपमानजनक बताया है। कांग्रेस दल के पार्षदों का आरोप है, ब्रजपुरी वार्ड पार्षद नाजिया खातून सदन में अपने वार्ड से संबंधित मुद्दों पर बोल रही थीं, तभी आप के पार्षदों के खेमे से यह टिप्पणी की गई। निगम सदन की कार्यवाही के दौरान कांग्रेस की महिला पार्षद के खिलाफ अभद्र टिप्पणी को लेकर हंगामा हो गया। कांग्रेस व भाजपा पार्षदों ने करीब घंटे भर तक मेयर कार्यालय के सामने धरना दिया और टिप्पणी करने वाले व्यक्ति की पहचान करने के लिए सदन की रिकॉर्डिंग की जांच की मांग की। फिर नेता सदन मुकेश गोयल ने आकर कांग्रेस पार्षदों से बात की और मेयर से मिलने के लिए तैयार किया। मुलाकात के दौरान मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने कांग्रेस पार्षदों से सोमवार तक का समय मांगा और आश्वासन दिया कि सदन की कार्यवाही की रिकार्डिंग की जांच कराने के बाद टिप्पणी करने वाले सदस्य को जरूर निलंबित किया जाएगा। सदन की कार्यवाही शुरू होने पर भाजपा और कांग्रेस पार्षदों ने स्टैंडिंग कमेटी का गठन करने की मांग की। गृह कर में वृद्धि को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। नारेबाजी के बीच सदन की बैठक शुरू हुई। कांग्रेस पार्षद स्टैंडिंग कमेटी गठन करें और हाउस टैक्स वापस लें जैसी मांगों वाली तख्तियां साथ लेकर आए थे। भाजपा के पार्षदों ने दिल्ली में कुत्तों और बेसहारा पशुओं के आतंक का मुद्दा उठाया। निगम सदस्य योगेश वर्मा ने निगम आयुक्त से शहर में कुत्तों के काटने से संबंधित आंकड़े पेश करने की मांग की। नेता विपक्ष राजा इकबाल सिंह ने कहा कि सदन में दिवंगत डीबीसी कर्मचारियों के आश्रितों को करुणामूलक आधार पर नौकरी देने संबंधी प्रस्ताव को खारिज कर आप का कर्मचारी विरोधी चेहरा सामने है। डीबीसी कर्मचारी विपरीत परिस्थितियों में काम करते हैं। 29 डीबीसी कर्मचारियों की मृत्यु के बाद इनके आश्रितों को नौकरी देने संबंधी प्रस्ताव सदन में रखा गया था, जिसे आप ने खारिज कर दिया। एमसीडी को कमजोर कर रही आप : भाजपा प्रदेश भाजपा ने आम आदमी पार्टी पर एमसीडी के कामकाज के संबंध में निशाना साधा है। भाजपा ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी लगातार एमसीडी को कमजोर करने व पंगू बनाने में लगी है। इस कड़ी में वह उसके अधिकार व कार्य दिल्ली सरकार को सौंप रही है। इसके अलावा आम आदमी पार्टी एमसीडी में स्थायी समिति का गठन न होने की आड़ में गैर कानूनी तौर पर सदन में महत्वपूर्ण योजनाओं के प्रस्ताव पास कर रही है। लिहाजा वह इस मामले की उपराज्यपाल के पास शिकायत करेगी। महिला पार्षद के अपमान का संज्ञान लें मालीवाल : कपूर प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने एमसीडी सदन की बैठक में आम आदमी पार्टी के पार्षदों के एक महिला पार्षद पर अभद्र टिप्पणी करने की निंदा की है।

दिल्ली दंगा: आगजनी, तोड़फोड़ के नौ आरोपियों को मिला संदेह का लाभ, कोर्ट ने सभी को किया बरी

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर अदालत ने 2020 के दिल्ली दंगों के दौरान नौ आरोपियों को दंगा, तोड़फोड़ और आगजनी सहित सभी आरोपों से बरी कर दिया है। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष बिना शक उनका अपराध साबित करने में असफल रहा है, ऐसे में वे संदेह का लाभ पाने के हकदार हैं। अदालत ने 2020 के दिल्ली दंगों के दौरान नौ आरोपियों को दंगा, तोड़फोड़ और आगजनी सहित सभी आरोपों से बरी कर दिया है। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष बिना शक उनका अपराध साबित करने में असफल रहा है, ऐसे में वे संदेह का लाभ पाने के हकदार हैं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुलस्त्य प्रमाचला ने यह आदेश सांप्रदायिक दंगों के दौरान यहां शिव विहार में एक गोदाम और कुछ वाहनों को जलाने वाली दंगाई भीड़ का हिस्सा होने के आरोप पर दिया है। गोकलपुरी थाना पुलिस ने मोहम्मद शाहनवाज, मोहम्मद शोएब, शाहरुख, राशिद, आजाद, अशरफ अली, परवेज, मोहम्मद फैसल और राशिद के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। अदालत ने अपने समक्ष मौजूद साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए कहा कि गोदाम में तोड़फोड़ और आगजनी की घटना साबित हो गई है। अदालत ने रेखांकित किया कि अभियोजन पक्ष का मामला दो पुलिस अधिकारियों, एक सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई), और एक हेड कांस्टेबल की गवाही पर निर्भर है। अदालत ने कहा कि एएसआई ने आरोपियों के नामों का उल्लेख इस दलील के साथ किया कि वह उन्हें कथित घटना से पहले से जानता है, लेकिन बाद में पुलिस अधिकारी ने कहा कि वह केवल तीन आरोपी लोगों के नाम जानते हैं। किसी तथ्य को भूल जाना किसी तथ्य को गलत तरीके से पेश करने से बहुत अलग है। अदालत ने कहा कि यह असंभव है कि किसी व्यक्ति को एक समय में किसी का नाम पता होगा, लेकिन बाद के समय में वह उसका नाम नहीं जानता होगा। वह ऐसे नामों को भूल सकता है, लेकिन उस व्यक्ति द्वारा यह नहीं कहा जा सकता कि वह ऐसे नामों को जानता ही नहीं था।

संक्षिप्त खबरें

सफाई कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले कर्मियों की सेवा समाप्त, नगर निगम ने 26 पर की कड़ी कार्रवाई

दिल्ली-एनसीआर

गुरुग्राम नगर निगम की ओर से बुधवार को सफाई कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले लगभग 26 कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करने की कार्रवाई की गई। गुरुग्राम नगर निगम की ओर से बुधवार को सफाई कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले लगभग 26 कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करने की कार्रवाई की गई। यह कर्मी आदेशों की अवहेलना कर निगम प्रशासन द्वारा किए जा रहे सफाई कार्य में समय-समय पर बाधा उत्पन्न कर रहे थे। शहर के कई आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों और अन्य व्यक्तियों ने जोन-1 व जोन-2 क्षेत्रों के संयुक्त आयुक्तों से मिलकर इस बारे में शिकायत की थी। लोगों का कहना था कि कुछ सफाई कर्मचारी हड़ताल के नाम पर शहर की सफाई व्यवस्था को खराब कर रहे हैं। ऐसे में अगर आम नागरिक भी अपने क्षेत्र में सफाई का कार्य करता है, तो उसके कार्य में भी बाधा उत्पन्न की जाती है। उन्होंने ऐसे कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की, जिस पर कार्रवाई करते हुए लगभग 26 कर्मचारियों को तुरंत प्रभाव से निगम से बाहर का रास्ता दिखाया गया है। बता दें कि गलत आचरण से नगर निगम गुरुग्राम की छवि को धूमिल करने वाले तीन कर्मचारियों पर पहले ही कार्रवाई की जा चुकी है। पुलिस ने सफाई कर्मचारी नरेश, रामसिंह व राजेश कुमार के खिलाफ ठेकेदारों से अवैध वसूली करने का मामला दर्ज किया था। नगर निगम अधिकारियों द्वारा इस मामले में कार्रवाई करते हुए नरेश व रामसिंह की सेवाएं समाप्त की जा चुकी हैं, जबकि सफाई कर्मचारी राजेश कुमार को निलंबित किया गया था।

दिल्ली दंगों का आरोपी मांग रहा था पड़ोसी से रंगदारी, केस दर्ज; पुलिस को शिकायत देते ही आरोपी फरार

दिल्ली-एनसीआर

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दंगों में शामिल एक आरोपी मकान बना रहे अपने पड़ोसी से रंगदारी के रूप में 15 लाख रुपये और एक कार पार्किंग की जगह मांगने लगा। पीड़ित ने मना किया तो आरोपी धमकाने लगा। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दंगों में शामिल एक आरोपी मकान बना रहे अपने पड़ोसी से रंगदारी के रूप में 15 लाख रुपये और एक कार पार्किंग की जगह मांगने लगा। पीड़ित ने मना किया तो आरोपी धमकाने लगा। इसके बाद पीड़ित को परेशान करने के लिए पुलिस, नगर निगम और अदालत में अवैध निर्माण करने की शिकायत दे दी। परेशान होकर पीड़ित मेहताब हुसैन ने मामले की शिकायत दयालपुर थाना पुलिस से की। पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस को शिकायत करते ही आरोपी फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित मेहताब मेन करावल नगर रोड, खजूरी खास में रहते हैं। दो साल पहले इन्होंने मूंगा नगर में एक प्लॉट खरीदा था। इस प्लॉट पर मेहताब, अरशद और असगर के साथ मिलकर मकान बनाने लगे। इस बीच गली में रहने वाला लियाकत और उसके दो बेटे राहत व रियासत वहां पहुंचे। मेहताब इनको पहले से जानता है। लियाकत उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दंगों में आरोपी है और कुछ ही दिनों पूर्व जेल से बाहर आया है।

एटीएम के बाहर युवक से मोबाइल छिनकर भागे बदमाश, फिर खाते से निकाले 57 हजार

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर नोएडा के सेक्टर-18 में बदमाशों ने एक युवक का मोबाइल एटीएम बूथ के बाहर छीन लिया और उसके खाते से दो बार में 57 हजार रुपये निकाल लिया। मामले में पीड़ित युवक ने पुलिस से शिकायत की है। नोएडा के सेक्टर-18 में बदमाशों ने एक युवक का मोबाइल एटीएम बूथ के बाहर छीन लिया और उसके खाते से दो बार में 57 हजार रुपये निकाल लिया। मामले में पीड़ित युवक ने पुलिस से शिकायत की है। कोतवाली सेक्टर-20 पुलिस मामले की जांच कर रही है। पंचशील हाइनिस सोसाइटी निवासी अभिजीत कुमार ने पुलिस से शिकायत की है कि पिछले सप्ताह वह सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो में बैठकर सेक्टर-18 जा रहे था। उसके कोच में दो युवक भी चढ़े और पास ही खड़े हो गए। इसी दौरान अभिजीत ने अपने दोस्त से फोन पर बात की और खाते में 57 हजार रुपये ट्रांसफर करने के लिए कहा। ये बात दोनों युवकों ने सुन ली। रकम ट्रांसफर होने के बाद मेट्रो में ही अभिजीत खाते का बैलेंस चेक कर रहा था तभी दोनों युवकों ने पिन देख लिया। जब अभिजीत सेक्टर-18 उतरा और पैसे निकालने के लिए एटीएम बूथ में पहुंचा तब दोनों युवक वहां पहुंच गए। अभिजीत जब मशीन में कार्ड डालकर पैसे निकाल रहा था तो एक युवक झांकने लगा। शक होने पर पीड़ित ने ट्रांजेक्शन निरस्त कर दिया। जैसे ही अभिजीत बूथ के बाहर निकला युवक उसका मोबाइल लूट कर फरार हो गया। इसके बाद आरोपियों ने डेबिट कार्ड का इस्तेमाल कर 40 हजार रुपये कैश निकाल लिए और 17 हजार रुपये का यूपीआई ट्रांजेक्शन कर लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जर्मनी तक पहुंची थान सिंह की पाठशाला की गूंज... 8 साल पहले चार बच्चों से की थी शुरूआत

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर विदेशी मेहमानों की खुशी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वह महज एक घंटे के लिए बच्चों के पास पहुंचे थे, लेकिन बाद में उन्होंने बच्चों के साथ दो घंटे से भी ज्यादा का समय बिताया।लालकिला के पार्किंग परिसर में गरीब बच्चों के लिए चल रही थान सिंह की पाठशाला ने देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी सुर्खियां बटोर ली हैं। अब इनकी पाठशाला की चर्चा विदेशों में भी होने लगी है। पिछले दिनों जर्मनी के एक अखबार में उनकी पाठशाला की खबर क्या छपी, वहां मौजूद कुछ लोगों ने पाठशाला को देखने की इच्छा जाहिर कर दी। बस फिर क्या था जर्मन दूतावास के जरिये थान सिंह से संपर्क साधा गया। बातचीत होने के बाद 25 नवंबर को 40 सदस्यों का एक प्रतिनिधि मंडल पाठशाला देखने जर्मनी से दिल्ली पहुंच गया। विदेशी मेहमानों ने न सिर्फ बच्चों से बातचीत की बल्कि उनके जरिये प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी खूब लुत्फ उठाया। विदेशी मेहमान थान सिंह के जुनून देखकर काफी प्रभावित हुए। दरअसल खुद कभी झुग्गी बस्ती में रहकर अपनी मेहनत से खुद की किस्मत बदलने वाले थान सिंह नन्हें-मुन्ने बच्चों को शिक्षा से जोड़कर उनका भविष्य सुधारना चाहते हैं। उनकी मेहनत रंग भी ला रही है और वह करीब 90 बच्चों को अपनी पाठशाला में पढ़ाकर स्कूलों में दाखिला दिला चुके हैं। शुरूआत उन्होंने महज चार बच्चों से की थी, लेकिन धीरे-धीरे कारवां बढ़ता चला गया। उनकी पाठशाला में बच्चे बढ़े तो माता सुंदरी कॉलेज की कुछ छात्राओं ने खुद पहल करते हुए इन गरीब बच्चों को पढ़ाने में थान सिंह की मदद का बीड़ा उठाया। अभी चार छात्राएं थान सिंह की पाठशाला में बच्चों को पढ़ा रही हैं। जर्मनी से आए प्रतिनिधि मंडल की मेहमान नवाजी के लिए एसीपी विजय सिंह के अलावा कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। दो घंटे तक रहे बच्चों के साथ विदेशी मेहमानों की खुशी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वह महज एक घंटे के लिए बच्चों के पास पहुंचे थे, लेकिन बाद में उन्होंने बच्चों के साथ दो घंटे से भी ज्यादा का समय बिताया। पाठशाला ने बटोरीं सुर्खियां कोतवाली थाने की लालकिला पुलिस चौकी में तैनात दिल्ली पुलिस के 35 वर्षीय हवलदार थान सिंह ने करीब आठ साल पहले लालकिला की पार्किंग में चार गरीब बच्चों के साथ अपनी पाठशाला की शुरूआत की थी। इसके लिए उन्होंने आसपास के गरीब परिवारों के घर जाकर बच्चों को पढ़ाने की प्रार्थना की। पाठशाला को लालकिला पार्किंग में बने सांई मंदिर में शुरू किया गया। इनकी पाठशाला में जाति-धर्म का कोई बंधन नहीं था।

अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश

- पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी सुभाष वरकड़े, अब्दुल कलाम और दीपक बरेला के कब्जे से मैगजीन के साथ 30 अर्ध-स्वचालित पिस्टल बरामद की हैं।

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर आरोपी मध्यप्रदेश से अवैध हथियार लाकर दिल्ली, यूपी, हरियाणा, राजस्थान व हिमाचल प्रदेश में गैंगस्टरों को सप्लाई करते थे। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अवैध हथियार सप्लाई करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश कर तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपी मध्यप्रदेश से अवैध हथियार लाकर दिल्ली, यूपी, हरियाणा, राजस्थान व हिमाचल प्रदेश में गैंगस्टरों को सप्लाई करते थे। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी सुभाष वरकड़े, अब्दुल कलाम और दीपक बरेला के कब्जे से मैगजीन के साथ 30 अर्ध-स्वचालित पिस्टल बरामद की हैं। स्पेशल सेल के विशेष पुलिस आयुक्त एचजीएस धालीवाल ने बताया कि दिल्ली और आसपास के राज्यों में विभिन्न अपराध में अवैध हथियारों के इस्तेमाल के बढ़ते मामलों को नियंत्रित करने के लिए स्पेशल सेल ने दिल्ली-एनसीआर में अवैध हथियार आपूर्तिकताओं के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया हुआ है। लगातार निगरानी से पता चला कि यूपी के कुछ असलहा आपूर्तिकर्ता मध्य प्रदेश के अवैध असलहा आपूर्तिकताओं के संपर्क में हैं और उनसे अवैध असलहा खरीदते हैं। पहले ऑपरेशन में इंस्पेक्टर की टीम विवेकानन्द पाठक एवं इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह ने तकनीकी और मैन्युअल निगरानी के जरिये हथियार तस्करों की गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाई। इसके बाद मिले विशिष्ट इनपुट के बाद निरंकारी ग्राउंड, आउटर रिंग रोड के पास घेराबंदी कर मध्य प्रदेश के बैतूल के निवासी सुभाष वरकड़े को पकड़ लिया। आरोपी सुभाष के बैग से .32 बोर की कुल 10 अवैध सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल बरामद की गईं। एक अन्य ऑपरेशन में अवैध हथियार तस्कर मेरठ के अब्दुल कलाम को मिलेनियम पार्क, सराय काले खां से 26 नवंबर को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी एक बैग ले जा रहा था और जांच करने पर बिस्तर की चादर में लपेटकर वोल्टेज स्टेबलाइजर में छिपाई गई 15 अर्ध-स्वचालित पिस्टल बरामद की गईं। इसके बाद आरोपी अब्दुल कलाम की निशानदेही पर अवैध हथियारों की आपूर्ति के स्त्रोत बुरहानपुर, मध्य प्रदेश के दीपक बारेला को 28 नवंबर को धार, एमपी से गिरफ्तार किया गया और उसके पास से 5 अर्ध-स्वचालित पिस्टल बरामद की गईं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- बिक्री के लिए नहीं हैं एम्स में एमबीबीएस पाठ्यक्रम की सीटें

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर उच्च न्यायालय ने बुधवार को एक महिला की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में अपनी बेटी का प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए एक व्यक्ति को दिए गए 30 लाख रुपये की वसूली की मांग की थी। उच्च न्यायालय ने बुधवार को एक महिला की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में अपनी बेटी का प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए एक व्यक्ति को दिए गए 30 लाख रुपये की वसूली की मांग की थी। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह ने महिला को कोई भी राहत देने से इन्कार करते हुए कहा कि महिला ने स्वयं एक अवैधता कायम रखी और कानून ऐसे अनुबंधों को मान्यता नहीं देता है जो गैर-कानूनी, अनैतिक और सार्वजनिक नीति के खिलाफ हैं। अदालत ने कहा कि एम्स में एमबीबीएस पाठ्यक्रम की सीटें बिक्री के लिए नहीं हैं। अपीलकर्ता भोला हो सकता है, लेकिन अदालत ऐसे व्यक्ति की सहायता के लिए नहीं आ सकती, जिसने गैर-कानूनी काम किया है। महिला ने निचली अदालत के उस आदेश के खिलाफ अपील में उच्च न्यायालय का रुख किया था, जिसमें उस व्यक्ति से 30 लाख रुपये की वसूली के लिए उसके मुकदमे को खारिज कर दिया गया था, जिसने कथित तौर पर स्वास्थ्य मंत्री और अधिकारियों के साथ संपर्क होने का दावा करते हुए उसे संस्थान में अपनी बेटी के लिए सीट सुरक्षित करने के लिए पैसे देने का लालच दिया था।

प्यार की खातिर पाकिस्तान गई अंजू देर रात पहुंची दिल्ली, एयरपोर्ट पर बचती रही मीडिया के सवालों से

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर देर रात दिल्ली एयरपोर्ट पहुंची अंजू पर जब मीडिया ने सवालों की बौछार की तो उसने किसी का जवाब नहीं दिया। अंजू बुधवार को अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते भारत में दाखिल हुई थी फिर काफी देर बीएसएफ कैंप में रही और देर रात दिल्ली पहुंची। प्यार की खातिर पाकिस्तान गई अंजू भारत लौट आई है। देर रात दिल्ली एयरपोर्ट पहुंची अंजू पर जब मीडिया ने सवालों की बौछार की तो उसने किसी का जवाब नहीं दिया। अंजू बुधवार को अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते भारत में दाखिल हुई थी फिर काफी देर बीएसएफ कैंप में रही और देर रात दिल्ली पहुंची। अंजू राजस्थान में अलवर जिले के भिवाड़ी में अपने पति अरविंद और दो बच्चों के साथ रहती थी। वह टूरिस्ट वीजा पर पाकिस्तान घूमने गई थी, लेकिन बाद में पता चला कि वह खैबर पख्तूनख्वा में रहने वाले नसरुल्लाह से मिलने गई है। दरअसल, नसरुल्लाह और अंजू के बीच अफेयर चल रहा था। पाकिस्तान जाने के बाद अंजू ने नसरुल्लाह के साथ निकाह भी कर लिया था। अंजू और नसरुल्लाह के निकाह की तस्वीर भी सामने आई थी। साल 2020 में फेसबुक पर हुई दोस्ती दरअसल, साल 2020 में अंजू और नसरुल्लाह की मुलाकात फेसबुक पर हुई थी। नसरुल्लाह पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के ऊपरी दीर जिले का रहने वाला है। फेसबुक पर जब दोनों की दोस्ती कुछ और आगे बढ़ी तो दोनों ने एक-दूसरे का कॉन्टैक्ट नंबर ले लिया। दोनों की बातचीत वॉट्सएप पर होने लगी। करीब दो साल तक यह बातचीत चलती रही। इसी बीच अंजू और नसरुल्लाह ने एक-दूसरे से मिलने की इच्छा जाहिर की, जब नसरुल्लाह ने भारत आने में असमर्थता जताई तो अंजू पाकिस्तान आने को तैयार हो गई। 21 जून को वीजा का आवेदन अंजू ने पासपोर्ट भी बनवा लिया, लेकिन अड़चन थी वीजा की। अंजू ने पाकिस्तान जाने के लिए 21 जून को वीजा का आवेदन किया था। अंजू ऑटो मोबाइल कंपनी में काम करती थी, जबकि उसका पति अरविंद इंडो कंपनी में काम करता है। अंजू के पति अरविंद के मुताबिक, उनका परिवार मूल रूप से यूपी के बलिया का रहने वाला है। जबकि अंजू का परिवार मध्यप्रदेश के ग्वालियर से है। अंजू और अरविंद की शादी साल 2007 में हुई थी। अरविंद का धर्म क्रिश्चियन है, जबकि अंजू हिंदू है। अंजू ने शादी के बाद अपना धर्म बदल लिया था। अरविंद के पास हैं बच्चे दरअसल, अंजू के बच्चे अरविंद के पास हैं और उन्होंने साफ कहा है कि अंजू को मिलने नहीं देंगे। इस पूरे मामले को लेकर अरविंद पुलिस के पास भी जा चुके हैं और अंजू से पूछताछ भी हो सकती है। हाल ही में नसरुल्लाह ने खुलासा किया था कि अंजू ने बच्चों पर उन्हें पहले झूठ बोला था। नसरुल्लाह ने कहा था कि एक कंपनी के प्रॉडक्ट का प्रचार करने के दौरान चार साल पहले उनकी फेसबुक के जरिए मुलाकात हुई थी। उन्होंने कहा कि साल 2018 में पहली बार मुलाकात हुई थी। हमें एक-दूसरे के देश में जाने के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। मैंने पाकिस्तान के गृह मंत्रालय से पूरी जानकारी ली। अंजू और भारतीय पति अरविंद में हो सकता है विवाद नसरुल्लाह ने बताया कि इस पूरे प्रासेस में मुझे एक साल लग गया।

सर्दियों में 5760 मेगावॉट हो सकती है बिजली की मांग, सुचारु बिजली आपूर्ति के लिए इरएर की तैयारियां पूरी

- इसके अलावा, 540 मेगावॉट हाइड्रो पावर, 500 मेगावॉट विंड एनर्जी और करीब 40 मेगावॉट कचरे से बनने वाली बिजली भी बीएसईएस को मिलेगी।

एनटीवी

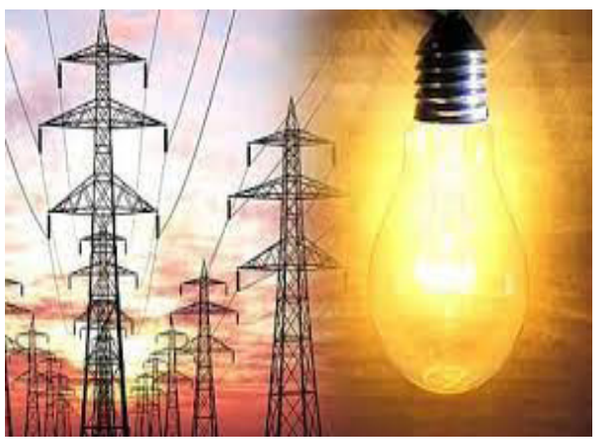

दिल्ली-एनसीआर सर्दियों में अपने लगभग दो करोड़ बिजली उपभोक्ताओं (जिनमें करीब 50 लाख रजिस्टर्ड ग्राहक) को बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बीएसईएस ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। पारंपरिक पावर प्लांटों को लॉन्ग टर्म आधार पर किए गए बिजली खरीद समझौतों के तहत बीएसईएस को पर्याप्त बिजली मिलेगी।इस बार सर्दियों में दिल्ली में बिजली की अधिकतम मांग 5760 मेगावॉट तक पहुंच सकती है। बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड इलाके में बिजली की मांग 2400 मेगवॉट और बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड क्षेत्र में 1200 मेगावॉट के आंकड़े को छू सकती है। पिछले साल ठंड के महीने में राजधानी में बिजली की अधिकतम मांग 5526 मेगावॉट पहुंची थी। बीआरपीएल क्षेत्र में बिजली की मांग 2338 मेगावॉट थी, जबकि बीवाईपीएल इलाके में मांग 1181 मेगावॉट थी। सर्दियों में अपने लगभग दो करोड़ बिजली उपभोक्ताओं (जिनमें करीब 50 लाख रजिस्टर्ड ग्राहक) को बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बीएसईएस ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। पारंपरिक पावर प्लांटों को लॉन्ग टर्म आधार पर किए गए बिजली खरीद समझौतों के तहत बीएसईएस को पर्याप्त बिजली मिलेगी। बीएसईएस को 2000 मेगावॉट से अधिक ग्रीन पावर यानी हरित बिजली भी उपलब्ध होगी। इसमें सेकी (सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया) से मिलने वाली 840 मेगावॉट सौर ऊर्जा शामिल है। इसके अलावा, 540 मेगावॉट हाइड्रो पावर, 500 मेगावॉट विंड एनर्जी और करीब 40 मेगावॉट कचरे से बनने वाली बिजली भी बीएसईएस को मिलेगी। बीएसईएस क्षेत्र में लगे रूफटॉप सोलर पावर प्लांटों से भी 150 मेगावॉट से अधिक बिजली मिलेगी। इस बार ठंड के महीनों में बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं की कुल बिजली जरूरतों का 60 प्रतिशत हिस्सा ग्रीन एनर्जी से पूरा करेगी। अत्याधुनिक तकनीकों की बदौलत बीएसईएस अब बिजली की मांग का लगभग सटीक अनुमान लगा सकती है। इसके लिए, लोड फोरकास्टिंग सिस्टम के अलावा मॉडलिंग तकनीक का भी उपयोग किया जा रहा है। उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में ये तकनीक काफी मददगार साबित होंगी। लोड फोरकास्टिंग सिस्टम की मदद से बीएसईएस अब तीन स्तरों पर बिजली की मांग का करीब सटीक अनुमान लगा पाने में सक्षम है। कल बिजली की क्या मांग रहने वाली है, इसका पता लगाया जा सकता है। यह भी जाना जा सकता है कि कल बिजली की क्या डिमांड होगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ले रहे मदद बिजली की मांग का सटीक अनुमान लगाने के लिए बीएसईएस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग की भी मदद ले रही है। इन तकनीकों के इस्तेमाल से बिजली की मांग का लगभग सटीक अनुमान लगाकर उपभोक्ताओं को बिजली की सुचारु आपूर्ति करने में मदद मिलेगी। दिल्ली में बिजली की डिमांड के उतार-चढ़ाव में मौसम की बड़ी भुमिका होती है, इसलिए बिजली की मांग का अनुमान लगाते वक्त वेदर फोरकास्टिंग तकनीक का भी इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे यह पता चलता है कि कल का मौसम कैसा रहेगा, बारिश होगी या नहीं, तापमान गिरेगा या बढ़ेगा, हवा की गति कैसी रहेगी। गर्मियों की तैयारी अभी से शुरू की बीएसईएस ने सर्दियों में बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के अलावा, अभी से ही गर्मियों की तैयारियां भी शुरू कर दी है। इसके लिए पावर बैंकिंग मॉड्यूल का उपयोग किया जा रहा है। बीएसईएस सर्दियों में कुछ ठंडे प्रदेशों को बिजली देगी और बदले में वे ठंडे प्रदेश गर्मियों में बीएसईएस को बिजली वापस करेंगे, जिसका फायदा उपभोक्ताओं को गर्मियों में मिलेगा।

भारत की 10 सबसे सुरक्षित कारें, ग्लोबल क्रैश टेस्ट में हुए पास

एनटीवी

भारतीय कार बाजार में वाहनों का जबरदस्त क्रेज देखने को मिलता है। त्योहारों के मौसम में इनकी खरीदारी भी जबरदस्त तरीके से होती है। वाहन निमार्ता कंपनी भी अपने ग्राहकों को हमेशा खुश रखना चाहते हैं। हाल के दिनों में देखें तो सुरक्षा को लेकर ग्राहक जागरूक हुए हैं और यही कारण है कि वह कारों को भी सुरक्षा के मानकों पर पूरी तरीके से परखने के बाद ही खरीदना चाहते हैं। हाल में ही हुंडई की वरना ग्लोबल एनसीएपी क्रैश टेस्ट में फाइव स्टार रेटिंग हासिल करके कमाल दिखा दिया है। यह भारत की सबसे सुरक्षित कारों में से एक है। आज हम आपको देश की 10 सबसे सुरक्षित कारों के बारे में बताना चाहते हैं जिस पर आप अपना पैसा लगा सकते हैं।

VolksvagenVirtus

जर्मन ऑटो दिग्गज की कॉम्पैक्ट सेडान ग्लोबल एनसीएपी में परफेक्ट फाइव-स्टार रेटिंग हासिल करने वाली पहली दो सेडान में से एक थी। अपने तकनीकी चचेरे भाई स्कोडा स्लाविया के साथ, वर्टस ने वयस्क और बाल अधिवासी सुरक्षा परीक्षणों में उच्चतम संभव पांच सितारा रेटिंग के साथ क्रैश परीक्षणों में सफलता हासिल की। वर्टस ने वयस्क अधिवासी संरक्षण परीक्षण में 34 में से 29.71 अंक और बाल अधिभोगी संरक्षण परीक्षण में 49 में से 42 अंक प्राप्त किए।

Skoda Slavia

स्लाविया स्कोडा का प्रमुख मॉडल है जिसने 2022 में पुरानी रैपिड सेडान की जगह ले ली। सुरक्षा सुविधाओं और एक ठोस बॉडीशेल ने सेडान को ग्लोबल एनसीएपी में उच्चतम सुरक्षा रेटिंग हासिल करने में मदद की। स्लाविया ने वर्टस के समान अंक अर्जित किये। दोनों सेडान का पैदल यात्री सुरक्षा उपायों के लिए भी परीक्षण किया गया।

Hyundai Verna

इस साल की शुरूआत में लॉन्च की गई नई पीढ़ी की वर्ना कॉम्पैक्ट सेडान सुविधाओं के मामले में काफी सुसज्जित है। इनमें मानक के रूप में छह एयरबैग और इलेक्ट्रॉनिक स्थिरता नियंत्रण (ईएससी) के अलावा ईबीडी के साथ एबीएस, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस), हिल-स्टार्ट असिस्ट, सभी चार पहियों पर डिस्क ब्रेक और फ्रंट पार्किंग सेंसर शामिल हैं। ग्लोबल एनसीएपी क्रैश टेस्ट से पता चला कि वर्ना का बॉडीशेल अस्थिर है। हालाँकि, वयस्क और बाल सुरक्षा के साथ-साथ साइड इफेक्ट परीक्षणों में, सेडान अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुई। वर्ना ने वयस्क यात्रियों की सुरक्षा के लिए 34 में से 28.18 अंक और बच्चों की सुरक्षा के लिए 49 में से 42 अंक हासिल किए।

Volkswagen Taigun

भारत में दो सबसे सुरक्षित एसयूवी भी वोक्सवैगन समूह से आती हैं। ताइगुन एसयूवी ने पिछले साल ग्लोबल एनसीएपी क्रैश टेस्ट को परफेक्ट 5 के साथ पास किया था। एसयूवी ने वयस्क और बच्चों दोनों के सुरक्षा उपायों में पांच सितारा सुरक्षा रेटिंग हासिल की, जो भारत की किसी भी कार के लिए पहली बार है। 71.64 अंकों के समग्र सुरक्षा स्कोर के साथ, ताइगुन भारत की सबसे सुरक्षित कार है।

Skoda Kushaq

कुशाक एसयूवी, वोक्सवैगन ताइगुन की तकनीकी समकक्ष, ग्लोबल एनसीएपी क्रैश टेस्ट में समान सुरक्षा रेटिंग के साथ लौटी। एक साझा मंच पर निर्मित और समान सुरक्षा सुविधाओं के साथ पेश किए गए, कुशाक ने वयस्क और बाल दोनों ही सुरक्षा कार्यक्रमों में पांच सितारा सुरक्षा रेटिंग हासिल की।

XUV700

महिंद्रा की फ्लैगशिप UV700 रव३ पहले इसकी सबसे सुरक्षित कार थी। UV700 ने वयस्क यात्री सुरक्षा कार्यक्रम में शीर्ष सम्मान के साथ पांच सितारा रेटिंग और बाल यात्री सुरक्षा में चार सितारा रेटिंग भी हासिल की थी। हालाँकि, 57.69 अंकों के समग्र सुरक्षा स्कोर के साथ, यह अब स्कॉर्पियो-एन से थोड़ा कम है।

Tata Punch

एक अन्य भारतीय कार निमार्ता टाटा मोटर्स की सबसे सुरक्षित कार देश में किसी भी कंपनी द्वारा पेश की जाने वाली सबसे छोटी एसयूवी है। द पंच ने ग्लोबल एनसीएपी में समग्र रूप से पांच सितारा रेटिंग हासिल करके कुछ लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया। जब वयस्क या बाल यात्री सुरक्षा कार्यक्रम की बात आती है तो सुरक्षा रेटिंग व३700 के समान थी। हालाँकि, पंच का समग्र सुरक्षा स्कोर 57.34 अंक है।

XUV300

ग्लोबल एनसीएपी में समग्र रूप से पांच सितारा सुरक्षा रेटिंग हासिल करने वाली तीसरी महिंद्रा एसयूवी सब-कॉम्पैक्ट व३300 है। यह कार निमार्ता के पहले मॉडलों में से एक था जिसने क्रैश टेस्ट में उच्चतम सुरक्षा रेटिंग हासिल की थी। इसे वयस्क अधिवासी सुरक्षा में पांच स्टार मिले जबकि बाल अधिभोगी सुरक्षा रेटिंग चार स्टार थी। व३300 का समग्र सुरक्षा स्कोर 53.86 अंक था।

Mahindra Scorpio-N

ग्लोबल एनसीएपी में पांच सितारा रेटिंग प्राप्त करने के बाद महिंद्रा की प्रमुख स्कॉर्पियो-एन एसयूवी सूची में नौवें स्थान पर है। क्रैश टेस्ट में इसने 58.18 अंक हासिल किए, जिसमें एसयूवी ने वयस्क सुरक्षा में पांच सितारा रेटिंग हासिल की, लेकिन बच्चों की सुरक्षा में केवल तीन सितारा रेटिंग हासिल की।

Tata Altroz

उच्चतम सुरक्षा रेटिंग वाली सबसे सुरक्षित कारों की इस सूची में अल्ट्रोज एकमात्र हैचबैक है। यह भारत की एकमात्र हैचबैक है जिसने ग्लोबल एनसीएपी में समग्र पांच सितारा रेटिंग हासिल की है। जबकि यह वयस्क अधिवासी सुरक्षा परीक्षण में सफल रही, अल्ट्रोज ने बाल अधिवासी संरक्षण परीक्षण में केवल तीन-स्टार स्कोर किया। हैचबैक ने कुल मिलाकर 45.13 अंक का सुरक्षा स्कोर हासिल किया।

Honda CB350 भारत में लॉन्च, फीचर्स के साथ-साथ जानें क्या है इसकी कीमत

एनटीवी

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (HMSI) ने आज 2023 होंडा CB350 को 1,99,900 रुपये (एक्स-शोरूम, नई दिल्ली) की शुरूआती कीमत पर लॉन्च किया। इस मध्यम आकार के मोटरसाइकिल सेगमेंट के दावेदार को बिगविंग डीलरशिप पर जल्द ही डिलीवरी शुरू होने के साथ बुक किया जा सकता है। 2023 होंडा उइ350 दो वेरिएंट्स - DLX और DLX PRO में उपलब्ध है। 2023 सीबी350 डीएलएक्स की शुरूआती कीमत 1,99,900 रुपये है जबकि 2023 सीबी350 डीएलएक्स प्रो - 2,17,800 रुपये है। अपडेटेड होंडा CB350 एक ऑल-एलईडी लाइटिंग सिस्टम (गोल एलईडी हेडलैंप, एलईडी विंकर्स और एलईडी टेल लैंप), मेटल फेंडर, फ्रंट फोर्क्स और स्प्लिट सीटों के लिए मेटालिक कवर के साथ आता है। इसमें होंडा स्मार्टफोन वॉयस कंट्रोल सिस्टम, होंडा सेलेक्टेबल टॉर्क कंट्रोल सिस्टम, असिस्ट और स्लिपर क्लच और एक आपातकालीन स्टॉप सिग्नल के साथ डिजिटल-एनालॉग इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर जैसी विशेषताएं हैं। रेट्रो क्लासिक मॉडल को पांच रंग विकल्पों - प्रेशियस रेड मेटैलिक, पर्ल इग्नियस ब्लैक, मैट क्रस्ट मेटैलिक, मैट मार्शल ग्रीन मेटैलिक और मैट ड्यून ब्राउन में पेश किया जा रहा है। 2023 होंडा CB350 के केंद्र में 348.36ू, एयर-कूल्ड, 4-स्ट्रोक, सिंगल-सिलेंडर, PGM-FI इंजन है, जो 21.1ढर की अधिकतम पावर और 29.4ठे का पीक टॉर्क विकसित करता है। इंजन 5-स्पीड गियरबॉक्स से जुड़ा है। 2023 होंडा CB350 की तकनीकी विशिष्टताओं की बात करें तो मोटरसाइकिल टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स और प्रेशराइज्ड नाइट्रोजन-चार्ज रियर सस्पेंशन के साथ आती है। ब्रेकिंग के लिए फ्रंट में 310े डिस्क और रियर में 240े डिस्क है, जबकि डुअल-चैनल अइर स्टैंडर्ड है। ल्टरक 2023 होंडा उइ350 पर एक विशेष 10-वर्षीय वारंटी पैकेज (3-वर्ष मानक + 7-वर्ष वैकल्पिक) की पेशकश कर रहा है। 2023 होंडा उइ350 का मुख्य प्रतिद्वंद्वी लोकप्रिय रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 होगा।

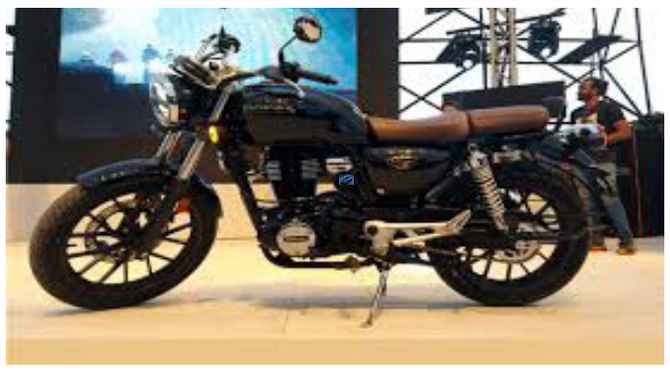

CNG Bike लाने की तैयारी में Bajaj

एनटीवी

बजाज ऑटो सीएनजी मोटरसाइकिलें लॉन्च करके एंट्री-लेवल दोपहिया सेगमेंट में हलचल मचाने पर विचार कर रहा है, जिससे ग्राहकों के लिए ईंधन की कीमतें लगभग 50% तक कम हो जाएंगी। एक साक्षात्कार में, प्रबंध निदेशक राजीव बजाज ने आश्चर्य जताया कि सीएनजी स्कूटर या मोटरसाइकिल क्यों नहीं थे। उन्होंने कहा कि निमार्ताओं के लिए सुरक्षा, रेंज, चार्जिंग और बैटरी लाइफ से संबंधित कोई चिंता नहीं होगी और ऐसी बाइक उपभोक्ताओं के लिए बहुत अच्छी होंगी। बजाज ने कहा कि उन्हें आगामी त्योहारी सीजन में एंट्री-लेवल इंटरनल कम्बशन इंजन बाइक (10ू) की बिक्री में तेजी नहीं दिख रही है क्योंकि खरीदार इलेक्ट्रिक विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं।'

बजाज ने कहा कि प्रवेश खंड, जो कि 100 सीसी मोटरसाइकिल है, समग्र रूप से उद्योग के लिए दबाव में बना हुआ है। उन्होंने कहा, पिरामिड के निचले स्तर के खरीदार जो कोविड, नौकरी छूटने और पेट्रोल की बढ़ती कीमतों से प्रभावित हुए थे, वे वापस नहीं आ रहे हैं।

बजाज ऑटो के पास एंट्री सेगमेंट में 100 और 125 सीसी के बीच सात मोटरसाइकिल मॉडल हैं, और वह इस श्रेणी में अग्रणी नहीं है। हालांकि, सीएनजी थ्री-व्हीलर सेगमेंट में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी करीब 70 फीसदी है। बजाज ऑटो के एमडी ने इस वित्तीय वर्ष में पल्सर मोटरसाइकिल के छह नए अपग्रेड और अब तक की सबसे बड़ी पल्सर लॉन्च करने की भी बात कही।

वर्तमान में सबसे बड़ा पल्सर 250ू वैरिएंट है। बजाज ने कहा कि कंपनी ट्रायम्फ मोटरसाइकिल और चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर का उत्पादन भी बढ़ा रही है। ट्रायम्फ का उत्पादन वर्तमान में लगभग 8,000 इकाइयों से बढ़कर 15,000-20,000 इकाई प्रति माह और चेतक का त्योहारी सीजन के दौरान लगभग 10,000 इकाई प्रति माह और वर्ष के अंत तक लगभग 20,000 इकाई हो जाएगा। कंपनी अक्टूबर में ट्रायम्फ मोटरसाइकिलों का निर्यात भी शुरू कर देगी। इसके अलावा, बजाज ऑटो सक्रिय रूप से प्रीमियम मोटरसाइकिल सेगमेंट में अवसर तलाश रहा है, जिसमें लगभग 1.7 लाख रुपये की कीमत वाली बाइक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रीमियम सेगमेंट में सकारात्मक वृद्धि देखी जा रही है। यह एंट्री-लेवल सेगमेंट की तरह नकारात्मक नहीं है, लेकिन मध्य-सेगमेंट जितना बड़ा या मजबूत नहीं है। हमारे पास पल्सर आरएस, डोमिनार, केटीएम, हुस्कवर्ना और अब ट्रायम्फ जैसे कुछ ब्रांड हैं। मैं कहूंगा कि हम वहां बहुत अच्छा कर रहे हैं।

जल्द आ रही है टोयोटा की अर्बन क्रूजर टैसर, मारुति फ्रोंक्स पर होगी आधारित

एनटीवी

टोयोटा की अगली नई कार अर्बन क्रूजर टैसरहोगी, जिसे अगले साल की शुरूआत में लॉन्च किया जाएगा। कार को अपने मारुति समकक्ष के साथ कैसे रखा जाएगा, इसके बारे में कुछ बदलाव हो सकते हैं। टायसर टोयोटा की सबसे किफायती एसयूवी होगी, यह देखते हुए कि ब्रेजा पर आधारित अर्बन क्रूजर बिक्री पर नहीं है और नई ब्रेजा रिलीज के साथ इसे रेंज में शामिल नहीं किया गया है। जानकारी के मुताबिक अर्बन क्रूजर टैजर मारुति फ्रोंक्स पर आधारित होगा लेकिन टर्बो बूस्टरजेट को छोड़कर केवल 1.2 लीटर पेट्रोल इंजन की पेशकश कर सकता है। हां, अर्बन क्रूजर टैसर में ऑटोमेटेड मैनुअल ट्रांसमिशन (एएमटी) और मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ मानक 1.2 लीटर पेट्रोल की सुविधा हो सकती है, जबकि बूस्टरजेट फ्रोंक्स के लिए विशेष रूप से उपलब्ध रह सकता है। टैसर की शैली फ्रोंक्स की तुलना में अलग होगी, जिसमें फ्रंट-एंड में बदलाव और संभवतः नए मिश्र धातु के पहिये शामिल होंगे। जबकि टैसर और फ्रोंक्स के बीच स्टाइल में बदलाव ग्लैंजा/बलेनो की तुलना में महत्वपूर्ण होंगे, लेकिन वे ग्रैंड विटारा/हाइडर के बीच उतने व्यापक नहीं होंगे। उम्मीद है कि इंटीरियर वही रहेगा लेकिन नए इंटीरियर रंग के साथ आ सकता है। अर्बन क्रूजर टैजर में फ्रोंक्स की तुलना में कम उपलब्ध ट्रिम्स हो सकते हैं।

फ्रोंक्स लाइनअप के भीतर, 1.2 लीटर पेट्रोल इंजन अपनी कीमत के कारण अधिक लोकप्रिय रहा है, जिससे यह मारुति रेंज में ब्रेजा के साथ सबसे अधिक बिकने वाली छोटी एसयूवी में से एक बन गई है। जब यह अगले साल की शुरूआत में आएगा, तो अर्बन क्रूजर टैसर फ्रोंक्स से अधिक महंगा होने की उम्मीद है। टोयोटा ने हाल ही में भारत में नई वेलफायर लॉन्च की है, जबकि मारुति सुजुकी के साथ साझेदारी में इसकी रेंज बड़े पैमाने पर बाजार क्षेत्र पर कब्जा करती है।

भारत में Hond ने लॉन्च किया SP 125 का Sports Edition, 10 साल की वारंटी के साथ मिल रहा बहुत कुछ

एनटीवी

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (HMSI) ने भारत में रढ125 स्पोर्ट्स एडिशन पेश किया, जिसकी दिल्ली में एक्स-शोरूम कीमत 90,567 रुपये है। यह मोटरसाइकिल सीमित समय के लिए देश भर में सभी होंडा रेड विंग डीलरशिप पर पाई जा सकती है, और बुकिंग पहले से ही चल रही है। मॉडल को अपने विशिष्ट और तेज डिजाइन के माध्यम से एक स्पोर्टी लुक मिलती है। यह 123.94 सिंगल-सिलेंडर इर6, OBD2 अनुपालक PGM-FI इंजन द्वारा संचालित है।

बाइक का स्पोर्टी सार बोल्ड टैंक डिजाइन, मैट मफलर कवर और उन्नत ग्राफिक्स के माध्यम से पेश किया गया है, जो बॉडी पैनल और मिश्र धातु पहियों पर ताजा जीवंत धारियों द्वारा पूरक है। यह दो रंग विकल्पों में आएगा: डिसेंट ब्लू मेटैलिक और हेवी ग्रे मेटैलिक। लुक के संदर्भ में, स्पोर्ट्स एडिशन मॉडल में एक ज्वलंत एलईडी हेडलैंप और एक पूरी तरह से डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल है जो गियर स्थिति संकेतक और विभिन्न माइलेज-संबंधित डेटा प्रदर्शित करेगा। यह 123.94ू सिंगल-सिलेंडर इर6, डइउ2 अनुपालक PGM-FI इंजन द्वारा संचालित है, जो 8'ह की पावर और 10.9 ठे का टॉर्क पैदा करने में सक्षम है। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) बाइक के लिए एक विशेष 10 साल का वारंटी पैकेज प्रदान करता है, जिसमें तीन साल की मानक वारंटी और वैकल्पिक सात साल की वारंटी शामिल है। होंडा SP125 स्पोर्ट्स एडिशन के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के सेल्स एंड मार्केटिंग के निदेशक, योगेश माथुर ने कहा, हमें नए होंडा रढ125 स्पोर्ट्स एडिशन के लॉन्च की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। अपनी बोल्ड अपील और आधुनिक उपकरणों के साथ, यह आपको एक ऐसा अनुभव प्रदान करने के लिए है जो उन्नत से भी आगे है। हमारा मानना है कि रढ125 का नया स्पोर्ट्स एडिशन ग्राहकों के बीच एक लोकप्रिय पसंद बना रहेगा और अपने सेगमेंट में नए मानक स्थापित करेगा।

भारी पड़ी है कांग्रेस ?

पांच राज्यों में चल रहे विधानसभा चुनाव को लोकसभा चुनाव के ट्रेलर के रूप में देखा जा रहा है। इन राज्यों के नतीजे का असर अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव में देखने को मिलेगा। सबसे बड़ी बात 26 विपक्षी दलों द्वारा बनाए गए इंडिया गठबंधन अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा को कितनी बड़ी चुनौती दे पाएगा इसका पता भी इन विधानसभा चुनाव के परिणामों से लग जाएगा। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, मिजोरम में विधानसभा की कुल 679 सीटों के लिए हो रहे चुनाव में कांग्रेस प्राय सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही है। हंदी भाषी बेल्ट माने जाने वाले राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में तो कांग्रेस की भाजपा से सीधा मुकाबला है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने इन तीनों प्रदेशों में सरकार बनाई थी। मगर भाजपा ने षडयंत्र पूर्वक मध्य प्रदेश की सरकार को गिरकर शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में अपनी सरकार बना ली थी। अब इन तीनों ही प्रदेशों में एक बार फिर कांग्रेस व भाजपा में सीधा मुकाबला हो रहा है। यहां मतदान हो चुका है। मतदान के प्रारंभिक रुझानों से लगता है कि कांग्रेस मजबूत बनकर उभर रही है। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में कांग्रेस ने पिछले दो वर्षों में बहुत सी जनहितकारी योजनायें शुरू की थीं। जिसका असर इन चुनाव में भी देखने को मिला है। चुनाव के दौरान राजस्थान में कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में प्रदेश की जनता से सात वायदे किए हैं तथा कहा है कि यदि फिर से कांग्रेस की सरकार बनती है तो वह इन वादों को लागू करेगी। यह सभी वायदे आम जन को खासा प्रभावित कर रहे हैं। राजस्थाना में कांग्रेस ने कमजोर स्थिति वाले बहुत से विधायकों का टिकट काट कर नए लोगों को मौका दिया है। जिससे सरकार के प्रति व्याप्त नाराजगी समाप्त हुई है। राजस्थान विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस तरह से चुनावी चक्रव्यूह की रचना की थी जिसमें भाजपा के दिग्गज नेता भी उलझ कर रह गए। कई बड़े जाट नेताओं के भाजपा में जाने के बावजूद कांग्रेस पार्टी ने जाट समाज के लोगों को बढ़ चढ़कर टिकट दिया थां जिसके चलते जाट समाज के मतदाता कांग्रेस से ही जुड़े रहे हैं। प्रदेश में सबसे बड़ी आबादी जाट समाज की है जो पारंपरिक रूप से कांग्रेस के समर्थक रहे हैं। इस बार भी जाटों का कांग्रेस से जुड़ाव कांग्रेस के लिए एक नई संजीवनी साबित हो रहा है। हालांकि भाजपा ने सात सांसदों को चुनाव मैदान में उतारा था। मगर सभी सांसद चुनावी चक्रव्यूह में फंसे हुए नजर आये। उनके चुनाव लड़ने से भाजपा को कोई फायदा होता नजर नहीं आ रहा है। उसके उलट कांग्रेस ने संगठन से जुड़े कई नए लोगों को अवसर देखकर पार्टी कार्यकताओं में एक नए जोश का संचार किया है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस को भाजपा द्वारा करवाए गए दल-बदल का लाभ मिलता नजर आ रहा है। पिछले विधानसभा चुनाव में वहां कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनी थी। मगर सवा साल बाद ही भाजपा ने ज्योतिरादित्य सिंधिया समर्थक विधायकों से दल-बदल करवाकर कमलनाथ सरकार को गिराकर भाजपा की सरकार बना ली थी। भाजपा ने वहां अपनी जोड़-तोड़ से सरकार तो बना ली थी। मगर कांग्रेस से भाजपा में आए सिंधिया समर्थक विधायकों व भाजपा के मूल कार्यकताओं का टकराव कभी समाप्त नहीं हो पाया। यहां तक की टिकट वितरण में भी भाजपा दोनों गुटों को एक जगह करने में असफल रही। लगातार चार बार मुख्यमंत्री रहने के कारण मध्य प्रदेश के लोगों में शिवराज सिंह चौहान की नकारात्मक छवि बन चुकी है। जिसका खामियाजा वहां भाजपा को उठाना पड़ेगा। मध्य प्रदेश में भी भाजपा ने बड़ी संख्या में केंद्रीय मंत्रियों व सांसदों को मैदान में उतार कर शिवराज सरकार के प्रति व्याप्त हो रही नाराजगी को कम करने का प्रयास किया था। मगर ऐसा हो नहीं पाया। मध्य प्रदेश की जनता शिवराज सरकार के कारनामों के कारण हर हाल में भाजपा सरकार को बदलना चाहती है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कांग्रेस के पहले ऐसे नेता हैं जो पांच साल शासन करने के उपरांत भी प्रदेश की जनता में पहले की तरह लोकप्रिय बने हुए हैं। जमीन से जुड़े होने के कारण बघेल को आम आदमी की समस्याओं का पता है। अपने कार्यकाल में उन्होंने आम आदमी के भले से जुड़ी अनेकों योजनाएं जारी कर लोगों में अपनी सरकार के प्रति नकारात्मक भावना पैदा ही नहीं होने दी। जिसका लाभ उनको विधानसभा चुनाव में भी मिलता दिख रहा है। अंतिम वर्ष में उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी टीएस सिंह देव को उपमुख्यमंत्री बनाकर उनकी नाराजगी ही दूर नहीं की बल्कि कांग्रेस संगठन को भी मजबूत करने का काम किया है।

तरह-तरह के ग्राहक

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

दुनिया विभिन्न प्रकार के ग्राहकों से या यूँ कहें कि नमूनों से भरी है, प्रत्येक की अपनी अनूठी विशिष्टताएँ और व्यवहार हैं। एक व्यवसाय स्वामी या कर्मचारी के रूप में, उनके साथ व्यवहार करना मनोरंजक और थका देने वाला दोनों हो सकता है। यहाँ, हम आपके सामने आने वाले कुछ सबसे सामान्य प्रकार के ग्राहकों पर एक विनोदी नजर डालेंगे। एक ग्राहक होता है शिकायतकर्ता। इस ग्राहक के पास शिकायत करने के लिए हमेशा कुछ न कुछ होता है, चाहे वह कितना भी मामूली क्यों न हो। चाहे वह कमरे का तापमान हो, प्रतीक्षा समय हो, या पैकेजिंग का रंग हो, उन्हें शिकायत करने के लिए कुछ न कुछ मिल ही जाएगा। शिकायतकर्ता से निपटने के लिए बहुत धैर्य और अच्छे हास्य की आवश्यकता होती है। अक्सर, सबसे अच्छा तरीका सहानुभूतिपूर्वक सिर हिलाना, बहुत माफी मांगना और उन्हें संतुष्ट करने के लिए छूट या मुफ्त उपहार की पेशकश करना है। दूसरे प्रकार का होता है अधीर। यह ग्राहक हमेशा जल्दी में रहता है और किसी भी चीज के लिए इंतजार नहीं कर सकता। वे कतार में प्रतीक्षा करते समय बेसब्री से अपने पैर थपथपाते हैं, और यदि उन्हें कुछ मिनटों से अधिक इंतजार करना पड़ता है तो वे जोर से चिल्लाते हैं। अधीर ग्राहक से निपटने के लिए दक्षता और गति की आवश्यकता होती है। इन ग्राहकों को खुश रखने और उन्हें और अधिक अधीर होने से रोकने के लिए तेजी से और कुशलता से आगे बढ़ना महत्वपूर्ण है। तीसरे प्रकार का ग्राहक बड़ा शक्की मिजाजी होता है। यह ग्राहक कभी भी अपना मन नहीं बना पाता। वे मेनू या अलमारियों को ब्राउज करते हुए, लाखों प्रश्न पूछते हुए, उम्र बिता देते हैं, और फिर भी यह तय नहीं कर पाते हैं कि उन्हें क्या चाहिए। ऐसा लगता है कि वे कुछ बेहतर खोने के डर से खरीदारी करने से डरते हैं। अनिर्णायक ग्राहक से निपटने के लिए बहुत धैर्य और एक सौम्य मार्गदर्शक हाथ की आवश्यकता होती है। सुझाव देना और उनकी पसंद को सीमित करने में मदद करना एक बड़ी मदद हो सकती है। ौथे प्रकार का ग्राहक होता है झ मिलनसार।

एड्स को लेकर जागरूकता बढ़ाने के हों गंभीर प्रयास

लेखक : योगेश कुमार गोयल

> इसे गे रिलेटेड इम्यून डेफिशिएंसी ग्रिड) नाम दिया गया था। इन मरीजों की शारीरिक प्रतिरोधक क्षमता असाधारण रूप से कम होती जा रही थी लेकिन कुछ समय पश्चात जब दक्षिण अफ्रीका की कुछ महिलाओं और बच्चों में भी इस बीमारी के लक्षण देखे जाने लगे, तब जाकर यह धारणा समाप्त हुई कि यह बीमारी समलैंगिकों की ही बीमारी है। तब गहन अध्ययन के बाद पता चला कि यह बीमारी एक सूक्ष्म विषाणु के जरिये होती है, जो रक्त दूसरे व्यक्ति तक पहुंचती है।

एड्स न केवल भारत में बल्कि समस्त विश्व में लोगों के लिए आज भी एक भयावह शब्द है, जिसे सुनते ही भय के मारे पसीना छूटने लगता है। एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिशिएंसी सिन्ड्रोम) का अर्थ है शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता कम होने से अप्राकृतिक रोगों के अनेक लक्षण प्रकट होना। एच.आई.वी. संक्रमण के बाद एक ऐसी स्थिति बन जाती है कि इससे संक्रमित व्यक्ति की मामूली से मामूली बीमारियों का इलाज भी दूभर हो जाता है और रोगी मृत्यु की ओर खिंचा चला जाता है। आज भी यह खतरनाक बीमारी दुनियाभर के करोड़ों लोगों के शरीर में पल रही है। एड्स महामारी के कारण अफ्रीका के तो कई गांव के गांव नष्ट हो चुके हैं। ह्यरॉयटर्सह्ण की एक रिपोर्ट के मुताबिक 1980 के दशक में एड्स महामारी शुरू होने के बाद से 77 मिलियन से भी अधिक लोगों में इसका वायरस फैल चुका है। वर्ष 2017 में विश्वभर में करीब 40 मिलियन लोग एचआईवी संक्रमित थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर 2022 के अंत तक 3.9 करोड़ से भी ज्यादा लोग एचआईवी के साथ जी रहे थे। एड्स को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 1 दिसंबर को एक विशेष थीम के साथ विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है, जो इस वर्ष लैट कम्युनिटी लीड विषय के साथ मनाया जा रहा है। वैसे एड्स का इतिहास काफी दिलचस्प है। दरअसल 1981 में न्यूयार्क तथा कैलिफोर्निया में न्यूमोसिस्टिस न्यूमोनिया, कपोसी साकोर्मा तथा चमड़ी रोग जैसी असाधारण बीमारी का इलाज करा रहे पांच समलैंगिक युवकों में एड्स के लक्षण पहली बार मिले थे। चूंकि जिन मरीजों में एड्स के लक्षण देखे गए थे, वे सभी समलैंगिक थे, इसलिए उस समय इस बीमारी को समलैंगिकों की ही कोई गंभीर बीमारी मानकर इसे गे रिलेटेड इम्यून डेफिशिएंसी ग्रिड) नाम दिया गया था। इन मरीजों की शारीरिक प्रतिरोधक क्षमता असाधारण रूप से कम होती जा रही थी लेकिन कुछ समय पश्चात जब दक्षिण अफ्रीका की कुछ महिलाओं और बच्चों में भी इस बीमारी के लक्षण देखे जाने लगे, तब जाकर यह धारणा समाप्त हुई कि यह बीमारी समलैंगिकों की ही बीमारी है। तब गहन अध्ययन के बाद पता चला कि यह बीमारी एक सूक्ष्म विषाणु के जरिये होती है, जो रक्त एवं यौन संबंधों के जरिये एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचती है। तत्पश्चात इस बीमारी को एड्स नाम दिया गया, जो एचआईवी नामक वायरस द्वारा फैलती है। यह वायरस मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करके मानव रक्त में पाई जाने वाली श्वेत रक्त कणिकाओं को नष्ट करता है और धीरे-धीरे ऐसे व्यक्ति के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता पूरी तरह नष्ट हो जाती है। यही स्थिति एड्स कहलाती है। अगर एड्स के कारणों पर नजर डालें तो मानव शरीर में एचआईवी का वायरस फैलने का मुख्य कारण हालांकि असुरक्षित सेक्स तथा अधिक पार्टनरों के साथ शारीरिक संबंध बनाना ही है लेकिन कई बार कुछ अन्य कारण भी एचआईवी संक्रमण के लिए जिम्मेदार होते हैं। शारीरिक संबंधों द्वारा 70-80 फीसदी, संक्रमित इंजेक्शन या सुईयों द्वारा 5-10 फीसदी, संक्रमित रक्त उत्पादों के आदान-प्रदान की प्रक्रिया के जरिये 3-5 फीसदी तथा गर्भवती मां के जरिये बच्चे को 5-10 फीसदी तक एचआईवी संक्रमण की संभावना रहती है। डब्ल्यूएचओ तथा भारत सरकार के सतत प्रयासों के चलते हालांकि एचआईवी संक्रमण तथा एड्स के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के अभियानों का कुछ असर दिखा है और संक्रमण दर घटी है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2010 से अभी तक एचआईवी संक्रमण की दर में करीब 42 फीसदी की कमी आई है। फिर भी भारत में एड्स के प्रसार के कारणों में आज भी सरकारी व गैर सरकारी स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता एवं जिम्मेदारी का अभाव, अशिक्षा, निर्धनता, अज्ञानता और बेरोजगारी प्रमुख कारण हैं। अधिकांशतः लोग एड्स के लक्षण उभरने पर भी बदनामी के डर से न केवल एच.आई.वी. परीक्षण कराने से कतराते हैं बल्कि एचआईवी संक्रमित किसी व्यक्ति की पहचान होने पर उससे होने वाला व्यवहार तो बहुत चिंतनीय एवं निंदनीय होता है। इस दिशा में लोगों में जागरूकता पैदा करने के संबंध में सरकारी अथवा गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा भले ही कितने भी दावे किए जाएं पर एड्स पीड़ितों के साथ भेदभाव के सामने आने वाले मामले विभिन्न राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों एवं सरकारी तथा गैर सरकारी प्रयासों की पोल खोलते नजर आते हैं। देशभर में ऐसे बहुत से एचआईवी संक्रमित व्यक्ति और उनके परिवार हैं, जिन्हें एचआईवी संक्रमण का खुलासा होने के बाद समाज और अपने ही लोग हिकारत भरी नजरों से देखते थे। वास्तविकता यही है कि लोगों में एड्स के संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए उस स्तर पर प्रयास नहीं हो रहे, जिस स्तर पर होने चाहिएं। और शायद यही कारण है कि 21वीं सदी में जी रहे भारत के बहुत से पिछड़े ग्रामीण अंचलों में खासतौर से महिलाओं ने तो एचआईवी संक्रमण जैसे शब्द के बारे में कभी सुना तक नहीं। एड्स पर नियंत्रण पाने के लिए जरूरत है प्रत्येक गांव, शहर में इस संबंध में गोष्ठियां, नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनियां इत्यादि के आयोजनों की ताकि लोगों को सरल एवं मनोरंजक तरीकों से ही इसके बारे में पूरी जानकारी मिल सके। एड्स जैसे विषयों पर सार्वजनिक चर्चा करने से बचने की प्रवृत्ति तथा एड्स पीड़ितों के प्रति बेरूखी व संवेदनहीनता की प्रवृत्ति अब हमें त्यागनी ही होगी। इसके अलावा प्रचार एवं प्रसार माध्यमों को भी इस दिशा में अहम भूमिका निभानी होगी।

आईसीएसई बोर्ड छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण विकल्प क्यों है

लेखक : विजय गर्ग

> वैचारिक समझ, आलोचनात्मक सोच पर ध्यान दें आईसीएसई पाठ्यक्रम में, छात्रों को उनके द्वारा पढ़े जाने वाले विषयों में गहराई से उतरने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। केवल तथ्यों और आंकड़ों को याद रखने के बजाय, उन्हें अंतर्निहित अवधारणाओं और सिद्धांतों को समझना सिखाया जाता है। आईसीएसई बोर्ड छात्रों को गंभीर रूप से सोचने के लिए उपकरणों से लैस करता है। उन्हें जानकारी का विश्लेषण करने, विभिन्न दृष्टिकोणों का मूल्यांकन करने और सूचित निर्णय लेने के लिए

सही शैक्षिक बोर्ड चुनना माता-पिता और छात्रों के लिए सबसे महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक है। इतने सारे बोर्ड उपलब्ध होने के साथ, प्रत्येक का अपना अनूठा पाठ्यक्रम और मूल्यांकन पद्धति है, यह निर्णय आसान नहीं है। सबसे लोकप्रिय और अच्छी तरह से सम्मानित बोर्डों में से एक भारतीय माध्यमिक शिक्षा प्रमाणपत्र (आईसीएसई) बोर्ड है। यह सीखने के प्रति अपने व्यापक और समग्र दृष्टिकोण के लिए जाना जाता है जो छात्रों को उनकी रुचियों का पता लगाने और महत्वपूर्ण सोच कौशल विकसित करने की अनुमति देता है। यहां कुछ कारण बताए गए हैं कि क्यों आईसीएसई बोर्ड भारत में छात्रों और अभिभावकों के बीच एक लोकप्रिय पसंद है। पाठ्यक्रम को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है आईसीएसई बोर्ड के प्रमुख लाभों में से एक दुनिया भर के विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों द्वारा इसकी मान्यता है। यह पाठ्यक्रम छात्रों को पारंपरिक शैक्षणिक विषयों से परे समग्र शिक्षा प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। दुनिया भर में कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालय आईसीएसई बोर्ड योग्यता स्वीकार करते हैं, जिससे यह विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक छात्रों के लिए एक आदर्श विकल्प बन जाता है। यह अपने व्यापक और सर्वांगीण पाठ्यक्रम के लिए जाना जाता है जो इसे अन्य शैक्षिक बोर्डों से अलग करता है। आईसीएसई बोर्ड द्वारा अपनाए गए कठोर पाठ्यक्रम और मूल्यांकन पद्धतियां यह सुनिश्चित करती हैं कि छात्र विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा की चुनौतियों के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं। वैचारिक समझ, आलोचनात्मक सोच पर ध्यान दें आईसीएसई पाठ्यक्रम में, छात्रों को उनके द्वारा पढ़े जाने वाले विषयों में गहराई से उतरने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। केवल तथ्यों और आंकड़ों को याद रखने के बजाय, उन्हें अंतर्निहित अवधारणाओं और सिद्धांतों को समझना सिखाया जाता है। आईसीएसई बोर्ड छात्रों को गंभीर रूप से सोचने के लिए उपकरणों से लैस करता है। उन्हें जानकारी का विश्लेषण करने, विभिन्न दृष्टिकोणों का मूल्यांकन करने और सूचित निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। आलोचनात्मक सोच पर जोर न केवल छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए बल्कि वास्तविक जीवन की स्थितियों के लिए भी तैयार करता है। उनमें समस्या सुलझाने की क्षमता, रचनात्मकता और अपनी राय व्यक्त करने का आत्मविश्वास विकसित होता है। कक्षाएँ इंटरैक्टिव चचाओं, बहसों और सहयोगात्मक शिक्षा के लिए स्थान बन जाती हैं। यह एक जिज्ञासा-संचालित वातावरण तैयार करता है जहां छात्र प्रश्न पूछ सकते हैं, उत्तर मांग सकते हैं और अपने साथियों और शिक्षकों के साथ सार्थक बातचीत में संलग्न हो सकते हैं। अंग्रेजी भाषा कौशल पर जोर आईसीएसई पाठ्यक्रम एक वैश्विक भाषा के रूप में अंग्रेजी के महत्व को पहचानता है और इसका उद्देश्य छात्रों को उनके संचार में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करना है। छोटी उम्र से ही, आईसीएसई छात्रों को अंग्रेजी साहित्य की समृद्ध और विविध श्रृंखला से अवगत कराया जाता है, जिसमें दुनिया भर के प्रसिद्ध लेखकों के काम भी शामिल हैं। यह प्रदर्शन छात्रों को भाषा के प्रति गहरी सराहना विकसित करने में मदद करता है और पढ़ने और कहानी कहने के प्रति प्रेम को बढ़ावा देता है। आईसीएसई बोर्ड लिखित और मौखिक दोनों तरह से मजबूत भाषा कौशल विकसित करने पर बहुत जोर देते हैं। छात्रों को वाद-विवाद, भाषण प्रतियोगिताओं और समूह चचाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे न केवल भाषा पर उनकी पकड़ में सुधार होता है बल्कि उनके आत्मविश्वास और सार्वजनिक बोलने की क्षमताओं में भी वृद्धि होती है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करें व्यापक और सर्वांगीण पाठ्यक्रम छात्रों को आत्मविश्वासी, जानकार और अनुकूलनीय व्यक्ति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह उन्हें जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल, ज्ञान और मूल्यों से लैस करता है, जिससे आईसीएसई पाठ्यक्रम छात्रों और अभिभावकों के लिए एक महत्वपूर्ण विकल्प बन जाता है। इससे उन्हें सिविल सेवा परीक्षा पास करने में मदद मिलती हैअन्य छात्रों की तुलना में आसानी से। इसी तरह, उत्कृष्ट अंग्रेजी कौशल के लिए धन्यवाद, आईसीएसई छात्र आसानी से आईईएलटीएस और टीओईएफएल जैसी परीक्षाएं पास कर सकते हैं, जिनके लिए शीर्ष अंग्रेजी दक्षता की आवश्यकता होती है। व्यापक पाठ्यक्रम आईसीएसई पाठ्यक्रम विभिन्न प्रकार की जानकारी के बराबर है क्योंकि यह गहराई पर जोर देता है। यह न केवल आवश्यक पाठ्यक्रमों को शामिल करता है, बल्कि उन विषयों पर भी जोर देता है जिन्हें कभी-कभी अन्य पाठ्यक्रमों में नजरअंदाज कर दिया जाता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में डीपफेक एक बड़ी चुनौती

लेखक :डॉ सत्यवान सौरभ

> जिससे उनका पता लगाना और उनका पता लगाना कठिन होता जा रहा है। यह कानून प्रवर्तन और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए एक चुनौती है। कानूनी और नैतिक विचार कमजोर पड़ते दिखाई दे रहें है। डीपफेक के उद्भव ने गोपनीयता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की सीमाओं के संबंध में जटिल कानूनी और नैतिक प्रश्न खड़े कर दिए हैं। डीपफेक ऐसे वीडियो या ऑडियो रिकॉर्डिंग हैं,

डीप फेक का गलत इस्तेमाल हर क्षेत्र में होने लगा है, डीप फेक लोकतंत्र के लिये खतरा है। डीप फेक मतदाता के मन को बदल सकता है। डीपफेक द्वारा उत्पन्न चुनौतियाँ सबसे पहले विश्वास और प्रतिष्ठा का क्षरण करती है। डीपफेक का इस्तेमाल गलत सूचना फैलाने, प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने और सामाजिक अशांति भड़काने के लिए किया जा सकता है। एक बार जब कोई डीपफेक वीडियो वायरल हो जाता है, तो नुकसान को रोकना मुश्किल हो सकता है, क्योंकि लोग वास्तविक और हेरफेर की गई सामग्री के बीच अंतर करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। व्यक्तियों और समाज के लिए खतरा अब सिर पर आकर खड़ा हो गया है। डीपफेक का इस्तेमाल साइबर बुलिंग, ब्लैकमेल और यहां तक कि चुनावों में हस्तक्षेप करने के लिए भी किया जा सकता है। इसके दुरुपयोग से व्यक्तियों और समाज को नुकसान पहुंचने की संभावना बहुत अधिक है। पता लगाने और जिम्मेदार ठहराने में कठिनाई पहले से ज्यादा बढ़ गयी है। डीपफेक का परिष्कार लगातार विकसित हो रहा है, जिससे उनका पता लगाना और उनका पता लगाना कठिन होता जा रहा है। यह कानून प्रवर्तन और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए एक चुनौती है। कानूनी और नैतिक विचार कमजोर पड़ते दिखाई दे रहें है। डीपफेक के उद्भव ने गोपनीयता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की सीमाओं के संबंध में जटिल कानूनी और नैतिक प्रश्न खड़े कर दिए हैं। डीपफेक ऐसे वीडियो या ऑडियो रिकॉर्डिंग हैं, जिन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करके हेरफेर किया जाता है, ताकि यह प्रतीत हो सके कि कोई कुछ ऐसा कह रहा है या कर रहा है जो उन्होंने कभी नहीं किया। यह दूरगामी प्रभावों के साथ एक महत्वपूर्ण तकनीकी खतरे के रूप में उभरा है। कहते हैं इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के इस युग में डेटा ही तेल सामान है, मतलब उसका महत्त्व बहुत ज्यादा है, और बिना डेटा के कोई भी काम होना बहुत कठिन हो गया है। जैसे-जैसे डेटा का उपयोग बढ़ रहा है, उसके शोधन के तरीके भी बढ़ रहे हैं, वहीं ऐसी टेक्नोलॉजी भी आ गयी हैं जो आपके डेटा का इस्तेमाल कर कई प्रकार के हैरतअंगेज कार्य कर सकती है। ऐसी ही टेक्नोलॉजी है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जिसने तकनीकी दुनिया को हमेशा के लिए बदल डाला है। गूगल बार्ड जैसे टूल्स आश्चर्जनक जानकारियों का खजाना बन गए हैं, जो रिसर्च,एजुकेशन, प्रोडक्टिविटी को अलग स्तर पर ले गए हैं, वहीं न्यूरल नेटवर्क, डीप लर्निंग, मशीन लर्निंग ने सेल्स, मार्केटिंग, सोशल मीडिया, और एंटरटेनमेंट जैसे क्षेत्रों को बदल डाला है। डीपफेक द्वारा उत्पन्न चुनौतियाँ सबसे पहले विश्वास और प्रतिष्ठा का क्षरण करती है। डीपफेक का इस्तेमाल गलत सूचना फैलाने, प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने और सामाजिक अशांति भड़काने के लिए किया जा सकता है। एक बार जब कोई डीपफेक वीडियो वायरल हो जाता है, तो नुकसान को रोकना मुश्किल हो सकता है, क्योंकि लोग वास्तविक और हेरफेर की गई सामग्री के बीच अंतर करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। व्यक्तियों और समाज के लिए खतरा अब सिर पर आकर खड़ा हो गया है। डीपफेक का इस्तेमाल साइबर बुलिंग, ब्लैकमेल और यहां तक कि चुनावों में हस्तक्षेप करने के लिए भी किया जा सकता है। इसके दुरुपयोग से व्यक्तियों और समाज को नुकसान पहुंचने की संभावना बहुत अधिक है। पता लगाने और जिम्मेदार ठहराने में कठिनाई पहले से ज्यादा बढ़ गयी है। डीपफेक का परिष्कार लगातार विकसित हो रहा है, जिससे उनका पता लगाना और उनका पता लगाना कठिन होता जा रहा है। यह कानून प्रवर्तन और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए एक चुनौती है

'यूपीआई दुनिया के लिए उदाहरण', रजनीश कुमार बोले- कश्मीर में 80,000 करोड़ के निवेश का अनुमान

एनटीवी, नई दिल्ली

मास्टरकार्ड इंडिया के चेयरमैन रजनीश कुमार ने कहा है कि दुनिया की बड़ी कंपनियों के सीईओ भारत से है। सिलिकॉन वैली में भारतीयों का दबदबा है। उसकी का फायदा हमारे देश को मिला। इससे भारत का आत्मविश्वास बढ़ा है। इसमें तकनीक का बड़ा रोल है। अमर उजाला संवाद कार्यक्रम 2023 के दौरान जम्मू-कश्मीर में उभरते उद्योग तथा वित्तीय परिदृश्य पर मास्टर कार्ड व भारत पे के चेयरमैन व एसबीआई के पूर्व चेयरमैन रजनीश कुमार ने रोशनी डाली। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने संवाद के आयोजन के लिए अमर उजाला का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी के अखबारों के दौर में अमर उजाला ने पहली बार हिंदी में अच्छी शुरूआत की। इस संस्था ने बहुत बड़ा माइलस्टोन अचीव किया है। सिलिकन वैली में भारतीयों का दबदबा- रजनीश कुमार भारत में डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में टेक की भूमिका पर बोलते हुए उन्होंने कहा

कि टेक के क्षेत्र में हमने जो हासिल किया उस पर हमें गर्व करना चाहिए। भारत के यूपीआई को पूरे विश्व उदाहरण के रूप में देखा जा रहा है। ये हमारे लिए उपलब्धि है। दुनिया की बड़ी कंपनियों के सीईओ भारत से है। सिलिकॉन वैली में भारतीयों का दबदबा है। उसकी का फायदा हमारे देश को मिला। इससे भारत का आत्मविश्वास बढ़ा है। देश के आर्थिक विकास में तकनीक का बड़ा रोल है। इससे अर्थव्यवस्था की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलती है। खेती के क्षेत्र में भी एग्रीटेक की दिशा में काम हो रहा है। सभी क्षेत्रों में बेहतर तकनीक पर काम हो रहा है। देश की आर्थिक प्रगति के साथ प्रति व्यक्ति आय बढ़ानी भी जरूरी हमारी अर्थव्यवस्था तीन ट्रिलियन डॉलर से अधिक है पर प्रति व्यक्ति आय के मामले में हम बहुत पीछे हैं। इस मामले में बहुत काम बाकी है। स्वर्णिम शताब्दी का लक्ष्य तब हासिल होगा जब अर्थव्यवस्था भी बढ़ेगी और प्रति व्यक्ति आय भी बढ़ेगी। आज कोई भी सरकार तकनीक को इग्नोर नहीं कर सकती है। बिना तकनीक के पीएमजेडीवाई की सफलता संभव नहीं थी। इसमें आधार ने भी अहम भूमिका निभाई। आम आदमी को बैंकिंग क्षेत्र से जोड़ना एक बड़ी उपलब्धि है। डीबीटी की शुरूआत से देश में एक बड़ा बदलाव आया। यह बैंकिंग सिस्टम में तकनीक के इस्तेमाल से संभव हो पाया। कश्मीर के आर्थिक विकास के लिए लॉ एंड आर्डर का मजबूत होना जरूरी कहीं भी तरक्की के लिए पहली लॉ एंड ऑर्डर और शांति की जरूरत है। अगर शांति नहीं होगी तो कैपिटल जो लगा रहे हैं वह वेस्ट होगा। अब जम्मू-कश्मीर में शांति का माहौल बन रहा है। शांति के माहौल में जम्मू-कश्मीर पूंजी को आकर्षित कर रहा है। 80000 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था भी बढ़ेगी और रोजगार भी बढ़ेगा। अभी जम्मू कश्मीर की प्रति व्यक्ति आय कम है। यहां सालाना 1,30,000 के करीब प्रति व्यक्ति आय है। इसे बढ़ाने के लिए शांति की स्थापना जरूरी है। पूंजीपति को चाहिए कि जहां वह पैसा लगाए वह सुरक्षित रहे। इसलिए किसी जगह पर विकास के लिए शांति की स्थापना जरूरी है। स्टार्टअप्स पर ये बोले मास्टरकार्ड इंडिया के चेयरमैन स्टार्टअप पर बोलते हुए मास्टरकार्ड इंडिया के चेयरमेन ने कहा कि आप जब कुछ शुरू करना चाहते हैं तो आपको सभी पहलुओं पर विचार करना चाहिए। रिस्क पर भी विचार होना चाहिए। हमारे देश में अब स्टार्टअप का इकोसिस्टम बन रहा है। स्टार्टअप के लिए देश में तकनीक उपलब्ध है। यहां अंतरराष्ट्रीय पूंजी उपलब्ध है। भारत का मार्केट बड़ा है। यहां के लोग बहुत सक्षम हैं। भारतीय स्टार्टअप में विदेशी निवेशकों की दिलचस्पी बीते एक दो वर्षों में कम होने के बाद दोबारा बढ़ी है। परंपरागत कारोबार जिन जरूरतों को पूरा नहीं कर पाए हैं उन्हें अपने आइडियाज के जरिए पूरा करना ही स्टार्टअप्स का लक्ष्य है। देश में सबसे अधिक फिनटेक स्टार्टअप शुरू हो रहे हैं। इन स्टार्टअप्स ने सिस्टम के गैप को कम किया है। कौन हैं रजनीश कुमार? कभी देश में प्राइवेट सेक्टर का पांचवा सबसे बड़ा बैंक रहे यस बैंक पर जब भारी संकट आया उस समय उसे उबारकर सही ट्रैक पर लाने की जिम्मेदारी रजनीश कुमार (रजनीश कुमार) को दी गई थी और उन्होंने इस काम को बखूबी अंजाम दिया था। उसके बाद वे दुनिया के सबसे बड़े पेमेंट प्रोसेसिंग नेटवर्क में से एक मास्टरकार्ड (मास्टर कार्ड) से जुड़े। रजनीश कुमार फिलहाल को मास्टरकार्ड इंडिया के चेयरमैन की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

बैंकिंग के क्षेत्र में 40 वर्षों का है अनुभव रजनीश कुमार देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई के चेयरमैन की भी जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। गौरतलब है कि रजनीश कुमार अक्टूबर 2017 से लेकर अक्टूबर 2022 तक भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन के रूप में कार्यरत थे। रजनीश कुमार के पास क्रेडिट, प्रोजेक्ट फाइनेंस, फॉरेन एक्सचेंज और रिटेल बैंकिंग संभालने का 40 सालों का अनुभव है। रजनीश कुमान एसबीआई के लिए न केवल भारत में बल्कि ब्रिटेन और कनाडा जैसे देशों में भी लीडरशिप रोल में रहे हैं।

एसबीआई के योनो प्लेटफॉर्म की शुरूआत उन्हीं के कार्यकाल में हुए थे। घूमने के शौकीन रजनीश कुमार बैडमिंटन के भी अच्छे खिलाड़ी हैं।

अलीपे सिंगापुर होल्डिंग ने 3,337 करोड़ रुपये में जोमैटो में अपनी हिस्सेदारी बेची

एनटीवी, नई दिल्ली

हालिया सौदे के बाद अलीबाबा अपनी सहयोगी एंटफिन सिंगापुर होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से गुरुग्राम स्थित कंपनी जोमैटो में 6.39 प्रतिशत हिस्सेदारी की मालिक है। चीनी ई-कॉमर्स कंपनी अलीबाबा की शाखा अलीपे सिंगापुर होल्डिंग ने बुधवार को खुले बाजार में लेनदेन के जरिये ऑनलाइन मंच जोमैटो में अपनी समूची 3.44 प्रतिशत हिस्सेदारी 3,337 करोड़ रुपये में बेच दी। अलीपे सिंगापुर होल्डिंग प्राइवेट ने बीएसई पर जोमैटो के 29.60 करोड़ से अधिक शेयर 31 किस्तों में बेचे। बीएसई के पास उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, अलीपे सिंगापुर होल्डिंग प्राइवेट ने कुल 29,60,73,993 शेयर बेचे।यह जोमैटो में उसकी 3.44 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर हैं। यह बिक्री औसतन 112.7 रुपये की कीमत पर की गई, जिससे कुल सौदा 3,336.75 करोड़ रुपये का हो गया। जोमैटो के शेयर खरीदने वालों में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, मैक्स लाइफ इंश्योरेंस, आदित्य बिड़ला सन लाइफ म्यूचुअल फंड (एमएफ), बिड़ला एमएफ, मॉर्गन स्टेनली, इंडिया एकॉर्न आईसीएवी और गोल्डमैन साक्स (सिंगापुर) प्राइवेट भी शामिल हैं। हालिया सौदे के बाद अलीबाबा अपनी सहयोगी एंटफिन सिंगापुर होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से गुरुग्राम स्थित कंपनी जोमैटो में 6.39 प्रतिशत हिस्सेदारी की मालिक है।

संक्षिप्त खबरें

अगले 14 दिन तक फ्री में अपडेट होगा आधार कार्ड, उसके बाद देने होंगे पैसे, यहां जानें तरीका

14 दिसंबर तक आप फ्री में अपने आधार कार्ड को अपडेट करा सकते हैं। यदि आप 14 दिसंबर तक अपडेट नहीं कराते हैं तो बाद में आपको अपडेट के लिए पैसे भी देने पड़ सकते हैं। आइए जानते हैं कि घर बैठे आप फ्री में अपने आधार कार्ड को कैसे अपडेट कर सकते हैं
आधार कार्ड को लेकर एक बड़ा अपडेट है। यदि आपका आधार कार्ड (आधार कार्ड) 10 साल पहले बना है या 10 साल पहले अपडेट हुआ है तो आपको अपने आधार कार्ड को अपडेट (आधार कार्ड अद्यतन) करना होगा। सरकार ने कहा है कि जिनका आधार 10 साल पुराना है उन्हें अनिवार्य रूप से आधार को अपडेट कराना होगा। इसकी आखिरी तारीख 14 दिसंबर तय की गई है। 14 दिसंबर तक आप फ्री में अपने आधार कार्ड को अपडेट करा सकते हैं। यदि आप 14 दिसंबर तक अपडेट नहीं कराते हैं तो बाद में आपको अपडेट के लिए पैसे भी देने पड़ सकते हैं। आइए जानते हैं कि घर बैठे आप फ्री में अपने आधार कार्ड को कैसे अपडेट कर सकते हैं...
आधार अपडेट के जरिए जरूरी डॉक्यूमेंट
आधार अपडेट के लिए आपको दो जरूरी डॉक्यूमेंट की जरूरत होगी। पहला पहचान पत्र और दूसरा एड्रेस प्रूफ। आमतौर पर आधार अपडेट के लिए आधार सेंटर पर 50 रुपये का शुल्क लगता है लेकिन यूआईडीएआई के मुताबिक 14 दिसंबर तक यह सेवा फ्री है। पहचान पत्र के तौर पर आप वोटर कार्ड दे सकते हैं।
मोबाइल या लैपटॉप से यूआईडीएआई की वेबसाइट पर जाएं। इसके बाद अपडेट आधार के विकल्प पर क्लिक करें। अब आधार नंबर डालकर ओटीपी के जरिए लॉगिन करें।
इसके बाद डॉक्यूमेंट अपडेट पर क्लिक करें और वेरिफाई करें। अब नीचे ड्रॉप लिस्ट से पहचान पत्र और एड्रेस प्रूफ की स्कैन की हुई कॉपी को अपलोड करें। अब सबमिट पर क्लिक करें। इसके बाद आपको एक रिक्वेस्ट नंबर मिलेगा और फॉर्म सबमिट हो जाएगा। रिक्वेस्ट नंबर से आप अपडेट का स्टेटस भी चेक कर सकेंगे। इसके कुछ दिनों बाद आपका आधार अपडेट हो जाएगा।

टाटा टेक्नोलॉजीज के शेयर निर्गम मूल्य से 140 प्रतिशत के उछाल के साथ सूचीबद्ध

- वहीं एनएसई पर 140 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,200 रुपये पर इन्होंने शुरूआत की और बाद में इनकी कीमत 1400 रुपये हो गई।

एनटीवी, नई दिल्ली

कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को निर्गम के अंतिम दिन गत शुक्रवार को 69.43 गुना अभिदान मिला था। गत बुधवार को टाटा टेक्नोलॉजीज का निर्गम खुलने के चंद मिनटों में ही इसे पूरा अभिदान मिल गया था। टाटा समूह की इंजीनियरिंग कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज के शेयर 500 रुपये के निर्गम मूल्य से 140 प्रतिशत उछाल के साथ बृहस्पतिवार को सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 139.99 प्रतिशत के उछाल के साथ 1,199.95 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। वहीं एनएसई पर 140 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,200 रुपये पर इन्होंने शुरूआत की और बाद में इनकी कीमत 1400 रुपये हो गई। कंपनी का शुरूआती कारोबार में बाजार मूल्यांकन 52,939.74 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को निर्गम के अंतिम दिन गत शुक्रवार को 69.43 गुना अभिदान मिला था। गत बुधवार को टाटा टेक्नोलॉजीज का निर्गम खुलने के चंद मिनटों में ही इसे पूरा अभिदान मिल गया था। इसके लिए 475-500 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया था। यह करीब दो दशकों में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने वाली टाटा समूह की पहली कंपनी थी। इससे पहले टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज 2004 में आईपीओ लाई थी, जो समूह की किसी कंपनी का आखिरी आईपीओ था।

भारतीय रुपये में आई मामूली तेजी, डॉलर के मुकाबले इतने पैसे की हुई बढ़त

एनटीवी, नई दिल्ली

पिछले कारोबारी दिन भारतीय करेंसी मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ था। आज भी रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। वहीं शेयर मार्केट में तेजी के साथ खुला था पर बाद में इसमें उतार-चढ़ाव देखने को मिला। विदेशी निवेशकों द्वारा जारी खरीदारी और शेयर मार्केट में तेजी ने रुपया को निचले स्तर में जाने से रोक दिया है। भारतीय रुपये में आई मामूली तेजी, डॉलर के मुकाबले इतने पैसे की हुई बढ़त भारतीय रुपये में आई मामूली तेजी आज डॉलर के मुकाबले रुपया मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। शेयर बाजारों से बढ़त और निरंतर विदेशी फंड प्रवाह के

चलते रुपये ने लगातार तीसरे दिन अपनी बढ़त बनाए रखी। आज के कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 2 पैसे बढ़कर 83.30 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा तेल उत्पादक देशों ओपेक+ की महत्वपूर्ण बैठक से पहले कच्चे तेल की कीमतें 82 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चल रही हैं, हालांकि भारतीय मुद्रा में तेज बढ़त पर रोक लगी है। इसके अलावा आज दिन में जारी होने वाले घरेलू जीडीपी आंकड़ों का भी निवेशकों को इंतजार रहेगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा में, रुपया डॉलर के मुकाबले 83.31 पर खुला और 83.29 से 83.32 के दायरे में कारोबार किया। बाद में इसने ग्रीनबैक के मुकाबले 83.30 पर कारोबार किया, जो पिछले बंद के मुकाबले 2 पैसे की बढ़त दर्शाता है। मंगलवार को 6 पैसे की बढ़त के बाद बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 2 पैसे बढ़कर 83.32 पर बंद हुआ। इस बीच, डॉलर सूचकांक में डॉलर 0.02 प्रतिशत कम होकर 102.78 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.18 प्रतिशत गिरकर 82.95 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर मार्केट में तेजी आज बीएसई सेंसेक्स 41.15 अंक या 0.06 प्रतिशत बढ़कर 66,943.06 पर कारोबार कर रहा था, जबकि व्यापक एनएसई निफ्टी 17.15 अंक या 0.09 प्रतिशत बढ़कर 20,113.75 पर पहुंच गया। बुधवार को दोनों सूचकांकों में 1 फीसदी से ज्यादा का उछाल आया पर बाद में सेंसेक्स और निफ्टी निचले स्तर पर पहुंच गए। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक बुधवार को 71.91 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

'कुछ भी मुफ्त नहीं दिया जाना चाहिए', 'चुनावी रेवड़ी' पर नारायण मूर्ति ने दिया यह सुझाव

- उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि सरकार की ओर से दी जाने वाली सेवाओं और सब्सिडी का लाभ उठाने वाले लोगों को समाज की भलाई के लिए योगदान देना चाहिए।

एनटीवी, बंगलूरू

सॉफ्टवेयर क्षेत्र के दिग्गज नारायण मूर्ति ने यह भी कहा कि भारत जैसे गरीब देश को समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए उदार पूंजीवाद ही एकमात्र समाधान है। चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों की तरफ से विभिन्न तरह की मुफ्त सुविधाएं देने के वादों के बीच सॉफ्टवेयर कंपनी इन्फोसिस के सह-संस्थापक

एनआर नारायण मूर्ति ने कहा है कि कुछ भी मुफ्त नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि सरकार की ओर से दी जाने वाली सेवाओं और सब्सिडी का लाभ उठाने वाले लोगों को समाज की भलाई के लिए योगदान देना चाहिए। सॉफ्टवेयर क्षेत्र के दिग्गज मूर्ति ने यह भी कहा कि भारत जैसे गरीब देश को समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए उदार पूंजीवाद ही एकमात्र समाधान है। मूर्ति ने उदाहरण देते हुए समझाया, अगर आप कहते हैं कि मैं आपको मुफ्त बिजली दूंगा, तो सरकार के लिए बहुत ही अच्छी बात है।

लेकिन आपको यह भी कहना चाहिए कि अगर प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति 20 फीसदी तक हो जाएगी, तब हम आपको यह सुविधाएं देंगे।

वह यहां बंगलूरू टेक समिट 2023 के 26वें संस्करण को संबोधित कर रहे थे। आईटी उद्योग के दिग्गज ने कहा, मैं मुफ्त सेवाएं मुहैया कराए जाने के खिलाफ नहीं हूं। मैं इसे अच्छी तरह समझता हूं क्योंकि मैं कभी गरीब पृष्टभूमि से आया था।

लेकिन मैं सोचता हूं कि मुफ्त सुविधाओं का लाभ लेने वाले लोगों से बदले में उनकी ही भावी पीढ़ी की भलाई के लिए कुछ योगदान लिया जाना चाहिए।

गांधार तेल रिफाइनरी के शेयर 76 प्रतिशत के उछाल के साथ सूचीबद्ध

- गांधार ऑयल रिफाइनरी (इंडिया) के शेयर 169 रुपय के निर्गम मूल्य से 76 प्रतिशत से अधिक चढ़कर बृहस्पतिवार को बाजार में सूचीबद्ध हुए।

एनटीवी, नई दिल्ली

बाद में यह 103.90 प्रतिशत बढ़कर 344.60 रुपये पर पहुंच गए। एनएसई पर शेयर 76.33 प्रतिशत चढ़कर 298 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। बाद में कंपनी के शेयर 103.57 प्रतिशत बढ़कर 344.05 रुपये पर पहुंच गए। गांधार ऑयल रिफाइनरी (इंडिया) के शेयर 169 रुपय के निर्गम मूल्य से 76 प्रतिशत से अधिक चढ़कर

बृहस्पतिवार को बाजार में सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 74.79 प्रतिशत चढ़कर 295.40 रुपये पर शुरूआत की। बाद में यह 103.90 प्रतिशत बढ़कर 344.60 रुपये पर पहुंच गए। एनएसई पर शेयर 76.33 प्रतिशत चढ़कर 298 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। बाद में कंपनी के शेयर 103.57 प्रतिशत बढ़कर 344.05 रुपये पर पहुंच गए। कंपनी का बाजार मूल्यांकन शुरूआती कारोबार में 3,011.45 करोड़ रुपये रहा। गांधार ऑयल रिफाइनरी (इंडिया) आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को गत शुक्रवार को बोली लगाने के अंतिम दिन 64.07 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 500.69 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 160-169 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था।

रेलवे स्टेशन या ट्रेन में एमआरपी से अधिक कीमत पर बिक रहा है खाने-पीने का सामान

एनटीवी, नई दिल्ली

भारतीय रेल यात्री अक्सर ये शिकायत करते हैं कि रेलवे स्टेशनों पर मौजूद फूड स्टॉल एमआरपी से अधिक कीमत पर सामान बेच रहा है। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि अगर कोई ट्रेन या स्टेशन पर एमआरपी से ज्यादा कीमत पर सामान बेच रहा है तो कहां और कैसे शिकायत करें। शिकायत दर्ज होने पर तुरंत कार्रवाई कि जाती है। शिकायत करने से पहले नाम, प्लेटफॉर्म नंबर, स्टॉल नंबर जैसी कुछ जानकारियां कर लें प्राप्त। देश में हर सामान का एक कीमत फिस्क होती है। अगर कोई व्यक्ति मैक्सिमम रिटेल प्राइस (एमआरपी) से अधिक कीमत पर कोई सामान बेचता है तो यह कानूनी अपराध है। रेलवे स्टेशन पर यात्री गाड़ी पकड़ने के लिए जल्दबाजी में रहते हैं जिसका फायदा उठा कर वहां समान बेचने वाले कभी-कभी ज्यादा पैसा ले लेते हैं। रेलवे स्टेशन या ट्रेन में अकसर यात्री ये शिकायत करते हैं कि प्लेटफॉर्म पर मौजूद फूड स्टॉल या खाने-पीने की दूकान

पर एमआरपी से अधिक कीमत पर सामान बेचा जा रहा है। ऐसे में आज हम आपको बतातें हैं कि अगर ट्रेन या स्टेशन पर कोई एमआरपी से अधिक सामान बेचता है तो आप कहां और कैसे शिकायत कर सकते हैं।

शिकायत करने के बाद तुरंत कार्रवाई की जाती है। कहां और कैसे करें शिकायत? भारतीय रेलवे ने यात्रियों को उनसे जुड़ी हर समस्या के समाधान के लिए एक हेल्पलाइन नंबर 139 जारी किया है। इसके अलावा यात्री ह्वरेल मददह्व नामक ऐप को भी अपने फोन में डाउनलोड कर शिकायत कर सकते हैं। हम अकसर सोचते हैं कि शिकायत करके क्या फायदा क्योंकि सरकारी काम में शिकायत का असर देर से होता है। हालांकि रेल मदद या 139 हेल्पलाइन नंबर में ऐसा नहीं है। यहां शिकायत करने पर तत्वरित कार्रवाई की जाती है और आपको समाधान मिलता है। आप इस ऐप या हेल्पलाइन नंबर को कॉल कर अपनी शिकायत दर्ज करवाएं और कुछ ही मीनटों में आपके शिकायत के अनुरुप कार्यवाई की जाएगी। इन बातों का रखें ध्यान जब भी आप शिकायत करने वालें हो तो आपको कुछ जरूरी डिटेल पता होनी चाहिए। जैसे जिस दूकानदार के खिलाफ आप शिकायत दर्ज करवाने वाले है उसके फूड स्टॉल का नाम, उस दूकानदार का नाम (यदि यूनिफॉर्म पर लिखा हो तो), स्टेशन का नाम, प्लेटफॉर्म नंबर, फूड स्टॉल नंबर (यदि लिखा हो) नोट कर लें। पूरी और उचित जानकारी देने से उचित कार्रवाई की जाती है।

सेबी ने लगाया 9 संस्थानों व लोगों पर दो साल का प्रतिबंध

एनटीवी, नई दिल्ली

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने जीवन उत्सव नाम से गारंटीड रिटर्न प्लान लॉन्च किया है। कंपनी के चेयरमैन सिद्धार्थ मोहंती ने बताया कि पॉलिसी के परिपक्व होने के बाद पॉलिसीधारक सम एश्योर्ड के 10% के लाभ की उम्मीद कर सकते हैं। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने शेयर बाजार में कारोबार करने पर 9 लोगों और संस्थानों पर दो साल का प्रतिबंध लगा दिया है। इन लोगों को निवेशकों से जुटाए गए 8 करोड़ रुपये तीन महीने में वापस करने को कहा है। इसके साथ ही 45 दिनों में 18 लाख रुपये जुमार्ना भी भरने का आदेश दिया है। बुधवार को जारी आदेश में सेबी ने यह जानकारी दी। जिन लोगों पर प्रतिबंध लगाया गया है उनमें योगेश कुकडिया, राजेश, नितिन राज, सिग्नल2नाइज, कैपिटल पार्टनर्स, इन्वेस्टो इन्वेस्टमेंट, एसएस इन्फो सेल्स, सीटी वेब और अन्य हैं। कोयला आधारित ऊर्जा उत्पादन 8.8% बढ़ा अप्रैल से अक्तूबर के बीच कोयला आधारित ऊर्जा उत्पादन 8.8% बढ़कर 686.7 अरब यूनिट्स (बीयू) पर पहुंच गया है। एक साल पहले यह 630.7 बीयू था। कोयला मंत्रालय ने कहा कि यह बढ़त तापमान में अभूतपूर्व वृद्धि, देश के उत्तरी क्षेत्र में मानसून में

देरी और कोविड के बाद पूर्ण वाणिज्यिक गतिविधियों की बहाली के कारण हुई है। अमेरिका व चीन को पीछे छोड़ 2052 तक हमारी अर्थव्यवस्था होगी नंबर वन वैश्विक ब्रोकरेज हाउस सीएलएसए ने कहा है कि 2052 तक अमेरिका और चीन जैसी अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़कर भारत सबसे बड़ी इकनॉमी बनेगा। उस समय हमारी अर्थव्यवस्था 45 लाख करोड़ डॉलर की होगी। 2027 तक जापान को पीछे छोड़ कर तीसरे स्थान पर भारत होगा। 2047 तक हमारी इकनॉमी का आकार 29 लाख करोड़ डॉलर होगा। जब जीडीपी दोगुना होगी तो बाजार पूंजीकरण भी उसका दोगुना हो जाएगा।

2030 तक इस तरह होगी प्रमुख देशों की अर्थव्यवस्था

अमेरिका - 35.4 लाख करोड़ डॉलर
चीन - 26.5 लाख करोड़ डॉलर
भारत - 6.8 लाख करोड़ डॉलर
जापान - 6.5 लाख करोड़ डॉलर
जर्मनी - 5.7 लाख करोड़ डॉलर
(सोर्स-सीएलएसए)

सेवाओं के निर्यात और सरकारी निवेश से भारतीय अर्थव्यवस्था को मिलेगी रफ्तार बढ़ते सेवाओं के निर्यात और सार्वजनिक निवेश से भारत की अर्थव्यवस्था को रफ्तार मिलती रहेगी। खरीदी शक्ति में सुधार के साथ महंगाई दर में लगातार गिरावट आती रहेगी। हालांकि, चालू वित्त वर्ष में देश की जीडीपी में गिरावट देखने को मिल सकती है। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2023 में भारत की जीडीपी में 7.2% की वृद्धि दर के बाद वित्त वर्ष 2024 में गिरावट का अनुमान है। विकास दर की रफ्तार में कमी की वजह मौसम संबंधी विपरीत घटनाएं और कमजोर अंतरराष्ट्रीय कारण होंगे। नीतिगत सुधारों से उत्पादकता में वृद्धि और वैश्विक स्थितियों में सुधार होगा। इससे वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5% की अनुमानित विकास दर के साथ आर्थिक गतिविधियों को मजबूत करने में मदद मिलेगी। धीमी वृद्धि दर, महंगाई दर के अनुमान, आवास की कीमतें और मजदूरी धीरे-धीरे कम हो जाएंगी। इससे महंगाई को 4.2 प्रतिशत तक लाने में मदद मिलेगी, जिससे आरबीआई दरों में कटौती भी कर सकता है। बढ़ती महंगाई दर से लड़ने के लिए गेहूं और चावल पर लगाए गए निर्यात प्रतिबंध वापस ले लिए जाएंगे। इससे निर्यात वृद्धि को ठीक होने में मदद मिलेगी। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर बिना नियम के एसिड की बिक्री नहीं उपभोक्ता संरक्षण नियामक सीसीपीए ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को एसिड की बिक्री को रोकने के लिए तुरंत उचित तंत्र बनाने का निर्देश दिया है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ग्राहकों को भी नियमों का पालन किए बिना ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों पर एसिड की खरीद के प्रति चेताया है। एक नोटिस में कहा गया कि एसिड विक्रेताओं को अपने साथ जोड़ने से पहले ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को अनिवार्य मानदंडों के अनुपालन पर उनसे एक अलग से लिखित में बयान लेना होगा। यह देखा गया है कि बिना सरकारी पहचान पत्र के एसिड दिया जा रहा है। साथ ही ऑर्डर देने से पहले ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म एसिड खरीदने के उद्देश्य का भी पता नहीं करते हैं। सार्वजनिक भंडारण के समाधान तक कृषि मुद्दे पर चर्चा नहीं भारत भारत ने कृषि व्यापार में गहरी रुचि रखने वाले विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) सदस्य देशों के समूह से कहा कि वह अनाज के सार्वजनिक भंडारण के संबंध में स्थायी समाधान मिलने तक कृषि क्षेत्र में पहले से निर्यात प्रतिबंध लगाने जैसे किसी भी नए मुद्दे पर चर्चा नहीं करेगा। भारत ने 28 नवंबर को डब्ल्यूटीओ के 28 सदस्यीय देशों की वर्चुअल तरीके से हुई लघु-मंत्रीस्तरीय बैठक के दौरान अपना रुख स्पष्ट किया। बैठक में इस मुद्दे पर भारत के दृष्टिकोण को आगे रखते हुए वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि अनाज की सार्वजनिक खरीद और भंडारण सीमांत किसानों के लिए खाद्य सुरक्षा और आय सहायता के दोहरे उद्देश्यों को पूरा करता है। कृषि निर्यातक देशों के 19 सदस्यीय केर्न्स समूह कृषि व्यापार उदारीकरण का पैरवी करता है। इस समूह का गठन 1986 में ऑस्ट्रेलिया के केर्न्स शहर में हुआ था, जिसपर इसका नाम पड़ा है। इसमें ऑस्ट्रेलिया के साथ ही अर्जेंटीना, ब्राजील, कनाडा, चिली, कोलंबिया, इंडोनेशिया, मलयेशिया, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड इत्यादि शामिल हैं। समूह के सदस्य चाहते हैं कि डब्ल्यूटीओ व्यापक कृषि व्यापार सुधारों पर चर्चा करे जिसमें निर्यात प्रतिबंध नहीं लगाना शामिल हो।

ओपिनियन पोल से कैसे अलग होते हैं एग्जिट पोल? जानिए इससे जुड़ी जरूरी बातें

- मतदान वाले दिन जब मतदाता वोट देकर पोलिंग बूथ से बाहर निकलता है तो वहां अलग-अलग सर्वे एजेंसी और न्यूज चैनल के लोग मौजूद होते हैं। वह मतदाता से वोटिंग को लेकर सवाल पूछते हैं।

एनटीवी, नई दिल्ली

ओपिनियन पोल चुनाव से पहले कराए जाते हैं। ओपिनियन पोल में सभी लोगों को शामिल किया जाता है। भले ही वो वोटर हों या नहीं हों। वहीं, एग्जिट पोल मतदान के तुरंत बाद किया जाता है। इसमें केवल वोटर्स को ही शामिल किया जाता है। सात नवंबर से लेकर 25 नवंबर तक मिजोरम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में विधानसभा चुनाव हुए। वहीं, तेलंगाना में आज वोटिंग हो रही है। सभी राज्यों के नतीजे तीन दिसंबर को घोषित किए जाएंगे, लेकिन आज शाम को अलग-अलग मीडिया चैनलों और सर्वे एजेंसियों की तरफ से एग्जिट पोल जारी किए जाएंगे। किस राज्य में किस पार्टी की सरकार बन रही है? किस पार्टी को कितनी सीटें मिलेंगी? इसका अनुमान इस पोल के जरिए लगेगा। अब आप सोच रहे होंगे कि ये एग्जिट पोल है क्या? कैसे मतगणना से पहले ही ये सरकार बनने और बिगड़ने का दावा कर देते हैं? इसका इतिहास क्या है? एग्जिट पोल और ओपिनियन पोल में क्या अंतर होता है? इन सभी सवालों का हम आपको जवाब बताएंगे। पहले जान लीजिए ये एग्जिट पोल है क्या? दरअसल एग्जिट पोल एक तरह का चुनावी सर्वे होता है। मतदान वाले दिन जब मतदाता वोट देकर पोलिंग बूथ से बाहर निकलता है तो वहां अलग-अलग सर्वे एजेंसी और न्यूज चैनल के लोग मौजूद होते हैं। वह मतदाता से वोटिंग को लेकर सवाल पूछते हैं। इसमें उनसे पूछा जाता है कि उन्होंने किसको वोट दिया है? इस तरह से हर विधानसभा के अलग-अलग पोलिंग बूथ से वोटर्स से सवाल पूछा जाता है। मतदान खत्म होने तक ऐसे सवाल बड़ी संख्या में आंकड़े एकत्र हो जाते हैं। इन आंकड़ों को जुटाकर और उनके उत्तर के हिसाब से अंदाजा लगाया जाता है कि पब्लिक का मूड किस ओर है? मैथमेटिकल मॉडल के आधार पर ये निकाला जाता है कि कौन सी पार्टी को कितनी सीटें मिल सकती हैं? इसका प्रसारण मतदान खत्म होने के बाद ही किया जाता है। कितने लोगों से सवाल पूछा जाता है? वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद श्रीवास्तव बताते हैं कि एग्जिट पोल कराने के लिए सर्वे एजेंसी या न्यूज चैनल का रिपोर्टर अचानक से किसी बूथ पर जाकर वहां लोगों से बात करता है। इसमें पहले से तय नहीं होता है कि वह किससे सवाल करेगा? आमतौर पर मजबूत एग्जिट पोल के लिए 30-35 हजार से लेकर एक लाख वोटर्स तक से बातचीत होती है। इसमें क्षेत्रवार हर वर्ग के लोगों को शामिल किया जाता है। ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल में क्या होता है अंतर? ओपिनियन पोलः ओपिनियन पोल चुनाव से पहले कराए जाते हैं। ओपिनियन पोल में सभी लोगों को शामिल किया जाता है। भले ही वो वोटर हों या नहीं हों। ओपिनियन पोल के रिजल्ट के लिए चुनावी दृष्टि से क्षेत्र के प्रमुख मुद्दों पर जनता की नब्ज को टटोलने का प्रयास किया जाता है। इसके तहत क्षेत्रवार यह जानने की कोशिश की जाती है कि जनता किस बात से नाराज और किस बात से संतुष्ट है। एग्जिट पोल एग्जिट पोल मतदान के तुरंत बाद किया जाता है। एग्जिट पोल में केवल वोटर्स को ही शामिल किया जाता है। मतलब इसमें वही लोग शामिल होते हैं, जो वोट डालकर बाहर निकलते हैं। एग्जिट पोल निर्णायक दौर में होता है। मतलब इससे पता चलता है कि लोगों ने किस पार्टी पर भरोसा जताया है। एग्जिट पोल का प्रसारण मतदान के पूरी तरह से खत्म होने के बाद ही किया जाता है।

आईएसएस में भेजने से पहले यात्री को प्रशिक्षित करेगा नासा

एनटीवी, बंगलूरू

भारतीय को अंतरिक्ष में भेजने की योजना को नेल्सन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच समझौते के तहत बना प्रस्ताव बताया। कहा, मिशन साकार होने में एक साल लगेगा। नासा प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) भेजने की पेशकश के साथ नासा प्रशासक बिल नेल्सन ने बुधवार को कहा कि नासा इसके लिए प्रशिक्षण भी देगी। यूआर राव उपग्रह केंद्र (यूआरएससी) में नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) उपग्रह से जुड़े परीक्षण में आए नेल्सन ने यह जानकारी दी। वह बृहस्पतिवार को भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री विंग कमांडर (रि.) राकेश शर्मा से भी भेंट करेंगे। नेल्सन एक हफ्ते के भारत दौरे पर मंगलवार को ही पहुंचे थे। उन्होंने विश्वेश्वरैया औद्योगिक व तकनीकी संग्रहालय में विद्यार्थियों से बातचीत की। कहा, नासा और इसरो के साथ किए जा रहे काम पूरी दुनिया में आर्टिमिस पीढ़ी (नई पीढ़ी) के नागरिकों के लिए कई संभावनाएं पैदा करेंगे। निसार इसका उदाहरण है। यह उपग्रह हर 12 दिन में पृथ्वी को स्कैन कर सकेगा, यहां आ रहे भौगोलिक परिवर्तनों से पूरी दुनिया को वाकिफ रखेगा। उन्होंने बताया कि निसार में दो अलग रडार लगे हैं, एक को अमेरिका और एक को भारत ने बनाया है। मोदी-बाइडन में समझौते के तहत मिशन भारतीय को अंतरिक्ष में भेजने की योजना को नेल्सन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच समझौते के तहत बना प्रस्ताव बताया। कहा, मिशन साकार होने में एक साल लगेगा। नासा प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह मिशन कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित होगा। इसके लिए फाल्कन 9 रॉकेट और ड्रैगन अंतरिक्ष यान उपयोग होंगे। इस बारे में और विस्तृत जानकारी के लिए इसरो से बात की जा सकती है। दुनिया को एक करता है अंतरिक्ष नेल्सन ने दुनिया को एकजुट करने के लिए अंतरिक्ष को प्रमुख जरिया बताया। कहा, अंतरिक्ष से पृथ्वी पर कोई नस्ल, धर्म, विभाजन नजर नहीं आते, केवल रंग-बिरंगी धरती दिखती है। कहा, साथ काम करने से ज्यादा अच्छे परिणाम मिलते हैं। शीत युद्ध के बावजूद रूस और अमेरिका ने अंतरिक्ष में मिलकर काम किया। 2024 में हम भी जाएंगे चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव भारत के चंद्रयान-3 की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग को एक बार फिर सराहते हुए नेल्सन ने बताया कि अमेरिका भी 2024 में ऐसे ही मिशन की योजना बना रहा है। इस मिशन व्यावसायिक लैंडर चंद्रमा पर उतारे जाएंगे। भारत ने ऐसा सबसे पहले किया, उसे इसका श्रेय मिलना चाहिए। गगनयान मिशन को बेहतर बना सकेंगे भारतीय अंतरिक्ष यात्री को अमेरिकी मिशन के जरिये आईएसएस पर भेजने के नासा के प्रस्ताव पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि हम चाहेंगे कि मिशन को कुछ इस प्रकार से अंजाम दें कि इससे हमें लाभ मिले। साथ ही चाहेंगे कि हमारे अंतरिक्ष यात्रियों, चिकित्सा-दल, कंट्रोल दल आदि को भी अमेरिकी केंद्रों पर प्रशिक्षण मिले। आईएसएस के लिए अंतरिक्ष उड़ान का अनुभव मिले। यह सब हमारे गगनयान कार्यक्रम को बेहतर बनाने में मदद करेगा।

संक्षिप्त खबरें

खदानों के अवशेष से खतरे में पर्यावरण, पारिस्थितिकी तंत्र को भी है नुकसान

क्वींसलैंड विश्वविद्यालय के सस्टेनेबल मिनरल्स इंस्टीट्यूट और स्कूल ऑफ द एनवायरमेंट से जुड़ीं शोधकर्ता बोरा अस्का के नेतृत्व में इस पर किए अध्ययन से पता चला है कि दुनिया की एक तिहाई खनन अवशेष और कचरा भंडारण सुविधाएं संरक्षित क्षेत्रों के भीतर या उसके करीब स्थित हैं। खनिजों की खनन प्रक्रिया के बाद जो अवशेष बचा रहता है वह पर्यावरण के लिए बड़ा खतरा पैदा कर रहा है। एक अध्ययन के अनुसार, इन अवशेषों के उचित भंडारण में विफल रहने के कारण कई बड़ी पर्यावरणीय आपदाएं हुई हैं, जिन्होंने इन्सानी जीवन के साथ-साथ पारिस्थितिकी तंत्र पर भी गहरा प्रभाव डाला है। क्वींसलैंड विश्वविद्यालय के सस्टेनेबल मिनरल्स इंस्टीट्यूट और स्कूल ऑफ द एनवायरमेंट से जुड़ीं शोधकर्ता बोरा अस्का के नेतृत्व में इस पर किए अध्ययन से पता चला है कि दुनिया की एक तिहाई खनन अवशेष और कचरा भंडारण सुविधाएं संरक्षित क्षेत्रों के भीतर या उसके करीब स्थित हैं। यह पर्यावरण और जैवविविधता के लिहाज से बड़ा खतरा हैं। खदान बंद होने के वर्षों बाद तक नुकसान खनन एक स्वाभाविक रूप से आक्रामक प्रक्रिया है जो खनन स्थल से कहीं अधिक बड़े क्षेत्र के परिदृश्य को नुकसान पहुंचा सकती है। इस क्षति का प्रभाव खदान बंद होने के वर्षों बाद भी जारी रह सकता है, जिसमें ग्रीनहाउस गैसों का बढ़ना, वनस्पतियों तथा जीवों का अवसान और भूमि व आवास का क्षरण शामिल है। इसके बावजूद खनन संबंधी यह अवशेष और कचरा वैश्विक स्तर पर जैवविविधता को किस हद तक प्रभावित कर रहा है इस बारे में बेहद कम जानकारी उपलब्ध है। मिट्टी के कण, पौधे कर लेते हैं अवशोषित अध्ययन के अनुसार, खदान के अवशेषों के डंप में मौजूद धातुएं और मेटलॉइड्स विभिन्न पारिस्थितिक रिसेप्टर्स (जीव और वनस्पति), जल संसाधनों और वायुमंडल में फैल जाते हैं। इन धातुओं और उपधातुओं को मिट्टी के कण व पौधे अवशोषित कर लेते हैं।

'कांग्रेस के नेतृत्व के लिए खरगे सबसे उपयुक्त', सम्मान समारोह में बोलीं सोनिया गांधी

एनटीवी, नई दिल्ली

सोनिया ने खरगे को निस्वार्थ राजनेता करार दिया और कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में वही देश की सबसे पुरानी पार्टी का नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त हैं। खरगे ने इस दौरान अपने पांच दशक के राजनीतिक जीवन की चर्चा करते हुए अपने संघर्षों को साझा किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की चुनावी राजनीति में 50 साल पूरे होने पर आयोजित सम्मान समारोह में विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं ने भाजपा पर निशाना साधा। पॉलिटिकल एंगेजमेंट विद कम्पैशन, जस्टिस एंड इनक्लूसिव डेवलपमेंट का लोकार्पण करते हुए कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भाजपा व मोदी सरकार पर देश में लोकतांत्रिक मूल्यों को खत्म करने का आरोप लगाया। कार्यक्रम में विपक्षी इंडिया गठबंधन से जुड़े 28 दलों के प्रतिनिधियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। समारोह में सोनिया ने कहा कि इस समय सत्ता में बैठे लोग उन सभी संस्थाओं, प्रणालियों और सिद्धांतों को नष्ट कर रहे हैं, जिनकी बदौलत आजादी के बाद भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में एतिहासिक सफर तय किया है। सोनिया ने खरगे को निस्वार्थ राजनेता करार दिया और कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में वही देश की सबसे पुरानी पार्टी का नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त हैं। खरगे ने इस दौरान अपने पांच दशक के राजनीतिक जीवन की चर्चा करते हुए अपने संघर्षों को साझा किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय देश और लोकतंत्र के लिए बेहद कठिन है। जिस संविधान की बदौलत वह नौ बार विधायक और तीन बार सांसद बने, सत्ता में बैठे लोग उसी संविधान में बदलाव करने के लिए मौका ढूंढ रहे हैं। दूसरी ओर कांग्रेस उसी संविधान को बचाने में लगी है। जुड़ेगा भारत जीतेगा इंडिया का नारा दिया कार्यक्रम में माकपा के महासचिव सीताराम येचुरी ने मंच से 'जुड़ेगा भारत जीतेगा इंडिया' का नारा लगाया। उन्होंने कहा कि खरगे ने अपने राजनीतिक सफर में कठिन संघर्ष किया है। उनका जीवन भले ही बेहद चुनौतीपूर्ण रहा है, मगर उनमें किसी के प्रति कोई दुर्भावना नहीं है। राजद सांसद मनोज झा ने न्याय, समानता और स्वतंत्रता के विचार के प्रति खरगे को प्रतिबद्ध बताया। डीएमके सांसद टीआर बालू ने भी खरगे की तारीफ की।

वोटिंग से पहले कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने की गाय की पूजा, बोले- हमारे 85 विधायक, सभी सीएम बनने में सक्षम

- इस पर कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने कहा कि क्रिकेट टीम चुनने की तरह ही सीएम चुनने की भी एक प्रक्रिया होती है। 85 विधायक हैं, हर कोई सीएम पद के लिए सक्षम है।

एनटीवी, हैदराबाद

रेवंत रेड्डी ने कहा कि पहली बार जो लोग वोट डाल रहे हैं उनसे उम्मीद है कि वह तेलंगाना के भविष्य को आगे ले जाएंगे। कांग्रेस लोगों की उम्मीदों को पूरा करने के लिए सभी कोशिश करेगी। तेलंगाना में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान शुरू हो गया है। कुल 119 सीटों के लिए 2,290 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। राज्य के 3.26 करोड़ मतदाता इनकी किस्मत का फैसला करेंगे। सभी राजनीतिक दलों के नेता वोट डालने में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। वहीं, वोट डालने से पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी और उनकी पत्नी गीता ने कोडंगल के विकाराबाद में अपने आवास पर गौ पूजन किया। इसके बाद पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में अच्छे दिन आने वाले हैं।

'दुराला सरकार' जाएगी और 'प्रजला सरकार' आएगी। क्रिकेट टीम चुनने की तरह ही सीएम चुनने वहीं उनसे सवाल किया गया कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो क्या वह मुख्यमंत्री होंगे, इस पर कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने कहा कि क्रिकेट टीम चुनने की तरह ही सीएम चुनने की भी एक प्रक्रिया होती है। 85 विधायक हैं, हर कोई सीएम पद के लिए सक्षम है। भारत जोड़ो यात्रा के बाद कई बदलाव रेवंत रेड्डी ने कहा कि वह अब अपना वोट डालने जा रहे हैं। 10 साल तक केसीआर सरकार के तहत राज्य के किसानों को नुकसान उठाना पड़ा।

उन्होंने कहा कि पहली बार जो लोग वोट डाल रहे हैं उनसे उम्मीद है कि वह तेलंगाना के भविष्य को आगे ले जाएंगे। कांग्रेस लोगों की उम्मीदों को पूरा करने के लिए सभी कोशिश करेगी।

उन्होंने आगे कहा कि पार्टी दो तिहाई बहुमत से सरकार बनाएगी। भारत जोड़ो यात्रा के बाद तेलंगाना ने बहुत सारे बदलावों का अनुभव किया।

- हमने भारत जोड़ो यात्रा के बाद मुद्दों पर रणनीति बनाई। तीन दिसंबर को परिणाम सामने आएंगे और नौ दिसंबर को शपथ ग्रहण समारोह है।

बीआरएस-भाजपा-एआईएमआईएम मिलकर कांग्रेस को हराने की कोशिश कर रहे हैं। लोगों ने पहले ही कर लिया है फैसला प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'मुझे कुछ कहने की जरूरत नहीं है। आप जानते हैं कि कांग्रेस पार्टी कैसा प्रदर्शन कर रही है।

हमने भारत जोड़ो यात्रा के बाद मुद्दों पर रणनीति बनाई। तीन दिसंबर को परिणाम सामने आएंगे और नौ दिसंबर को शपथ ग्रहण समारोह है। लोगों ने पहले ही यहां कांग्रेस की सरकार बनाने का फैसला कर लिया है।

तेलंगाना में 'अच्छे दिन' आने वाले हैं, 'दुराला सरकार' जाएगी और 'प्रजला सरकार' आएगी।

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हुआ चक्रवाती तूफान 'मिचांग', चेन्नई में लगातार हो रही तेज बारिश

एनटीवी, नई दिल्ली

बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती के कारण तमिलनाडु के चेन्नई में लगातार तेज बारिश हो रही है। बारिश के चलते कई इलाकों में पानी भर गया है। मौसम के बदलते मिजाज को देखते हुए स्कूल लगातार बंद हैं। देश में एक और चक्रवात आने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अलर्ट जारी किया है। दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी और निकटवर्ती दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र अब एक्टिव हो गया है और अब यह कम दबाव के क्षेत्र में बदल गया है। इसके बाद 30 नवंबर तक धीरे-धीरे पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक कम दबाव के क्षेत्र में तब्दील होने के संकेत मिल रहे हैं। बताया जा रहा है कि एक दिसंबर तक दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान 'मिचांग' में तब्दील होने की संभावना है। इस मिचांग तूफान के कारण कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। चेन्नई में बारिश जारी बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती के कारण तमिलनाडु के चेन्नई में लगातार तेज बारिश हो रही है। बारिश के चलते कई इलाकों में पानी भर गया है। मौसम के बदलते मिजाज को देखते हुए स्कूल लगातार बंद हैं। अगले 24 घंटे महत्वपूर्ण मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 30 नवंबर तक तूफान पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और धीरे-धीरे दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर दबाव के क्षेत्र में मजबूत होगा। अगले 24 घंटों के भीतर, इसके और भी तेज होने और दक्षिण-पश्चिम और निकटवर्ती दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान 'मिचांग' में तब्दील होने की संभावना है। मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट आईएमडी के अनुसार, 29 नवंबर को दक्षिण अंडमान सागर और आसपास के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 25-35 किमी प्रति घंटे से लेकर 45 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक तेज हवाएं चलने की उम्मीद है। बंगाल की दक्षिण-पूर्वी खाड़ी में 30 नवंबर को 40-50 किमी प्रति घंटे से लेकर 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवा चलने का अनुमान है। एक दिसंबर को यह बढ़कर 50-60 किमी प्रति घंटे से लेकर 70 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने की उम्मीद है।

पीएम मोदी आज करेंगे महिला किसान ड्रोन केंद्र का उद्घाटन, लाभार्थियों से करेंगे बात

एनटीवी, नई दिल्ली

अब महिला स्वयं सहायता समूहों की उन्नत खेती में ड्रोन मददगार बनेंगे। महिला स्वयं सहायता समूह इन ड्रोनों का इस्तेमाल देशभर में कृषि कार्यों के लिए कर पाएंगे और इससे इन समूहों से जुड़ी महिलाओं के लिए आजीविका का नया रास्ता बनेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सुबह 11 बजे विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से बातचीत करेंगे। साथ ही देश के पहले महिला किसान ड्रोन केंद्र का उद्घाटन भी करेंगे। यही केंद्र महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को ड्रोन प्रदान करेगा। अब महिला स्वयं सहायता समूहों की उन्नत खेती में ड्रोन मददगार बनेंगे। महिला स्वयं सहायता समूह इन ड्रोनों का इस्तेमाल देशभर में कृषि कार्यों के लिए कर पाएंगे और इससे इन समूहों से जुड़ी महिलाओं के लिए आजीविका का नया रास्ता बनेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सुबह 11 बजे विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से बातचीत करेंगे। साथ ही देश के पहले महिला किसान ड्रोन केंद्र का उद्घाटन भी करेंगे। यही केंद्र महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को ड्रोन प्रदान करेगा। अब महिला स्वयं सहायता समूहों की उन्नत खेती में ड्रोन मददगार बनेंगे। महिला स्वयं सहायता समूह इन ड्रोनों का इस्तेमाल देशभर में कृषि कार्यों के लिए कर पाएंगे और इससे इन समूहों से जुड़ी महिलाओं के लिए आजीविका का नया रास्ता बनेगा। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक केंद्र सरकार की तरफ से महिला स्वयं सहायता समूहों को अगले तीन वर्षों के दौरान 15,000 ड्रोन उपलब्ध कराए जाएंगे। विकसित भारत संकल्प यात्रा पूरे देश में सरकार की प्रमुख योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए शुरू की जा रही है। यात्रा से यह तय किया जाएगा कि योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक पीएम मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये लाभार्थियों से बात करेंगे। महिलाओं को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा महिला किसान ड्रोन केंद्र महिलाओं को ड्रोन उड़ाने और उपयोग करने के लिए जरूरी प्रशिक्षण भी देगा। यह पहल कृषि में प्रौद्योगिकी के उपयोग को प्रोत्साहित करेगी। पीएमओं ने बताया कि बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री मोदी छत्तीसगढ़ के देवघर में देश के 10,000वें जन औषधि केंद्र का उद्घाटन करेंगे। स्वास्थ्य देखभाल को किफायती बनाने के लिए शुरू किए गए जन औषधि केंद्र देशभर में किफायती दवाएं उपलब्ध कराने का सबसे अहम जरिया बन गए हैं।

पीएमएलए की अनुसूची में शामिल होने पर ही 120-बी के तहत आपराधिक साजिश का मामला बनेगा

एनटीवी, नई दिल्ली

कोर्ट ने कहा, धारा 120-बी के तहत दंडनीय अपराध केवल तभी एक अनुसूचित अपराध बनेगा, जब कथित साजिश, पीएमएलए अनुसूची में विशेष रूप से शामिल अपराध करने की हो। उस आधार पर, हम ईडी की कार्यवाही को रद्द करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी के तहत दंडनीय आपराधिक साजिश के अपराध को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत सिर्फ तभी एक अनुसूचित अपराध माना जाएगा, जब कथित साजिश पीएमएलए की अनुसूची में अपराध के रूप में शामिल हो। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस पंकज मित्थल की पीठ ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू के उस तर्क को खारिज कर दिया कि पीएमएलए अधिनियम की धारा 2 (वाई) के तहत धारा 120-बी अनुसूचित अपराध से संबंधित है और इसके तहत ईडी अधिकारियों के पास अपराध की जांच करने की शक्ति है। कोर्ट ने कहा, धारा 120-बी के तहत दंडनीय अपराध केवल तभी एक अनुसूचित अपराध बनेगा, जब कथित साजिश, पीएमएलए अनुसूची में विशेष रूप से शामिल अपराध करने की हो। उस आधार पर, हम ईडी की कार्यवाही को रद्द करते हैं। कर्नाटक हाईकोर्ट के निर्णय के खिलाफ सुनाया फैसला न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति पंकज मित्थल की पीठ ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के एक फैसले के खिलाफ दायर अपील पर यह फैसला सुनाया, जिसने पीएमएलए के तहत याचिकाकर्ता के खिलाफ धन शोधन के अपराध के लिए बंगलूरू में विशेष न्यायाधीश के सामने लंबित मामले में कार्यवाही रद्द करने से इनकार कर दिया था। पीठ ने कहा, याचिकाकर्ता के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 143, 406, 407, 408, 409, 149 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

पीएमएलए को किसी मामले में सिर्फ तभी लागू किया जा सकता है यदि अपराध इस कानून के तहत सूचीबद्ध हो।

पीठ ने कहा, वर्तमान मामले में अपराध पीएमएलए के तहत अनुसूचित नहीं है, इसके बावजूद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आईपीसी की धारा 120बी (जो अनुसूचित अपराध है) लगा कर इसमें पीएमएलए लागू कर दिया।

आईआईटी में एक दिसंबर से कैंपस प्लेसमेंट का आगाज, दिल्ली, मद्रास समेत दिग्गज संस्थानों की तैयारियां पूरी

- आईआईटी दिल्ली, बीएचयू, गुवाहाटी, मद्रास समेत अन्य आईआईटी के कैंपस प्लेसमेंट अधिकारियों का कहना है कि एक दिसंबर को कैंपस प्लेसमेंट का पहला सत्र शुरू हो जाएगा।

एनटीवी, नई दिल्ली

आईआईटी प्रबंधन को उम्मीद है कि कैंपस प्लेसमेंट के पहले ही दिन पहले ही राउंड में लाखों-करोड़ों रुपये के पैकेज के साथ छात्रों को ऑफर मिलने शुरू हो जाएंगे। कैंपस प्लेसमेंट सेल इस प्लेसमेंट राउंड के लिए कई दिनों से तैयारियां कर रहे थे। आईआईटी दिल्ली, बॉम्बे, कानपुर, मद्रास, खड़गपुर, बीएचयू, रुड़की, धनबाद, हैदराबाद, मंडी, रोपड़, जोधपुर, गांधीनगर, गुवाहाटी समेत अन्य दिग्गज प्रौद्योगिकी संस्थानों में एक दिसंबर से कैंपस प्लेसमेंट सत्र शुरू होने जा रहा है। देश के इन दिग्गज प्रौद्योगिकी संस्थानों में कैंपस प्लेसमेंट एक दिसंबर से शुरू होकर मई तक चलेगा। दो चरणों में चलने वाले इस कैंपस प्लेसमेंट सत्र में देशी-विदेशी आईटी, मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग, एनालॉटिक्स, फाइनेंस क्षेत्रों की कंपनियां टेलेंट के आधार पर भारतीय छात्रों का चयन करेंगी। आईआईटी दिल्ली, बीएचयू, गुवाहाटी, मद्रास समेत अन्य आईआईटी के कैंपस प्लेसमेंट अधिकारियों का कहना है कि एक दिसंबर को कैंपस प्लेसमेंट का पहला सत्र शुरू हो जाएगा। कैंपस प्लेसमेंट सेल से लेकर बीटेक प्रोग्राम के छात्र भी एक दिसंबर के लिए तैयारियों में जुटे हुए हैं। आईआईटी प्रबंधन को उम्मीद है कि कैंपस प्लेसमेंट के पहले ही दिन पहले ही राउंड में लाखों-करोड़ों रुपये के पैकेज के साथ छात्रों को ऑफर मिलने शुरू हो जाएंगे। कैंपस प्लेसमेंट सेल इस प्लेसमेंट राउंड के लिए कई दिनों से तैयारियां कर रहे थे। छात्रों की कमियों को दूर करने के लिए विशेष काउंसलिंग भी करवायी गई, ताकि इंटरव्यू में किसी प्रकार की कोई कमी न रह जाए। हिंदी और गैर हिंदी राज्यों के छात्रों के लिए विशेष ट्रेनिंग सेशन भी चलाए गए हैं, ताकि इंग्लिश भाषा किसी प्रकार से कैंपस प्लेसमेंट में बाधा न बन सके। इस कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में छात्रों को प्लेसमेंट ऑफर के अलावा प्री-प्लेसमेंट ऑफर भी शामिल होंगे। आईटी सेक्टर में लगातार बढ़ रही मांग आईआईटी कैंपस प्लेसमेंट में लगातार आईटी सेक्टर टॉप पर चल रहा है। आईटी सेक्टर में सबसे अधिक रोजगार के मौके उपलब्ध होने के कारण सबसे अधिक छात्रों को आईटी कंपनियों की ओर से ऑफर लेटर मिलते हैं। एक अनुमान के मुताबिक, 35 से 32 फीसदी तक आईटी, इंजीनियरिंग के कोर एरिया में 29 से 31 फीसदी, मैनेजमेंट में 10 से 11 फीसदी, कंस्लटेंसी में 14 से 15 फीसदी, एनालॉटिक्स में 9 से 10 फीसदी तो फाइनेंस में चार से पांच फीसदी को रोजगार मिलने की उम्मीद है। यह कंपनियां प्लेसमेंट में रहेंगी खास ब्लूमबर्ग लंदन, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, सैमसंग, एडोब, वॉलमार्ट, बोस्टन, मैकेंजी, गोल्डमैन सॉक्स स्प्रिंकलर, पेटीएम, अमेजन,कैशफ्री, इसरो, फिल्पकार्ट,क्वालॉकॉम,रिलायंस जियो, कैपजेमिनी, विस्काडिया, सेरेमॉर्फिक एडवर्ब, एलएडटी आदि नाम शामिल हैं।

छात्रों को विदेशी कंपनियों के साथ भारत समेत हांगकांग, जापान, मिडिल-ईस्ट, साउथ कोरिया, ताइवान, यूएस आदि देशों में काम करने का मौका मिलेगा।

टैंपल स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम- डील- 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय : 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए-4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट, कार्यालय : 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड़, नियर बैक ऑफ बडौदा दिल्ली110042